दिनमान
सूर्योदय 5.08 सूर्यास्त 6.01
तापमान
अधिकतम 35° न्यूनतम 27°

वर्ष 18, अंक 309 पृष्ठ 12
कोलकाता, रविवार, 26 अप्रैल 2026
बैशाख, शुक्लपक्ष, दशमी, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
# युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com



## अमित शाह ने पहले चरण में 110 सीटें जीतने का किया दावा, कहा–

# सत्ता में आए तो लागू करेंगे सीएए

### 4 मई को खिलेगा कमल, पीएम को खिलायेंगे सीताभोग ■ केंद्रीय गृह मंत्री ने गुंडों को दी सीधी चेतावनी

**कोलकाता:** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है, और पार्टी 23 अप्रैल को हुए मतदान में 110 सीटें जीतेगी. शाह ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को, विशेष रूप से मतुआ समुदाय के लिए, शीघ्रता से लागू किया जाएगा.

उन्होंने कहा, पहले चरण का मतदान हो चुका है. पहले ही चरण में भाजपा 110 सीटें जीतेगी और (ममता) दीदी सत्ता से बेदखल हो जाएंगी. भाजपा यहां सरकार बनाएगी. बंगाल की 294-विधानसभा सीटों में से 152 सीटों पर 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ और 92 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया. दूसरे चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा.

शाह ने सीएए के विरोध को लेकर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधा और उनकी सरकार पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को नागरिकता के अधिकार से वंचित करने और उन्हें भयभीत रखने का आरोप लगाया. भाजपा नेता ने कहा, दीदी सीएए कानून को लागू नहीं होने दे रही हैं. आप कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) की सरकार बनाइए, और पांच मई के बाद भाजपा



सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मतुआ समुदाय के हर भाई-बहन को नागरिकता मिले. बांग्लादेश से संबंध रखने वाले राजनीतिक रूप से प्रभावशाली शरणार्थी समुदाय का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि मतुआ लोगों को भाजपा सरकार के तहत अब अनिश्चितता में नहीं रहना पड़ेगा. उन्होंने कहा, मतुआ समुदाय के लोगों को अब डर में जीने की जरूरत नहीं है.

शाह ने आरजी कर अस्पताल मामला, संदेशखाली और कोलकाता के एक विधि कॉलेज में कथित अपराधों जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासनकाल में सबसे ज्यादा नुकसान महिलाओं को ही उठाना पड़ा है. चाहे आरजी कर मामला हो, संदेशखलि या दक्षिण कोलकाता विधि कॉलेज का मामला हो, हर घटना ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ममता दीदी की सरकार की पूर्ण विफलता को उजागर किया है.

केंद्रीय मंत्री ने बनर्जी के उन कथित बयानों पर आपत्ति जताई जिनमें उन्होंने महिलाओं को शाम सात बजे के बाद घर से बाहर न निकलने की सलाह दी थी. शाह ने कहा कि ऐसे बयान सरकार की विफलता को दर्शाते हैं. उन्होंने कहा, दीदी कहती हैं कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए, लेकिन पांच मई के बाद, जब भाजपा की सरकार बनेगी, तो अगर कोई लड़की रात एक बजे भी बाहर निकलने का फैसला करती है, तो कोई उसे आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं करेगा.

अमित शाह ने बर्धमान की प्रसिद्ध मिठाई का जिक्र करते हुए जनता को भाजपा से जोड़ा. उन्होंने कहा कि पहले चरण के रुझान बता रहे हैं कि भाजपा प्रचंड बहुमत की ओर है. दूसरे चरण में आपलोगों को कमल खिलाना है, ताकि 4 मई को बर्धमान के 'सीताभोग' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुंह मीठा कराया जा सके.

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 'घास फूल' की विदाई का वक्त आ गया है. भाजपा सरकार बनते ही भ्रष्टाचारियों और लुटेरों को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया जायेगा. शाह ने चेतावनी दी कि अगर किसी गुंडे ने मां-बहनों की तरफ आंख उठाकर भी देखा, तो वह सीधे जेल की सलाखों के पीछे होगा. देश के 20 राज्यों में भाजपा सरकार ने यह करके दिखाया है. शाह ने ऐलान किया कि भाजपा सरकार राज्य की महिलाओं और युवाओं के लिए 3000 रुपए प्रति माह की विशेष आर्थिक योजना लेकर आयेगी. उन्होंने जमालपुर की जनता से अपील की कि अरुण हल्दर को भारी मतों से जिताएं, उन्हें बड़ा नेता बनाने की जिम्मेदारी भाजपा की होगी.

## पीएम मोदी के झालमुड़ी तंज पर ममता का पलटवार, कहा

# हमें नहीं, 4 मई को मिर्ची आपको लगेगी

**कोलकाता:** पश्चिम बंगाल में पहले चरण के चुनाव संपन्न होने के बाद राजनीति और भी ज्यादा तीखी हो गई है. पीएम मोदी के झालमुड़ी ब्रेक वाले वीडियो के वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि 4 मई को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब पीएम मोदी को झाल (मिर्च वाले तीखे स्वाद) का पता चलेगा. बनर्जी का यह बयान पीएम मोदी के उस तंज के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि झालमुड़ी उन्होंने खाई थी लेकिन मिर्ची टीएमसी वालों को लगी है. पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, हमें झाल नहीं मिला, लेकिन आपको (पीएम मोदी को) जरूर मिलेगा, जब 4 मई को नतीजें आएंगे. उस समय आपको पता चलेगा कि झाल क्या होता है.

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झाल मुड़ी ब्रेक को ड्रामा करार दिया. ममता ने अपने हमले को और भी ज्यादा तीखा करते हुए कहा, चुनाव के दौरान कभी वह गुफा में चले जाते हैं. कभी खुद को चायवाला बताने लगते हैं. वह 10 रुपए में झालमुड़ी खा रहे हैं, जो उनके ही लोगों द्वारा बनाई हुई है. दुकान में पहले से ही कैमरा मौजूद था, यह सब ड्रामा है. वह अपनी रैलियों में बाहर से ट्रेनों में भरकर लोगों को लाते हैं. इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी पर निशाना साधा था. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए झालमुड़ी ब्रेक को लेकर कहा, 4 मई को बंगाल में भाजपा की जीत का जश्न होगा, मिठाइयां बांटी जाएंगी और झालमुड़ी भी बांटी जाएगी. वैसे मैंने सुना है कि झालमुड़ी ने कुछ लोगों को



जोरदार झटका दिया है. मैंने झालमुड़ी खाई है, लेकिन टीएमसी को इसकी मिर्च लगी है.

बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक दुकान पर झालमुड़ी खाई थी. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हुआ था. कांग्रेस और टीएमसी ने इसे लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला था.

## चुनावी रैली में तृणमूल के भ्रष्टाचार पर बोला राहुल ने

# मैं बेल पर हूं, मुझ पर 36 केस, ममता पर क्यों नहीं?

कोलकाता। राहुल गांधी ने आज चुनावी सभा में कहा कि उनके खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं, उनकी लोकसभा सदस्यता छीनी गई और उन्हें कई राज्यों में यात्रा करनी पड़ती है. उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में उद्योग नष्ट किए और बेरोजगारी बढ़ाई. राहुल ने सारदा और रोज वैली जैसे हजारों करोड़ रुपये के घोटालों का भी जिक्र किया. उन्होंने कोयला तस्करी, अवैध खनन और गुंडा कर जैसे मुद्दों पर भी टीएमसी सरकार को घेरा.

राहुल गांधी ने दावा किया कि केवल कांग्रेस पार्टी ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से वैचारिक आधार पर लड़ती है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी केवल चुनाव के दौरान ममता बनर्जी पर हमला करते हैं. गांधी ने आरोप लगाया कि टीएमसी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर वही अत्याचार करती है जो भाजपा देश के अन्य हिस्सों में करती है. राहुल ने कहा की ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा जानती है कि असली लड़ाई टीएमसी से नहीं है बल्कि कांग्रेस से है. कोलकाता में एक रैली को संबोधित कर रहे राहुल गांधी ने ममता सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं अभी बेल पर हूं. उन्होंने कहा, आज में यहां आया हूं, मैं बेल पर हूं. नरेंद्र मोदी ने मेरा घर ले लिया.

# बंगाल में चुनाव आयोग ने सस्पेंड किए 5 पुलिस अफसर

**कोलकाता:** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में लापरवाही बरतने पर निर्वाचन आयोग ने कड़ी कार्रवाई की है. चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव पश्चिम बंगाल सरकार को पत्र भेजकर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान अनियमितता और पक्षपात करने के आरोप में पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. इसके साथ ही अनुशासनात्मक कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है. निलंबित हुए अधिकारियों में आईपीएस समेत एसडीपीओ और प्रभारी निरीक्षक भी शामिल हैं.

**इन पुलिस अफसरों पर गिरी गाज**

चुनाव आयोग ने संदीप सरकार प्रभारी अधिकारी, हिंगलगंज पुलिस स्टेशन को निलंबित करने के साथ ही तत्काल अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश जारी किया है. इसके अलावा संदीप गराई (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डायमंड हार्बर), साजल मंडल (एसडीपीओ, डायमंड हार्बर), मौसम चक्रवर्ती (इंस्पेक्टर इंचार्ज, डायमंड हार्बर पुलिस स्टेशन), अजय




बाग (इंस्पेक्टर इंचार्ज, फलता पुलिस स्टेशन) और शुभेच्छा बाग (ऑफिसर इंचार्ज, उस्थी पुलिस स्टेशन) को निलंबित करने का आदेश दिया है. इसके साथ ही संदीप गराई को लेकर गृह मंत्रालय में उनके कैडर नियंत्रण प्राधिकारी को एक रिपोर्ट भेजने का भी आदेश जारी किया है. संदीप गराई भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं. इसके अतिरिक्त, चुनाव जैसे संवेदनशील मामलों में अपने अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा अनुशासन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए डायमंड

**2 आईपीएस संदीप गराई और ईशानी पॉल भी शंट**

हार्बर की पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशानी पाल को चेतावनी दी है. आयोग के निर्देशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने और इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट सुबह 11:00 बजे तक भेजने का निर्देश मुख्य सचिव को दिया है.आयोग मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद निर्देश देता है कि इन अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने एवं गंभीर कदाचार के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की जाए. चुनाव आयोग ने कहा है कि तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने में गंभीर दुर्व्यवहार और विफलता के लिए अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने और खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया गया है. निर्वाचन आयोग ने इन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता और आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है.

**युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072**

## कलकत्ता हाई कोर्ट ने खारिज की तृणमूल की याचिका, कहा

# सही है अति सेंसिटिव बूथों पर सीआरपीएफ तैनाती का फैसला

**कोलकाता:** कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य के अति संवेदनशील बूथों पर केंद्रीय बल की तैनाती के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है. कोर्ट ने कहा है कि अति संवेदनशील बूथों की सुरक्षा की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है. अदालत ने तृणमूल कांग्रेस की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा सीआरपीएफ की तैनाती के निर्देश को चुनौती दी गई थी.दरअसल, 18 अप्रैल को आयोग ने एक निर्देश जारी कर विभिन्न खुफिया रिपोर्ट और सूचनाओं के आधार पर अति संवेदनशील बूथों पर स्वतंत्र और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल तैनात करने का निर्णय लिया था. इस निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस अदालत पहुंची थी.

मामले की सुनवाई के दौरान तृणमूल के वकील अनिर्वाण राय ने तर्क दिया कि बल तैनाती में मैनुअल आन फोर्स डिप्लायमेंट का सही पालन नहीं किया गया. उनका कहना था कि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान मतदान से कम से कम छह महीने पहले शुरू होनी चाहिए, जबकि इस मामले में चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद यह निर्देश जारी किया गया, जो उद्देश्यपूर्ण है. वहीं, चुनाव आयोग के वकील दामा शेषाद्रि नायडू ने अदालत को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 329(बी) के तहत चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता. साथ ही, 2023 के मैनुअल की धारा 1.3 के अनुसार कानून-व्यवस्था बनाए रखने और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है. अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आयोग का निर्णय खुफिया रिपोर्ट और तथ्यों के आधार पर लिया गया है.

BHOOMI INDUSTRIAL PARK

STATE APPROVED INDUSTRIAL PARK
(UNDER GOVT. OF WEST BENGAL)

NEAR DURGAPUR EXPRESSWAY
DHANIAKHALI-CHUNCHURAH ROAD

VASTU COMPLIANT INDUSTRIAL PLOTS

INVEST FOR THE
RIGHT SPACE

INTERGRATED INFRASTRUCTURE

- Land Mutation & Coversion
- Sewage Treatment Plant (STP)
- On-site Weighing Scale
- Fire Station
- Power Substation
- 24 x 7 Security
- 40 ft Wide Internal Road
- Business Centre
- Boundary Wall
- Drainage System

PROPOSED AREA : 100 ACRE OR 300 BIGHA

Scan to know more

Cal us to know more
M: +91 90880 90770
*Artistic Impression | T&C Apply

E: info@bhoomiipark.com
www.bhoomiipark.com
Bhoomi Industrial Park Bhoomiipark
BhoomiIndustrialPark Bhoomi Industrial Park

The information and visuals contained herein are indicative. Bhoomi reserves rights to make amendments as and when it deems fit and proper, without any prior notice. No representation or warranty is made or intended as to the accuracy of information and no commitments are being given under this brochure . Visuals, drawings, plans or sketches shown are only an architect's impression and are subject to approvals from local authorities.

## युवा शक्ति : चुनावी दंगल

### जगतदल के भाजपा के प्रत्याशी व पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ राजेश कुमार से साक्षात्कार

# लोग इस निर्मम सरकार को बदलना चाहते हैं : डॉ राजेश कुमार

कौन जीतेगा बंगाल अभियान के तहत **युवा शक्ति** जन- जन तक पहुंच रहा है. तमाम प्रत्याशियों से उनके विचार, उनके वादों की पड़ताल की जा रही है. जगतदल के भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और **पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ राजेश कुमार** जन- जन तक पहुंचकर संवाद कर रहे हैं, लोगों से मिल रहे है और उनको अपार समर्थन भी मिल रहा है. जगतदल के एक्साइड मोड़ पर उनका साक्षात्कार लिया **युवा शक्ति** ने. प्रस्तुत है इंटरव्यू का संक्षिप्त अंश :

**युवा शक्ति : इस बार का चुनाव क्या संकेत दे रहा है? क्योंकि आईपीएस रहते हुए अपने बहुत सारे चुनाव देख कंडक्ट किये. इस बार इलेक्शन कमीशन की भूमिका किस रूप में देख रहे हैं?**

**डॉ राजेश :** इस बार का चुनाव व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है. लोगों के मन में आक्रोश है इस भ्रष्ट निर्माण सरकार के प्रति. मैं जहां पर भी लोगों से मिलने के लिए उनके दरवाजे तक गया हूं, हर आदमी के मन में एक ही भाव है परिवर्तन का. इस सरकार को बदले बिना बंगाल का भला नहीं हो पायेगा. बंगाल की एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है, जो बंगाल का गौरव रहा है, उसको अगर वापस लाना है तो सरकार को बदलना ही होगा. जहां तक आप इलेक्शन कमीशन की बात कर रहे हैं तो आपके माध्यम से निर्वाचन आयोग को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने जिस तरह की व्यवस्था की है, उससे अपराधियों में भय है, भ्रष्ट नेताओं में भय है और आम जनता में विश्वास लौटा है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपने मतदान का प्रयोग कर पाएंगे.

**युवा शक्ति : यहां ऐसे कौन-कौन से मुद्दे हैं, जिनका समाधान पूर्ववर्ती विधायक नहीं कर पाये हैं? लोग आपसे क्या शिकायत कर रहे हैं?**

**डॉ राजेश :** यहां कई बड़े-बड़े मुद्दे हैं. सबसे पहले तो यहां की बंद फैक्ट्रियों की मशीनों व उनके पुर्जों को स्क्रैप बनाकर चोरी करने की बात है. यहां के विधायक को लोग तो लोहाचोर बोलते हैं. दूसरा विकास का मुद्दा है.लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है. उन्हें बाहर जाना पड़ रहा है. बंगाल से करीब 40 से 50 लाख लोग प्रवासी श्रमिक के रूप में दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं. यहां बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव है. सड़कें नहीं है, घर में पीने का साफ पानी नहीं है. प्रधानमंत्री जी के जल जीवन मिशन का काम पूरा नहीं हुआ है. आवास योजना के मकान भी 25-25 हजार घूस लेकर दिये गये हैं. 15 साल में इस इलाके में केवल 1200 घर बने हैं. ड्रेनेज की व्यवस्था बहुत खराब है . जरा सी बरसात में

घुटनों से कमर तक पानी में चलने के लिए मजबूर होते हैं लोग. इससे मच्छर से संबंधित बीमारियां फैलती हैं. आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री सोलर योजना का भी लाभ जगतदल के लोगों को बिल्कुल भी नहीं मिला है. आयुष्मान भारत योजना को तो चालू ही नहीं किया गया है. कोई ऑटो चलाता है, छोटी दुकान चलाता है, कोई व्यवसाय करता है, उसको दैनिक बेसिस पर या मंथली बेसिस पर तोला देना पड़ता है. महिला सुरक्षा भी पश्चिम बंगाल के लिए बहुत बड़ा मुद्दा है. लोगों का व्यवसाय खत्म हो गया है. हमारी कार्यकर्ता शोभा रानी को जान से मार दिया गया और अन्य बहुत सारे लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है. कितनी महिलाओं ने अपने पतियों को खोया है, कितनी मांओं ने अपने बच्चों को खोया है. लोगों व महिलाओं को डराया जाता है. पार्क स्ट्रीट, संदेशखाली, कसबा लॉ कॉलेज में हुई घटनाओं ने महिलाओं की सुरक्षा की पोल खोल दी है. मुख्यमंत्री स्वयं कहती हैं कि महिलाओं को रात 8:00 बजे के बाद क्यों घर से बाहर निकलना चाहिए? ये तालिबानी शासन कायम कर रहे हैं. बंगाल में इसीलिए इस सरकार को बदलने की जरूरत है.

**युवा शक्ति : शिक्षा और चिकित्सा को लेकर इस इलाके की क्या स्थिति है?**

**डॉ राजेश :** यहां सबसे मुख्य मुद्दा है कि आज इतने सालों के बाद भी जगतदल में अपना कोई सरकारी चिकित्सालय नहीं है, कोई कॉलेज नहीं है, बड़ा स्टेडियम नहीं है कि बच्चे खेलकूद कर सकें. हम यहां अच्छा सरकारी चिकित्सालय बनाएंगे, सरकारी कॉलेज खोलेंगे, बच्चों को ट्रेनिंग की व्यवस्था करेंगे, स्टेडियम बनवाएंगे.

**युवा शक्ति : आप इस क्षेत्र में ऐसे कौन 5 काम कौन-कौन से करना चाहेंगे?**

**डॉ राजेश :** सबसे पहले तो यहां गुंडा राज खत्म कर कानून का राज स्थापित करना होगा. गुंडों से मैं कह रहा हूं कि सुधर जाओ, सरेंडर कर दो, अपनी गतिविधियों को छोड़ दो, नहीं तो 4 मई के बाद जब सरकार पलटेगी, तुम लोग कहां बच के जाओगे. तुम्हारे आका लोग अपने आप को बचाने में लगे रहेंगे, तुमको कौन बचाने आएगा? मैं हर मां से कह रहा हूं कि डरिये मत. इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, फैक्ट्रियों को वापस लाना, गांव में किसानों की समस्याओं को दूर करना है. जब यहां भाजपा की डबल इंजन सरकार बनेगी तो बहुत सारे काम करने होंगे.

**युवा शक्ति : बंगाल की जनता से आप क्या अपील करेंगे?**

**डॉ राजेश :** जगतदल की जनता से एक ही अपील करना चाहता हूं आप निश्चिंत रहिए. यहां पर कोई भी डर नहीं पैदा कर पायेगा. डर पैदा करने की कोशिश को मृत्युमुखी सरकार का अंतिम आर्तनाद समझिये. ये लोग कुछ भी नहीं कर पाएंगे. आप लोग निर्भय होकर वोट दीजिए. प्रदेश की जनता से भी मैं यही कहना चाहूंगा कि आप निर्भय होकर वोट दीजिए. आपका एक-एक वोट कीमती है. इस निर्मम सरकार को पलट दीजिये और डबल इंजन सरकार स्थापित करिए, जिससे कि बंगाल खोया हुआ गौरव वापस पा सके.

# पारिवारिक मूल्यों के प्रति आजीवन सजग रहीं रामकली देवी अग्रवाल

- आज तपसिया रोड के ओजस बैंक्वेट में श्रद्धांजलि सभा
- आधुनिक समूह से जुड़े उनके 6 पुत्र व पूरा परिवार दुखी

**युवा शक्ति न्यूज**

**कोलकाताः** आधुनिक कंपनी समूह के मालिकान अभी शोक में डूबे हुए हैं. समूह के संचालक उनके छह सुपुत्र जुगल किशोर अग्रवाल, घनश्याम दास अग्रवाल, निर्मल कुमार अग्रवाल, मोहन लाल अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल एवं मनोज कुमार अग्रवाल हैं. उनकी धर्मपत्नियां, पौत्र-पौत्रियां, प्रपौत्र-प्रपौत्रियां तथा सम्पूर्ण परिवारजन एवं रिश्तेदारगण उनके निधन से शोकाकुल हैं. 5 मई 1930 को जन्मी श्रीमती रामकली देवी अग्रवाल, आयु 95 वर्ष, धर्मपत्नी स्वर्गीय महादेव प्रसाद अग्रवाल का गत 21 अप्रैल को स्वर्गवास हो गया. उन्होंने शांतिपूर्वक परमधाम की ओर प्रस्थान किया. मूल रूप से नारनौल, हरियाणा की निवासी, माता श्री ने अपने जीवन का अधिकांश समय कोलकाता में व्यतीत किया, जहां उन्होंने अपने परिवार की सेवा पूर्ण निष्ठा, धर्म और संस्कारों के साथ की. एक धर्मपरायण एवं परंपरागत गृहिणी के रूप में वे अपनी उदारता, अतिथि-सत्कार तथा सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए सदैव स्मरणीय रहेंगी. उन्होंने काफी कुशलता से परिवार का पालन-पोषण तो किया ही, उनकी शिक्षा-दीक्षा पर भी पूरा ध्यान दिया और इस लायक बनाया कि वे आधुनिक समूह जैसे बड़े उद्यम का कार्यभार संभाल सकें. अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ने वाली रामकली देवी के प्रेम, त्याग और आशीर्वाद को पूरा परिवार संजोकर रखना चाहता है. उनकी आत्मा की शांति हेतु 26 अप्रैल को तपसिया रोड के ओजस बैंक्वेट में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी. अग्रवाल परिवार ने समस्त मित्रगण, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों से श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना में सम्मिलित होने का आग्रह किया है. महानगर के अग्रवाल परिवार के मित्रों ने रामकली देवी अग्रवाल के निधन पर शोक व्यक्त किया है. वे काफी धार्मिक प्रवृति की थीं और पारिवारिक मूल्यों के प्रति आजीवन सजग रहीं. युवाशक्ति परिवार ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है और उनके पुत्रों को यह दुःख सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है. उल्लेखनीय है कि आधुनिक समूह भारत के खनन, इस्पात, और बिजली क्षेत्रों का एक प्रमुख औद्योगिक समूह है, जिसका मुख्यालय कोलकाता में है. यह समूह ओडिशा और झारखंड में स्थित संयंत्रों के माध्यम से टीएमटी बार, स्टेनलेस स्टील, और मिश्र धातु इस्पात का निर्माण करता है.

# मारवाड़ी बालिका विद्यालय में डिजिटल स्मार्ट कक्षाओं से छात्राओं में प्रसन्नता

**युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता:** बड़ाबाज़ार के प्रतिष्ठित मारवाड़ी बालिका विद्यालय (शिक्षायतन फाउंडेशन की एक यूनिट) में विद्यालय के अध्यक्ष के.डी. अग्रवाल की पहल से टाटा एज स्मार्ट कक्षाओं का शुभारम्भ किए जाने से छात्राओं एवम् शिक्षिकाओं में प्रसन्नता है. यह निर्णय छात्राओं को डिजिटल युग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से लिया गया है. के डी अग्रवाल ने बताया समाजसेवी ललित बेरीवाल (श्याम स्टील फाउंडेशन द्वारा प्रदत्त डिजिटल उपकरणों और पूर्ण सहयोग से अब छात्राएं कठिन विषयों को आधुनिक तकनीक, ग्राफिक्स और डिजिटल एनिमेशन के माध्यम से अधिक सुगमता और रुचि के साथ समझ सकेंगी. अनवेलिंग द न्यू एरा ऑफ स्मार्ट लर्निंग के संकल्प के साथ शुरू की गई यह अत्याधुनिक सुविधा कक्षा आठ से दस तक की छात्राओं के लिए समर्पित है. विद्यालय के अध्यक्ष के.डी. अग्रवाल, सचिव सुधा जैन और हेडमिस्ट्रेस विभा सिंह ने शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा शिक्षा में तकनीक का समावेश आज की सबसे बड़ी अनिवार्य आवश्यकता है. के.डी. अग्रवाल के नेतृत्व में विद्यालय प्रबंधन शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. विद्यालय प्रबंधन समिति समिति साइंस विषय को उच्च माध्यमिक में शामिल करने के उद्देश्य से प्रयासरत है. अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी लेब भी स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है. के डी अग्रवाल ने शिक्षायतन फाउंडेशन एवम् विद्यालय की निरन्तर प्रगति में सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया.

# बंगाल चुनाव से हर भारतीय का हित जुड़ा है क्योंकि घुसपैठिए अन्य राज्यों में भी फैल रहे: हिमंत

**कोलकाताः** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हर भारतीय का हित जुड़ा हुआ है क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठिए न केवल राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तन ला रहे हैं बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी फैल रहे हैं. शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी असम की 126 सीट में से 100 से अधिक सीट जीतेगी और पश्चिम बंगाल में पहले चरण के चुनाव में जिन 152 सीट पर मतदान हुआ है, उनमें से 110 सीट जीतेगी. उन्होंने कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा का 200 से अधिक सीट जीतना आश्चर्यजनक नहीं होगा. पहले चरण में लगभग 93 प्रतिशत मतदान से पता चलता है कि अब भय का माहौल नहीं है, जिसने पहले लोगों को भाजपा का खुलकर समर्थन करने से रोका था. शर्मा ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है, बल्कि यह पूरे देश, विशेष रूप से इसके पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए सभ्यतागत महत्व का एक मुकाबला है. उन्होंने तृणमूल कांग्रेस द्वारा भाजपा नेताओं को बाहरी करार दिए जाने संबंधी बयान का जवाब देते हुए कहा, इस चुनाव में हर भारतीय का हित जुड़ा है. घुसपैठ का असर सिर्फ पश्चिम बंगाल और असम तक सीमित नहीं है. यह झारखंड, बिहार और अन्य राज्यों में भी फैल रहा है. शर्मा ने कहा कि अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा को सत्ता में नहीं लाया गया तो राज्य में अनियंत्रित घुसपैठ के कारण बांग्लादेश का विस्तार होने का खतरा है. उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के चुनाव को असम, त्रिपुरा, मेघालय और मिजोरम से अलग करके नहीं देखा जा सकता. अगर एक भी सीमा खुली रहती है तो उसका असर सभी राज्यों पर पड़ेगा. शर्मा ने कहा कि मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों से घुसपैठ करने वाले लोग सिर्फ पश्चिम बंगाल तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे इस राज्य को असम और भारत के अन्य हिस्सों तक पहुंचने के लिए एक गलियारे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं. अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के मुद्दे पर शर्मा ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जानबूझकर बाधा डालने का आरोप लगाया. उन्होंने दावा किया, असम में 100 प्रतिशत बाड़ लगाई जा चुकी है और त्रिपुरा में काम प्रगति पर है, जबकि पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य है जहां बाड़ नहीं लगाई जा रही है. शर्मा ने कहा कि उत्तर दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, दक्षिण और उत्तर 24 परगना, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार और नदिया में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा, ये सभी सीमावर्ती जिले हैं. जो भी आज मुर्शिदाबाद, दिनाजपुर या मालदा जाएगा उसे लगेगा कि ये बांग्लादेश के ही विस्तार हैं. शर्मा ने दावा किया कि असम में मुस्लिम आबादी लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है.

# अनोखे अंदाज में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का चुनाव प्रचार

**कोलकाताः** विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर अलग अंदाज में नजर आईं. शनिवार को दमदम उत्तर सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रिमा भट्टाचार्य के समर्थन में रोड शो के दौरान वह एक पार्टी कार्यकर्ता की बाइक पर सवार होकर लोगों के बीच पहुंचीं. करीब पांच साल पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में ई-स्कूटर चलाने वाली ममता बनर्जी इस बार चुनावी माहौल में दोपहिया वाहन पर दिखीं. उस समय उन्होंने राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम के इलेक्ट्रिक स्कूटर पर सवारी की थी. शनिवार को बिराटी में आयोजित रोड शो के दौरान वह पहले कार से मिनी बस स्टैंड पहुंचीं और कुछ दूरी तक पैदल मार्च किया. इसके बाद उन्होंने एक स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता की बाइक पर सवार होकर बाकी रास्ता तय किया और इसी दौरान जनसंपर्क अभियान भी जारी रखा. उनकी इस तस्वीर ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को काफी प्रभावित किया. सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग उन्हें देखने के लिए जुट गए. समर्थकों का कहना है कि इस तरह आम कार्यकर्ता की बाइक पर सवार होकर ममता बनर्जी ने एक बार फिर खुद को जननेता साबित किया है. दूसरे चरण के मतदान से पहले तृणमूल की ओर से ममता बनर्जी और अन्य नेता लगातार जिलों में प्रचार कर रहे हैं. एक ही दिन में कई जगहों पर सभाएं और रोड शो कर चुनावी अभियान को तेज किया जा रहा है.

## पत्रकार धीरेन्द्र झा (ब्रह्मचारी) नहीं रहे

**हावड़ा/कोलकाता :** लगभग चार दशकों तक पत्रकारिता में सक्रिय रहे धीरेन्द्र कुमार झा ऊर्फ ब्रह्मचारीजी का गत 21 अप्रैल को हावड़ा स्थित निवास पर देहावसान हो गया. वे कई महीनों से अस्वस्थ थे. वे जीवन के सातवें दशक में थे. ब्रह्मचारीजी अपने पीछे पत्नी और बच्चों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं. राष्ट्रवादी विचारों वाले ब्रह्मचारीजी मूलरूप से मिथिलांचल के निवासी थे. स्व. ब्रह्मचारीजी ने लम्बे समय तक दैनिक छपते-छपते के सम्पादकीय विभाग में कार्य किया. कुछ दिनों तक उन्होंने स्वतंत्र लेखन भी किया. पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका अंतिम पड़ाव भारतमित्र अखबार रहा, जहां उन्होंने कई वर्षों तक कार्य किया. स्व. ब्रह्मचारी अत्यन्त व्यवहार-कुशल, कार्यदक्ष तथा यारों के यार थे. स्वयं साधारण उपार्जन करने के बावजूद उन्होंने जरूरतमन्द

परिचितों की मदद हेतु सदैव सहायता का हाथ बढ़ाया. उनके निधन से पत्रकारिता जगत में अपूरणीय क्षति हुई है. पत्रकार प्रकाश चंडालिया ने ब्रह्मचारी जी स्मरण करते बताया कि उनके जीवन की सबसे बड़ी बात यह रही कि खुद आर्थिक संकटों में रहते हुए किसी के मदद करने में पीछे नहीं रहे. मुझे कहने में कोई संकोच नहीं कि दर्जनों बार मेरे 10 रुपए नहीं होते तो मुझे ब्रह्मचारी से कहना पड़ता, वे तुरंत अरेंज करवाने में जुट जाते. रामकथावाचक पुरुषोत्तम तिवारी ने बताया कि ब्रह्मचारीजी के नाम से वे प्रसिद्ध थे. वे किसी से डरते नहीं थे. कठोर मेहनत करने वाले ब्रह्मचारीजी जहां रहते सबको हंसाते रहते. वे अपने पत्रकारीय विवेक बल की कीमत समझते थे इसलिए सदा बेखबर रहते थे. छपते छपते के संपादक विशंभर नेवर ने ब्रह्मचारी जी के निधन पर हार्दिक शोक प्रकट करते हुए उन्हें एक बहुत ही विश्वसनीय सहयोगी एवं श्रमजीवी पत्रकार बताया. छपते छपते को आगे बढ़ाने में ब्रह्मचारी जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता.

# बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव आयोग सख्त, 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

**कोलकाताः** निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है. आयोग ने 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है. मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, नियुक्त किए गए सभी अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक अन्य राज्यों से बुलाए गए हैं. इनकी तैनाती का उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाना, हिंसा की आशंका रोकना और मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण बनाना है. पहले चरण के मतदान के दौरान व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद कुछ स्थानों पर तनाव और छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आई थीं. इसी को देखते हुए आयोग दूसरे चरण में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की संभावना समाप्त करना चाहता है. इन 11 अतिरिक्त नियुक्तियों के बाद राज्य में कुल पुलिस पर्यवेक्षकों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है. इससे पहले आयोग ने चुनाव के लिए 84 पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए थे, जो पिछले चुनावों की तुलना में अधिक थे. निर्वाचन आयोग ने संवेदनशील इलाकों की पहचान कर वहां विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं. अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य पुलिस को सौंपी गई है.

## बंगाल के दो सपूतों को मोदी सरकार ने दिये अहम दायित्व

# पुनर्गठित नीति आयोग में अशोक लाहिड़ी व गोवर्धन दास शामिल

**युवा शक्ति न्यूज**

**कोलकाताः** प्रमुख बंगाली अर्थ विशेषज्ञ डॉ. अशोक लाहिड़ी और डॉ. गोवर्धन दास मोदी सरकार के पुनर्गठित नीति आयोग को अपनी विद्वता से सशक्त बना रहे हैं. यह नियुक्ति विद्वता और राष्ट्र-निर्माण में बंगाल के महत्वपूर्ण योगदान की समृद्ध विरासत में एक और मील का पत्थर है. मोदी सरकार ने भारत के प्रमुख नीति और रणनीति निकाय, नीति आयोग का पुनर्गठन किया है, जिसमें प्रख्यात विशेषज्ञों डॉ. अशोक लाहिड़ी, डॉ. गोवर्धन दास के साथ डॉ. के.वी. राजू, डॉ. अभय करंदीकर, डॉ. एम. श्रीनिवास और श्री राजीव गौबा को नियुक्त किया गया है. इस नई प्रभावशाली टीम में 2 बंगाली दिग्गज शामिल हैं-वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. अशोक लाहिड़ी (उपाध्यक्ष के रूप में) और प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. गोवर्धन दास (सदस्य के रूप में). इसके साथ ही, बंगाल ने एक बार फिर अपने दो सपूतों को भारतीय नीति-निर्माण के शीर्ष स्तर पर बिठाया है, जो विद्वता और राष्ट्र-निर्माण में बंगाल की ऐतिहासिक और समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाता है. पीएम नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण की ओर देश का नेतृत्व करने की बागडोर नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष डॉ. अशोक लाहिड़ी के हाथों में होगी. चार दशकों से अधिक के करियर वाले भारत के सबसे अनुभवी और वरिष्ठ अर्थशास्त्रियों में से एक डॉ. लाहिड़ी ने नीतिगत क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं, जिनमें मुख्य आर्थिक सलाहकार से लेकर वित्त

डॉ. गोवर्धन दास

डॉ. अशोक लाहिड़ी

आयोग के सदस्य, एशियाई विकास बैंक, विश्व बैंक और आईएमएफ तक शामिल हैं. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र, डॉ. लाहिड़ी कोलकातावासी हैं और बंगाल के विकास व प्रगति के पक्षधर एक प्रमुख बंगाली 'भद्रलोक' का प्रतिनिधित्व करते हैं. नीति आयोग के सदस्य डॉ. गोवर्धन दास एक प्रसिद्ध आणविक विज्ञान (मॉलिक्यूलर साइंस) के प्रोफेसर हैं, जो लगभग 3 दशकों के अपने वैज्ञानिक करियर में इम्यूनोलॉजी, संक्रामक रोगों और कोशिका जीव विज्ञान में विशेषज्ञता रखते हैं. डॉ. दास तपेदिक (टीबी) के रोगजनन (पैथोजेनेसिस) पर अपने शोध के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाते हैं. येल यूनिवर्सिटी और ह्यूस्टन मेथोडिस्ट हॉस्पिटल (यूएसए), और क्वाजुलु-नताल यूनिवर्सिटी व नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (दक्षिण अफ्रीका) सहित दुनिया भर में अत्याधुनिक शोध का नेतृत्व करने के बाद, उन्होंने अपनी मातृभूमि की सेवा करने के लिए घर लौटने का फैसला किया. विश्व-भारती विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, डॉ. दास जेएनयू में प्रोफेसर बने और वर्तमान में इसके निदेशक के रूप में आईआईएसईआर, भोपाल के विकास का नेतृत्व कर रहे हैं. डॉ. दास की पेशेवर उत्कृष्टता और वैश्विक उपलब्धियां उनके प्रेरक व्यक्तिगत जीवन की कहानी के संदर्भ में और भी अधिक प्रेरणादायक हैं, जो अकल्पनीय बाधाओं को पार करने वाले एक सच्चे 'मिट्टी के लाल' की गाथा है. बांग्लादेश से आए हिंदू दलित शरणार्थियों के घर जन्मे, जिन्हें उत्पीड़न से बचने के लिए सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ा था, डॉ. दास बंगाल में अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पले-बढ़े. एक गरीब किसान के पुत्र होने के नाते, उन्हें छात्र जीवन में स्ट्रीट लैंप के नीचे पढ़ाई करनी पड़ी. उन्होंने पश्चिम बंगाल में दंगों के दौरान अपने परिवार के 17 सदस्यों को खोने की भयावहता भी झेली. इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनकी अडिग प्रतिबद्धता, अब बंगाल और पूरे देश के अनगिनत लोगों के लिए आशा और प्रेरणा की किरण का कार्य करेगी.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

# दूसरे चरण के मतदान से पहले हावड़ा में ईडी की छापेमारी

## कई चावल कारोबारियों के ठिकानों पर तलाशी

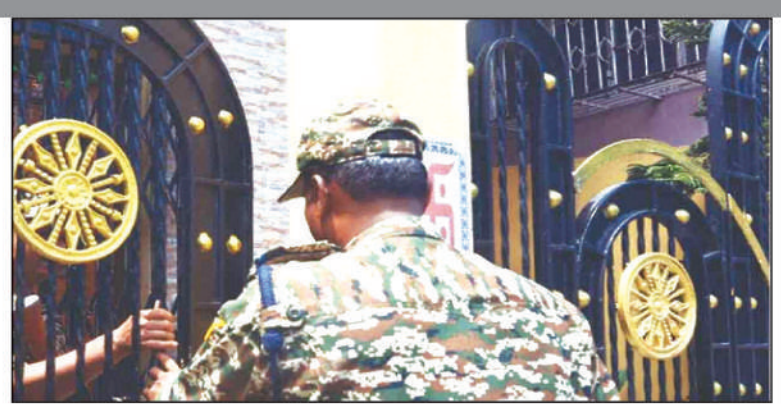



**कोलकाता** :पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले प्रवर्तन निदेशालय ने एक बार फिर सक्रियता बढ़ा दी है. उत्तर 24 परगना जिले के हावड़ा इलाके में शनिवार सुबह से कई स्थानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया गया. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कई चावल कारोबारियों के घरों और परिसरों पर ईडी की टीम पहुंची. केंद्रीय बल के जवान भी अभियान में साथ रहे.ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई राशन घोटाला मामले से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के आधार पर की जा रही है. बताया गया है कि शनिवार तड़के कोलकाता स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स से ईडी की कई टीमें रवाना हुई थीं.सूत्रों का कहना है कि अधिकारियों को कारोबारियों के घरों के बाहर कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा. काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने के बाद लंबी प्रतीक्षा के पश्चात प्रवेश मिला और उसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया.स्थानीय स्तर पर दावा किया गया है कि हावड़ा के कारोबारी समीर चंद और सागर साहा के आवासों पर भी ईडी की टीम पहुंची है, जहां तलाशी जारी है.राज्य में विधानसभा चुनाव के माहौल के बीच पिछले कुछ सप्ताह से ईडी विभिन्न मामलों में लगातार सक्रिय नजर आ रही है. कभी घरों और दफ्तरों में तलाशी ली जा रही है, तो कभी संदिग्धों को पूछताछ के लिए सीजीओ कॉम्प्लेक्स बुलाया जा रहा है.सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने ईडी की इस सक्रियता पर सवाल उठाए हैं. पार्टी का आरोप है कि चुनाव के समय केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर उसे राजनीतिक रूप से परेशान करने की कोशिश की जा रही है. तृणमूल के कई नेता और मंत्रियों को भी तलब किया गया है. कुछ नेता पूछताछ में शामिल हुए हैं, जबकि कुछ ने चुनाव प्रचार में व्यस्तता का हवाला देकर समय मांगा है.उल्लेखनीय है कि राज्य में 23 अप्रैल को पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर मतदान हो चुका है. दूसरे चरण में शेष 142 सीटों पर 29 अप्रैल, बुधवार को मतदान होगा. हाबड़ा विधानसभा क्षेत्र में भी इसी चरण में वोट डाले जाएंगे. चुनाव परिणाम चार मई को घोषित किए जाएंगे.

## रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गोघाट में किया रोड शो



**हुगली** : हुगली जिले के गोघाट में चुनावी माहौल के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए जोरदार प्रचार अभियान चलाया. शनिवार को पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन में गोघाट के बेतरा इलाके में वरिष्ठ भाजपा नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रोड शो किया.जानकारी के अनुसार, वे हेलीकॉप्टर से बेतरा पहुंचे और वहां से खुली गाड़ी में सवार होकर बदनगंज बस स्टैंड तक रोड शो किया. इस दौरान सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे. पूरे इलाके में भाजपा के झंडे, बैनर और नारों से माहौल गूंज उठा.रोड शो के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि 4 मई के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी. उन्होंने कहा कि राज्य में गुंडाराज और भ्रष्टाचार का अंत होगा. उनके इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है. इस कार्यक्रम को लेकर इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी.

## बिजली का करंट लगने से सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी की मौत

**घाटाल** : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के घाटाल महकमे के दासपुर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर बिजली का करंट लगने से एक सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी की मौत हो गई. मृतक की पहचान 72 वर्षीय हीरालाल राणा के रूप में हुई है.मिली जानकारी के अनुसार हीरालाल राणा पहले यूको बैंक की दासपुर शाखा में कार्यरत थे. उनका घर दासपुर थाना क्षेत्र के कमलपुर ग्राम पंचायत के अंतर्गत है. शनिवार को घर में खराब पड़े ट्यूब पंप को ठीक करने के दौरान अचानक बिजली का करंट लग गया.परिजनों ने तुरंत उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई. घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई.स्थानीय लोगों के अनुसार हीरालाल राणा सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहते थे तथा भारतीय जनता पार्टी के समर्थक कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे. पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है.

## न्यूज कॉर्नर

### भारत क्षत्रिय समाज में शोक सभा का आयोजन

**कोलकाता**: भारत क्षत्रिय समाज द्वारा भवानीपुर स्थित समाज कार्यालय में दिनांक 25 अप्रैल 2026 को एक शोक सभा का आयोजन किया गया. सभा में समाज के युवा अध्यक्ष श्री संतोष सिंह के निधन, पूर्व महासचिव श्री मनोज सिंह आदर्श की माताजी, कसबा निवासी श्री दिनेश सिंह की माताजी, समाज के उपाध्यक्ष श्री दया शंकर सिंह की माताजी तथा श्री दारा सिंह की धर्मपत्नी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया. इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. साथ ही शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की कामना की गई.सभा में समाज के अध्यक्ष श्री डॉ राजेश कुमार सिंह, सर्व श्री रंधिर सिंह, राम बाबू सिंह ,राजा बाबू सिंह,भरत सिंह झाला, सुजीत सिंह, मनोज सिंह, लक्ष्मी नारायान सिंह , मनोज सिंह कस्बा, अमरेन्द्र कुमार सिंह , उदय प्रताप सिंह,अमर नाथ सिंह, मनोज सिंह, मदिप सिंह, परविन्दर सिंह , अमित अग्रवाल, गणेश शर्मा, प्रियेश सिंह, विकाश शॉ, प्रतुश सिंह ,राजीव रंजन सिंह, शैलेन्द्र सिंह,अमित राज सिंह, संजीत सिंह,आजामगढ समाज के श्री वेद प्रकाश तिवारी, श्री दिना नाथ पांडे, संयोजक मनोज सिंह, अजय सिंह, सतीश राऊत, नवीन राऊत सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे. सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी.

### मेदिनीपुर में स्ट्रांग रूम के बाहर हंगामा, पुलिस ने संभाला मोर्चा

**मेदिनीपुर** : मेदिनीपुर शहर में शुक्रवार देर रात बाद स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर अवैध जमावड़े को लेकर अचानक तनाव की स्थिति बन गई. इस दौरान भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर दोनों दलों के कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में जमा होने लगे. कौन पहले पहुंचा और किस कारण से भीड़ लगी, इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो धीरे-धीरे तनाव में बदल गई. दोनों दलों ने एक-दूसरे पर चुनावी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया.स्थिति बिगड़ते देख मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचा. पुलिस ने दोनों पक्षों को वहां से हटाकर इलाके को खाली कराया और स्ट्रॉन्ग रूम के आसपास सुरक्षा और कड़ी कर दी.प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि स्ट्रॉन्ग रूम क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनधिकृत भीड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पूरे मामले पर प्रशासन की नजर बनी हुई है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं.हालांकि इस घटना को लेकर कुछ समय के लिए इलाके में तनाव का माहौल बना रहा, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है.

### पाबंदियां हटते ही दीघा में खुलने लगे होटल और दुकानें

**पूर्व मेदिनीपुर** : पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान समाप्त होने के बाद समुद्री पर्यटन स्थल दीघा और मंदारमणि धीरे-धीरे अपने सामान्य स्वरूप में लौटने लगे हैं. शनिवार सुबह यहां होटल, दुकानें और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान खुलने शुरू हो गए, हालांकि पर्यटकों की संख्या अभी कम है.पूर्व मेदिनीपुर जिले में 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ था. मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति से बचने के लिए चुनाव आयोग ने बाहरी लोगों के होटलों में ठहरने पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया था. इसके साथ ही क्षेत्र की सभी शराब की दुकानों को भी बंद रखने का निर्देश दिया गया था. आयोग के निर्देश के बाद 21 अप्रैल तक अधिकांश पर्यटक दीघा और मंदारमणि छोड़कर चले गए थे, जिससे समुद्र तट लगभग सुनसान हो गया था.गुरुवार देर शाम मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के बाद शुक्रवार से स्थिति सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही थी. हालांकि प्रशासन की लगातार गश्त और सुरक्षा व्यवस्था के चलते सामान्य माहौल लौटने में थोड़ा समय लगा. इस बीच शनिवार को होटल और दुकानें धीरे-धीरे खुलने लगी हैं, लेकिन पर्यटकों की भीड़ अभी भी नजर नहीं आ रही है. होटल व्यवसायियों का कहना है कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान और चार मई को मतगणना निर्धारित है, इसलिए तब तक पर्यटकों की संख्या सीमित ही रहने की संभावना है.दीघा के एक होटल मालिक ने बताया कि चुनाव के कारण पिछले कुछ दिनों से पर्यटन पूरी तरह प्रभावित रहा है. उनका अनुमान है कि बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम और गर्मी की छुट्टियों के बाद यहां पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ेगी.

## आरामबाग दौरे पर पहुंचे मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल

**हुगली** : हुगली जिले के आरामबाग में शनिवार को मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल के दौरे को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज रही. जानकारी के अनुसार, वे शनिवार को आरामबाग पहुंचे और पल्लीश्री के पास स्थित हेलीपैड पर उतरे. इसके बाद वे सीधे एक स्थानीय गेस्ट हाउस के लिए रवाना हो गए.सूत्रों के मुताबिक, गेस्ट हाउस में उन्होंने चुनाव से जुड़ी एक महत्वपूर्ण बैठक की. इस बैठक में आगामी चुनाव की तैयारियों, कानून-व्यवस्था की स्थिति और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई.बताया जा रहा है कि बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश भी दिए गए. विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो और मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो.मनोज अग्रवाल के इस दौरे को लेकर आरामबाग के प्रशासनिक हलकों में काफी सक्रियता देखी गई और सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई.

## मतदान ड्यूटी के बाद बूथ स्तरीय अधिकारी की मौत

### परिवार ने आयोग पर लगाए आरोप

**कोलकाता** :पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में मतदान ड्यूटी करने वाली एक बूथ स्तरीय अधिकारी शम्पा लाई प्रमानिक की मौत हो गई. परिवार का आरोप है कि मतदान के दिन तेज धूप और भीषण गर्मी में उन्हें पूरे दिन बूथ के बाहर बैठकर काम करना पड़ा, जहां पीने के पानी और आवश्यक सुविधा की व्यवस्था नहीं थी.जानकारी के अनुसार, शम्पा प्रमानिक 23 अप्रैल को बांकुड़ा विधानसभा क्षेत्र के बांकुड़ा टाउन बॉयज हाई स्कूल स्थित 87 नंबर बूथ पर ड्यूटी कर रही थीं. परिवार का कहना है कि दिनभर धूप में रहने और पर्याप्त पानी नहीं मिलने से उनकी तबीयत बिगड़ गई थी. मतदान कार्य समाप्त होने के बाद घर लौटते ही उन्हें कई बार उल्टी हुई.परिजनों ने बताया कि घर पर प्राथमिक उपचार चल रहा था, लेकिन शनिवार सुबह उनकी हालत और खराब हो गई. इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई.मृतका के पति प्रसेंजित प्रमानिक ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की ओर से न तो ओआरएस दिया गया और न ही पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की गई थी.

उन्होंने कहा कि ड्यूटी पूरी करने के बाद ही उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार पड़ गई थीं.

शम्पा की सहकर्मी रिंकू राय चंद ने भी आरोप लगाया कि मतदान कर्मियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया. भीषण गर्मी में बिना पर्याप्त सहायता के काम कराया गया और कई स्थानों पर केंद्रीय बलों का व्यवहार भी उचित नहीं था.घटना के बाद स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ गई है. परिवार और सहकर्मियों ने मामले की जांच तथा जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है.

## श्रीरामपुर में नितिन नवीन ने भास्कर भट्टाचार्य के समर्थन में किया रोड शो

**हुगली**: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने श्रीरामपुर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को भाजपा उम्मीदवार भास्कर भट्टाचार्य के समर्थन में आयोजित भव्य रोड शो में हिस्सा लिया. रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला. बड़ी संख्या में पार्टी नेता और समर्थक इसमें शामिल हुए. इस दौरान नितिन ने सड़क के दोनों ओर मौजूद लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया. उन्हें देखने के लिए स्थानीय लोग भी अपने घरों से बाहर निकल आए.यह रोड शो श्रीरामपुर के घोड़ामारा इलाके से शुरू हुआ और चार नंबर गेट पार करते हुए ऋषड़ा स्टेशन तक पहुंचा. इस बीच पूरे रास्ते समर्थक पार्टी के झंडे, बैनर और नारे लगाते रहे.राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से पहले इस तरह के बड़े रोड शो से क्षेत्र में भाजपा के चुनावी अभियान को और गति मिलने की संभावना है.

## अग्निमित्रा पाल पर हमला मामले में प्राथमिकी दर्ज, एक गिरफ्तार

**आसनसोल** : आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और पश्चिम बंगाल भाजपा प्रदेश कमेटी की उपाध्यक्ष अग्निमित्रा पाल पर कथित जानलेवा हमले के मामले में हीरापुर थाना पुलिस एक्शन मोड में आ गई है. घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है.बताया जा रहा है कि बांकुड़ा जिले के खतरा ढलाई रोड, जीवनपुर निवासी जयंत विश्वास की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया. जयंत ने ईमेल के जरिए शिकायत भेजी, जिसके आधार पर बीएनएस की धारा 126(2), 124(4)/35 और 109 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई.पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हीरापुर थाना क्षेत्र के रहमत नगर निवासी 49 वर्षीय असगर अली को गिरफ्तार कर शुक्रवार को अदालत में पेश किया. जांच अधिकारी एवं निरीक्षक अंजन मंडल की अपील पर अदालत ने आरोपी को दो दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है. मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.घटना गुरुवार की है, जब भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का दौरा कर रही थीं. इसी दौरान हीरापुर थाना क्षेत्र के रहमत नगर इलाके में उनकी गाड़ी पर कथित रूप से पत्थर फेंका गया, जिससे वाहन का पिछला शीशा टूट गया. घटना के बाद अग्निमित्रा पाल ने हीरापुर थाने पहुंचकर मौखिक शिकायत दर्ज कराई थी.इस घटना के बाद अग्निमित्रा पाल की गाड़ी में हेलमेट पहनकर बैठी तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई थी, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी थी.शिकायतकर्ता जयंत विश्वास ने अपने ईमेल में आरोप लगाया है कि गुरुवार को अग्निमित्रा पाल आलम नगर उर्दू स्कूल में बने मतदान केंद्र के बूथ संख्या 135, 136, 137 और 138 पर पहुंची थीं.जिसके आधार पर बीएनएस की धारा 109 भी जोड़ी गई है.पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है.

## बाइक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, दो घायल

**सिलीगुड़ी** : सिलीगुड़ी महकमा के फांसीदेवा से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है. फांसीदेवा इलाके के लेउसीपाकुड़ी हातीराम जोत में शुक्रवार देर रात सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक का नाम समानंद राय (55) बताया गया है.जानकारी के मुताबिक, व्यक्ति लेउसीपाकुड़ी बाजार से साइकिल पर अपने घर लौट रहा था. तभी पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी.

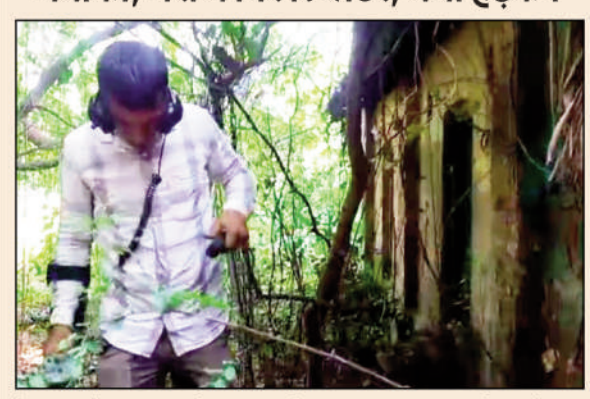

## बंगाल में वोटिंग से पहले नोआपाड़ा थाना में धमाका, घरों में गिरे स्प्लिंटर, मचा हड़कंप



**बैरकपुर/नोआपाड़ा** : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के मतदान से पहले उत्तर 24 परगना जिले से एक सनसनीखेज खबर सामने आयी है. शनिवार को नोआपाड़ा थाना परिसर में एक शक्तिशाली धमाका हुआ, जिससे न केवल थाना परिसर बल्कि आसपास का पूरा इलाका दहल उठा.धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के घरों की छतों और आंगन में स्प्लिंटर जा गिरे. घटना के बाद इलाके में भारी दहशत का माहौल है. पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है. बम स्कायड (डेाल डॉरिव) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गयी है.स्थानीय लोगों के अनुसार, अचानक हुए विस्फोट के बाद हर तरफ अफरा-तफरी मच गयी. थाने के पीछे रहने वाले लोगों का आरोप है कि धमाके के बाद उनके घरों पर लोहे के टुकड़े और स्प्लिंटर गिरे हैं. पूरा इलाका सफेद धुआं के गुबार से भर गया था.पुलिस आधिकारिक तौर पर अभी कुछ भी कहने से बच रही है. पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या धमाका थाने के पीछे किसी पुराने जर्जर (परित्यक्त) भवन के गिरने से हुआ है या वहां पहले से निष्क्रिय करने के लिए रखे गये बमों में विस्फोट हुआ है.घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल को चारों तरफ से सील कर दिया है. बम स्कायड के विशेषज्ञ सबूत जुटा रहे हैं कि विस्फोट की प्रकृति क्या थी. थाना परिसर के कोने-कोने की तलाशी ली जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं और विस्फोटक तो नहीं हैं. पुलिस का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट कारण बताया जा सकेगा.नोआपाड़ा विधानसभा सीट पर इस बार कड़ा मुकाबला है. यहां से भाजपा के टिकट पर बैरकपुर के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह चुनाव लड़ रहे हैं, तो तृणमूल कांग्रेस ने तृणांकुर भट्टाचार्य को टिकट दिया है. 29 अप्रैल को दूसरे चरण में यहां वोटिंग होगी. वोटिंग से 4 दिन पहले थाने जैसी सुरक्षित जगह पर धमाका सुरक्षा-व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है.

## आक्रा–संतोषपुर में बस्ती में आग, ओवरहेड तार जलने से ट्रेन यातायात बाधित

**कोलकाता**: दक्षिण 24 परगना जिले के आक्रा-संतोषपुर इलाके की 16 बीघा झुग्गी बस्ती में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई. आग की चपेट में आकर करीब 40 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं. आग की वजह से पास से गुजरने वाली बजबज-सियालदह रेल लाइन का ओवरहेड तार भी जल गया, जिसके कारण इस मार्ग पर लोकल ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया.

मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब डेढ़ बजे बस्ती में अचानक आग लग गई. बस्ती में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामान होने के कारण आग तेजी से फैल गई. स्थानीय लोगों ने पहले आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ने पर दमकल विभाग को सूचना दी गई.

घटना की खबर मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की गई. घनी आबादी और संकरी गलियों के कारण दमकलकर्मियों को शुरू में अंदर जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा.

प्राथमिक अनुमान के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट से लगी हो सकती है, हालांकि वास्तविक कारण की जांच की जा रही है. आग की लपटें रेल लाइन तक पहुंचने से ओवरहेड तार जल गया, जिसके कारण बजबज-सियालदह लाइन पर ट्रेन सेवा रोकनी पड़ी. इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा.

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवराम मांझी ने बताया कि आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेषज्ञों की टीम मौके पर भेजी गई है और जल्द ही रेल सेवा सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंच गए. आग लगने से बस्ती के कई परिवारों का सामान जल गया और लोग अपने नुकसान को लेकर चिंतित नजर आए.

## आसनसोल में युवक की कथित हत्या पर बवाल, दो गिरफ्तार

**आसनसोल** : आसनसोल साउथ पीपी अंतर्गत आसनसोल के सेन रेल रोड स्थित अनन्या कॉम्प्लेक्स में एक व्यक्ति की पीट कर कथित हत्या की घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है. मृतक का नाम देवदीप चटर्जी है.

इस घटना के विरोध में शनिवार को कांग्रेस नेताओं, स्थानीय निवासियों और मृतक के परिजनों ने शव को आसनसोल साउथ पुलिस पोस्ट के सामने रखकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया.प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे आरोपितों की गिरफ्तारी होने तक शव नहीं हटाया जाएगा.आसनसोल उत्तर से कांग्रेस उम्मीदवार प्रसनजीत पुइतुंडी ने आरोप लगाया कि बीती रात इलाके के तृणमूल पार्षद के गुंडों ने देवदीप चटर्जी पर हमला किया. उन्होंने कहा कि देवदीप को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उनकी मौत हो गई. उनका दावा है कि हमलावरों ने देवदीप के सिर के पीछे गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे उनकी मौत हो गई.प्रसनजीत पुइतुंडी ने बताया कि मृतक के परिवार ने उन्हें रात में घटना की जानकारी नहीं दी थी. शनिवार को जानकारी मिलने पर वह मृतक के घर पहुंचे. बाद में देवदीप को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.कांग्रेस नेता शाह आलम ने भी घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जब तक सीसीटीवी फुटेज में कैद दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक साउथ पुलिस पोस्ट का घेराव जारी रहेगा. दोपहर करीब एक बजे से लगभग ढाई घंटे तक शव को थाने के सामने रखकर प्रदर्शन जारी रहा, जिससे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही. बाद में एसीपी मौके पर पहुंचे और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया.पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रविउल आलम और शुभदीप मंडल को गिरफ्तार कर लिया.बताया जा रहा है कि शुभदीप मंडल के पिता पुलिस विभाग में कार्यरत थे. दो आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद मामला शांत हुआ और शव को पोस्टमार्टम के लिए आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया गया.पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मृतक की पत्नी तथा बेटे का बयान दर्ज किया गया है.

वहीं, स्थानीय पार्षद अनिमेष दास ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि देर रात देवदीप चटर्जी और करुणामयी इलाके के एक व्यक्ति के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था. उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में दोनों पक्षों के बीच मारपीट दिखाई दे रही है,

में देवदीप घायल हुए.प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि विवाद पार्किंग या गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुआ था. बताया जा रहा है कि देवदीप चटर्जी का परिवार किसी शादी-विवाह समारोह से लौट रहा था, तभी यह घटना हुई.वी. शिवदासन दासु ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस एक मौत पर राजनीति कर रही है.

उन्होंने कहा कि फिलहाल पुलिस निर्वाचन आयोग के नियंत्रण में काम कर रही है और मामले की निष्पक्ष जांच होगी. जो भी दोषी होंगे, उन्हें कानून के मुताबिक सजा मिलेगी.इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है.

बुध प्रदोष व्रत से होंगे सभी मनोकामना पूरे



माता वैष्णो देवी का दिव्य संकल्प



हेल्थ का पावर पैक: शरीर को अंदर से साफ और स्किन को ग्लोइंग बनाने वाला जूस

## पहले चरण की 152 सीटों पर वोटों की सुनामी क्या परिवर्तन का संकेत है?

# दूसरा चरण तय करेगा, किसकी बनेगी सरकार?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण में दर्ज हुआ 92% से अधिक का मतदान निश्चित रूप से एक बहुत बड़ी संख्या है. चुनाव विश्लेषकों और राजनीतिक जानकारों के लिए, मतदान का इतना ऊंचा प्रतिशत अक्सर चर्चा का विषय होता है, लेकिन इसके निहितार्थों को लेकर कोई एक निश्चित राय नहीं है. राजनीतिक विज्ञान के नजरिए से, मतदान का उच्च प्रतिशत दोनों तरफ संकेत दे सकता है! यह सत्ता-विरोधी लहर का संकेत हो सकता है. कई बार विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि भारी मतदान इसलिए होता है क्योंकि मतदाता व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं. जब जनता सरकार के कामकाज से असंतुष्ट होती है या कोई बड़ा मुद्दा होता है, तो वे बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुँचते हैं ताकि अपनी नाराजगी जता सकें. इस नजरिए से, कुछ लोग इसे मौजूदा सरकार (ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस) के लिए चुनौती के रूप में देख सकते हैं. एक पक्ष सत्ता-समर्थक लहर या सक्रियता का संकेत मानता है. इस बार तो एसआईआर को भी भारी वोटिंग की वजह माना जा रहा है. दूसरी ओर, उच्च मतदान यह भी दिखा सकता है कि सत्तारूढ़ दल का 'ग्रास-रूट' संगठन बहुत मजबूत है और उन्होंने अपने समर्थकों को पूरी तरह से बूथ तक लाने में सफलता पाई है.



सुधांशु शेखर

इसके अलावा, जनता का यह उत्साह यह भी दर्शा सकता है कि वे अपने मौजूदा अधिकारों या नीतियों को बचाने के लिए प्रेरित हैं, जिसे ममता बनर्जी ने भी अपने बयानों में अपने वोट के अधिकार को बचाने के तौर पर पेश किया है.

इस स्थिति में, चुनावी नतीजों का विश्लेषण करते समय हमें यह देखना होगा कि यह रुझान दूसरे चरण (29 अप्रैल) में भी बना रहता है या नहीं, और किन क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत सबसे अधिक रहा है. फिलहाल, यह रिकॉर्ड मतदान केवल यह साबित करता है कि बंगाल की जनता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में गहरी रुचि ले रही है.

## बंगाल में वोट प्रतिशत बढ़ने की 4 वजह

### एसआईआर

राज्य में 91 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए, जिससे कुल मतदाता संख्या घट गई है. आंकड़े बताते हैं कि 2024 लोकसभा चुनाव में इन्हीं 152 सीटों पर वोटिंग करीब 80% और 2021 विधानसभा चुनाव में करीब 82.17% रही थी. यानी कुल मतदाता घटे, लेकिन वोट डालने वालों की संख्या लगभग बराबर या ज्यादा रही.

### एंटी इनकंबेंसी का असर

राज्य में 15 साल से तृणमूल सरकार है. नेताओं से असंतोष, रोजगार, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट जैसे मुद्दे भी ज्यादा मतदान की वजह हो सकते हैं. वहीं, मुस्लिम बहुल जिलों और सीमावर्ती इलाकों में यह एसआईआर और एनआरसी के डर से उपजी प्रतिक्रिया भी मानी जा रही है. इस बार ध्रुवीकरण भी जबरदस्त है. इसलिए माना जा रहा है कि हिंदू मतदाताओं का भी वोट प्रतिशत ज्यादा रहा होगा.

### प्रवासी कामगारों का रोल

यह भी बड़ा 'टर्निंग पॉइंट' है. बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अन्य राज्यों से केवल वोट डालने बंगाल लौटे हैं. उन्हें लगा कि इस बार वोट नहीं दिया, तो हमेशा के लिए अधिकार छिन सकता है. टीएमसी ने आरोप लगाया कि भाजपा ट्रेन भर कर वोट डालने के लिए लोगों को ला रही है.पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में साल 2021 की तुलना में 2026 में कुल मतदाताओं का आंकड़ा 18 लाख कम था. हालांकि प्रतिशत में ये आंकड़ा 93 फीसद है, जो पांच साल पहले इस चरण में 83.33 फीसद मतदान से ज्यादा है. 23 अप्रैल को संपन्न चरण में कुल 3.35 करोड़ लोगों ने वोट किया, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 3.15 करोड़ था. विशेष सघन पुनरीक्षण में 27 लाख काटे गए नामों में से संबंधित अपीलें ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित हैं. माना जा रहा है कि पहले चरण में लाखों अपील में कुछ सौ को ही मंजूरी मिली और उनके नाम सूची में शामिल किए गए. ऐसे में सात लाख नए वोटर जुड़ने के बावजूद पहले चरण की सूची में कुल मतदाताओं का आंकड़ा 18 लाख घट गया. कुल 1478 उम्मीदवार पहले चरण में चुनावी मैदान में थे और 152 निर्वाचन क्षेत्रों में 44 हजार से ज्यादा केंद्रों में भारी मतदान हुआ.

### क्यों बढ़ा मतदान प्रतिशत?

मतदान के भारी प्रतिशत को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं का धन्यवाद भी दिया. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा है. लेकिन दूसरा पहलू ये है कि साल 2021 में हुए विधानसभा चुनाव की सूची में 18 लाख ज्यादा थे. पिछले चुनाव में पहले चरण में कुल मतदाताओं की संख्या 3.78 करोड़ थी और 3.15 करोड़ लोगों ने मतदान किया था. जबकि इस बार 3.60 करोड़ कुल मतदाता में से 3.35 करोड़ मतदाताओं ने बूथ पर जाकर अपना वोट डाला. ऐसे में फीसद में भारी उछाल आया, याद रहे कि वोटिंग 44376 बूथों पर हुई और इसमें करीब तीन हजार सहायक बूथ भी शामिल हैं. 5444 बूथों का प्रबंधन महिलाओं ने किया और 207 मॉडल बूथ भी बनाए गए.

### दूसरे चरण के मतदान पर नजर

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का दूसरे चरण का मतदान अगले बुधवार यानी 29 अप्रैल को है. बंगाल के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में भारी मतदान हुआ जो मुस्लिम बाहुल्य हैं. इनमें मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तरी दिनाजपुर और बीरभूमि प्रमुख हैं. मतदान के दौरान अक्सर देखा जाता है कि सुबह और देर शाम मतदान में तेजी आती है. दोपहर में मतदान धीमा होता है. बंगाल के पहले चरण में लेकिन यह किसी भी जिला में देखने को नहीं मिला. सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होने के बाद हर 2 घण्टे के प्रतिशत पर गौर करें तो रफ्तार कमोबेश बराबर था. मतदान के रफ्तार में विशेष फर्क देखने को नहीं मिला. 16 जिलों में दार्जीलिंग और कुर्सियांग इन दो जिलों को छोड़कर शेष सभी 14 जिलों में 90 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है. कूचबिहार 95.5, दक्षिण दिनाजपुर 95.36, बीरभूम 94.42, जलपाईगुड़ी 94.37, उत्तर दिनाजपुर 93. 88, मालदा 93.74, मुर्शिदाबाद 93.47, झारग्राम 92.11, पश्चिम मिदनापुर 92.09, अलीपुरद्वार 92.00, बांकुड़ा 91.92, पूर्वी मिदनापुर 90.83, पुरुलिया 90.54 और पश्चिम बर्दवान में 90.20 फीसदी मतदान.2021 के विधानसभा चुनाव से यदि तुलना करें तो जंगल महल इलाके में 3.33 से 6.27 फीसदी, उत्तर बंगाल के जिलों में औसतन 10 फीसदी और मुस्लिम बहुल जिलों में 11.60 से 14.03 फीसदी अधिक मतदान हुआ है. बंगाल में जहां कुल 91.74 फीसदी मतदान हुआ है वहीं महिलाओं का मतदान प्रतिशत 92.69 है. मतदान का अधिक होने की एक वजह मतदाताओं की संख्या कम होना भी है. थर्ड जेंडर का मतदान फीसदी 56.79 है, इससे थर्ड जेंडर की संख्या बढ़ नहीं जाती है. बल्कि थर्ड जेंडर के कम मतदाता होने के कारण यह आंकड़ा देखने को मिल रहा है. मार्के की बात तो यह है कि चार अन्य राज्यों में भी मतदान फीसदी कम नहीं हुआ है. बीजेपी भारी मतदान को ठीक से नहीं समझ पा रही है. यह बदलाव के लिए वोट नहीं है, बल्कि ममता बनर्जी के शासन का जोरदार समर्थन है. बंगाल की जनता ने पहले चरण में ही बीजेपी की कमर तोड़ दी है.पहले चरण में ट्रिब्यूनल द्वारा वैध घोषित मतदाताओं की संख्या मात्र 139 है. लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के निपटारे के लिए जजों ने केवल 657 मामलों का निपटारा किया जिनमें 139 को मंजूरी दी और 8 के नाम हटाए गए. तार्किक विसंगतियों के कारण हटाए गए लोगों की कुल संख्या 27.10 लाख में से लगभग 14 लाख लोग पहले चरण के मतदाता थे.

### क्या है विशेषज्ञों की राय

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने सहित मतदाता सूचियों में सुधार के कारण मतदान में वृद्धि अपेक्षित थी. बिहार में भी हमने ऐसा ही पैटर्न देखा, जहां मतदान प्रतिशत में काफी वृद्धि हुई, लेकिन सरकार नहीं बदली.एसआईआर के दौरान नाम हटाए जाने से मतदाताओं की संख्या में लगभग 12 प्रतिशत की कमी आई है, जो इसका सबसे बड़ा कारण है. विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार हटाए गए लोगों में से लगभग 34 प्रतिशत मुस्लिम हैं. दरअसल, एसआईआर के बाद बड़ी मशक्कत से अपने मताधिकार को हासिल करनेवालों ने हर कीमत पर ईवीएम तक अपनी पहुंच सुनिश्चित की. भारी गर्मी के बावजूद महिलाओं, प्रवासी मजदूरों समेत हर मतदाता ने अपने अधिकार का प्रयोग किया. यह चुनाव उनके लिए अपनी अस्मिता की रक्षा ही नहीं बल्कि अपने अधिकारों को बरकरार रखने का संघर्ष बन गया.

### अल्पसंख्यक मतदाताओं की सोच

खासकर, मुस्लिम बहुल जिलों में भारी मतदान से भी पता चलता है कि अल्पसंख्यक मतदाता उत्साह के कारण नहीं बल्कि इस डर से टीएमसी के पीछे एकजुट हुआ है कि विभाजित वोट बीजेपी को फायदा पहुंचा सकता है. अल्पसंख्यक मतदाताओं में यह भावना बढ़ रही है कि वे टीएमसी से चाहे कितने भी असंतुष्ट क्यों न हों, वे अपने वोट को बंटने नहीं दे सकते, जिससे कि बीजेपी को फायदा हो. बहरहाल, अल्पसंख्यक बहुल जिलों में एसआईआर ने न केवल चिंता पैदा की है, बल्कि समुदाय को एकजुट करने का भी काम किया है. बीजेपी के घोषणापत्र में सत्ता में आने के छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के वादे के बाद असुरक्षा की भावना और गहरी हो गई है. अल्पसंख्यक संगठनों ने इसे मुस्लिम पर्सनल लॉ और पहचान में हस्तक्षेप का प्रयास बताया है. एसआईआर में नाम को काटे जाने और यूसीसी के वादे के बाद मतदान में वृद्धि स्वाभाविक है. फ़तह किसकी होगी इसके लिए 4 मई तक इंतजार करना होगा!

### क्या थे 2021 के परिणाम?

अगर नॉर्थ बंगाल के जषलों पर नजर डालें, तो पता चलता है कि 2021 के चुनाव में कूचबिहार जषले की 9 में से 2 सीटें तृणमूल कांग्रेस ने जीती थी और बीजेपी ने 7 सीटें जीती थी. अलीपुरद्वार में बीजेपी ने सभी 5 सीटें जीती थी, जबकि तृणमूल को वहाँ कोई सीट नहीं मिली थी. जलपाईगुड़ी में तृणमूल ने 7 में से 3 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थी. कलिम्पोंग में न तो तृणमूल और न ही बीजेपी अपना खाता खोल पाई थी. दार्जिलिंग जिले की सभी 5 सीटों पर बीजेपी ने जीत हासिल की. नॉर्थ दिनाजपुर में तृणमूल कांग्रेस ने 9 में से 7 सीटें जीतीं और इगझ ने दो सीटें जीतीं. वहीं, साउथ दिनाजपुर की 6 सीटें तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच बराबर बंटीं, 3-3 सीटें दोनों ही पार्टियां जीती थी.

अगर हम मालदा और मुर्शिदाबाद को देखें, तो पता चलता है कि मालदा जिले की 12 में से 8 सीटें तृणमूल कांग्रेस ने जीतीं औरभाजपा ने 4 सीटें जीती थी. मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस के नतीजे काफी अच्छे रहे थे, जहां तृणमूल कांग्रेस ने 22 में से 20 सीटें जीतीं और बीजेपी को सिर्फ 2 सीटें मिली थी.

### पश्चिमी इलाके में क्या था चुनाव परिणाम?

दूसरी तरफ, पूर्वी मिदनापुर जिले में तृणमूल कांग्रेस ने 16 में से 9 सीटें जीती थी और बीजेपी को 7 सीटें मिली थी. पश्चिम मेदिनीपुर में तृणमूल कांग्रेस ने 15 में से 13 सीटें जीती थी, लेकिन बीजेपी को सिर्फ 2 सीटें मिली थी. झारग्राम में तृणमूल कांग्रेस ने सभी 4 सीटें जीती थी. पुरुलिया जिले में तृणमूल कांग्रेस ने 9 में से 3 सीटें जीती थी और बीजेपी को छह सीटें मिली थी. बांकुड़ा जिले में भाजपा ने 12 में से 8 सीटें जीतीं और तृणमूल कांग्रेस को 4 सीटें मिली थी. पश्चिम बर्दवान जिले में तृणमूल कांग्रेस ने 9 में से 6 सीटें जीती थी और बीजेपी को 3 सीटें मिली थी. आखिर में, बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस ने 11 में से 10 सीटें जीतीं और बीजेपी को सिर्फ एक सीट मिली थी.

### ममता ने अपने ही स्लोगन को कैसे पलट दिया?

राजनीति में स्लोगन यानी नारे का अपना एक अलग स्थान है. इसके सहारे पार्टियां सत्ता की दहलीज तक पहुंचती हैं. बंगाल की राजनीति में 2011 में जब ममता बनर्जी पहली बार सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने नारा दिया था- 'बदला नहीं, बदलाव चाहिए. इसका मतलब था कि उन्हें वामपंथी सरकार के 34 साल के राज को खत्म तो करना है, लेकिन वे किसी से दुश्मनी या बदला नहीं लेना चाहतीं, बल्कि सिस्टम को सुधारना चाहती हैं. वहीं, 2026 के लिए उन्होंने इसी नारे को उलट दिया है. अब वो 'परिवर्तन' के बजाय 'प्रतिशोध' की बात कर रही हैं.

### नारे का खेल दो शब्दों के इर्द-गिर्द

> 29 अप्रैल का चरण सिर्फ सीटों की संख्या के लिहाज से ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम है. एक तरफ कोलकाता की शहरी राजनीति दांव पर है, तो दूसरी ओर भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाके इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से भी महत्वपूर्ण बनाते हैं. चुनाव आयोग का दावा है कि इस बार न 'छप्पा' होगा और न ही 'बूथ जामिंग'. फर्जी वोटिंग और बूथ कैप्चरिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एहतियाती कदमों पर खास जोर दिया जा रहा है.

नारे का पूरा खेल दो बंगाली शब्दों- बदला और बोडोल (परिवर्तन) के इर्द-गिर्द घूम रहा है. पहले ममता बनर्जी ने खुद को एक ऐसे नेता के रूप में पेश किया था जो शांति और सुधार लाना चाहती थीं. मगर अब उनकी भाषा बदल गई है और उसमें थोड़ा तीखापन भी आ गया है. वे विरोधियों को कड़ा जवाब देने या 'बदला' लेने वाली रणनीति पर चल रही हैं.

### 'मां, माटी, मानुष और खेला होबे'

बता दें कि 2011 वह साल था जब बंगाल में सीपीएम की सरकार गिरी थी और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई थी. उनकी राजनीति में नारों का हमेशा से बड़ा महत्व रहा है. वे ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती हैं जो बंगाल के लोगों को कनेक्ट करे. मां, माटी, मानुष और खेला होबे जैसे नारों ने उनकी राजनीतिक पहचान बनाने में बड़ी भूमिका निभाई. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने दूसरे चरण के 1,445 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है. इनमें से 338 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है यानी करीब 23 फीसदी उम्मीदवारों के क्रिमिनल रिकॉर्ड हैं. इसके अलावा 295 उम्मीदवारों यानी 20 प्रतिशत ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की जानकारी हलफनामे में दी है.

एडीआर की रिपोर्ट के हिसाब से 16 उम्मीदवारों ने हत्या के मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जबकि 80 उम्मीदवारों पर हत्या के प्रयास का आरोप है. बंगाल की राजनीति में मतदाता हमेशा से ही काफी जागरूक और सक्रिय रहे हैं. उच्च मतदान का अर्थ यह भी हो सकता है कि राजनीतिक दलों के आक्रामक प्रचार अभियान ने मतदाताओं में उत्साह भरा है, जिससे वे बढ़-चढ़कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं. इतिहास गवाह है कि उच्च मतदान हमेशा एक ही दिशा में परिणाम नहीं देता. यह राज्य के हर क्षेत्र और हर सीट के समीकरणों पर निर्भर करता है. यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह ममता राज के अंत का संकेत है या उसके निरंतरता का. इसका सही आकलन केवल 4 मई को होने वाली मतगणना के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा.

### बंगाल के दूसरे चरण में सुरक्षा का 'महा-चक्रव्यूह'

पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण की 142 सीटों पर वोट लूट की हिफाजत 2.5 लाख जवान करेंगे! मतदान के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं. 142 सीटों पर वोटिंग से पहले ढाई लाख से ज्यादा अर्धसैनिक बल तैनात किए गए हैं. सीमा इलाकों, संवेदनशील बूथों और शहरी क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण हो सके. शहरी इलाकों में महिला अर्धसैनिक बलों की भी बड़ी संख्या में तैनाती की जा रही है. पहले चरण के मतदान के दौरान हुई हिंसक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग और सुरक्षा एजेंसियां दूसरे चरण को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाने की तैयारी में जुटी हैं. सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, 29 अप्रैल का चरण सिर्फ सीटों की संख्या के लिहाज से ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम है. एक तरफ कोलकाता की शहरी राजनीति दांव पर है, तो दूसरी ओर भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाके इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से भी महत्वपूर्ण बनाते हैं.

चुनाव आयोग का दावा है कि इस बार न 'छप्पा' होगा और न ही 'बूथ जामिंग'. फर्जी वोटिंग और बूथ कैप्चरिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एहतियाती कदमों पर खास जोर दिया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में ढाई लाख से ज्यादा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है. पहले चरण में कुछ हिंसक घटनाएं जरूर हुईं, लेकिन 2021 के मुकाबले हालात बेहतर रहे. अब दूसरे चरण को पूरी तरह हिंसा मुक्त बनाने के लिए और सख्ती बरती जा रही है. ■

## कांग्रेस दीदी के प्रति क्यों है नरम ?

### राहुल गांधी की केवल दो रैली, प्रियंका चुनाव प्रचार से दूर

पश्चिम बंगाल चुनाव में कांग्रेस ने अपनी रणनीति बदली है. अब 294 में से सिर्फ 60 सीटों पर ही फोकस है, जिसमें बीजेपी मुख्य निशाना है, जबकि टीएमसी पर औपचारिक हमला हो रहा है. राहुल गांधी का प्रचार भी सीमित रहा. माना जा रहा है कि महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के समर्थन से टीएमसी के साथ रिश्ते सुधरे हैं, बावजूद इसके इंडिया गठबंधन अलग-अलग लड़ रहा है. महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे ने बंगाल चुनाव में कांग्रेस-टीएमसी संबंधों को नया मोड़ दिया है. महिला आरक्षण और परिसीमन के मसले का बंगाल चुनाव पर भी असर पड़ा है. टीएमसी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने को तैयार कांग्रेस नेतृत्व के तेवर नरम पड़ गए हैं. बंगाल में टीएमसी ने ऐलान किया कि उसे चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन की जरूरत नहीं है, जिसके बाद कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक की परवाह किए बगैर आक्रामकता से चुनावी जंग में कूदने का ऐलान किया है. मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तरी दिनाजपुर, रायगंज में 14 अप्रैल को राहुल की रैलियां हुई, जहां राहुल ने बीजेपी के साथ ही ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा. कांग्रेस ने मुस्लिम बहुल इलाकों में राहुल-प्रियंका की और दलित-आदिवासी इलाकों में मल्लिकार्जुन खरगे की रैलियां तय कीं. इसके साथ ही बंगाल की बदहाली के लिए टीएमसी और बीजेपी को बराबर का जिम्मेदार ठहराने की रणनीति बनाई. पार्टी ने तय किया कि वो अपना चुनाव प्रचार, उम्मीदवार चयन और रणनीति इस हिसाब से बनाएगी कि उसकी सीटें बढ़ें. लेकिन महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे पर राहुल के टोंकने पर टीएमसी ने 5 की बजाय अपने 21 सांसद भेजे और संविधान संशोधन के विरोध में वोट कराया तो दोनों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने लगी. बिल गिरने के बाद सोनिया ने फोन करके ममता बनर्जी को, तो राहुल ने अभिषेक बनर्जी को धन्यवाद दिया. इसी फेहरिस्त में 14 अप्रैल के बाद राहुल गांधी





बंगाल प्रचार करने नहीं गए. प्रियंका गांधी का पूरा प्रचार का कार्यक्रम रद्द हो गया. जिन खरगे ने जोर-शोर से बंगाल कांग्रेस का घोषणापत्र जारी किया था, वो बाद में एक दिन के लिए प्रचार में गए भी तो उनके निशाने पर सिर्फ बीजेपी रही.

#### खरगे-राहुल-प्रियंका की बंगाल से दूरी

दिलचस्प ये है कि आज पहले चरण के चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है, लेकिन खरगे-राहुल-प्रियंका सब बंगाल से दूरी बनाए हैं जबकि, खरगे का आज तमिलनाडु में प्रेस कॉन्फ्रेंस और एक रैली का कार्यक्रम है. साथ ही राहुल गांधी के दफ्तर के सूत्र अब सफाई दे रहे हैं कि, वो कभी सेकुलर ताकतों को कमजोर नहीं करना चाहते. उनकी सीधी लड़ाई बीजेपी से है लेकिन अब बंगाल में कांग्रेस चुनाव लड़ेगी तो राहुल भाषणों में अपने उम्मीदवारो की जीत के लिए विरोधियों के खिलाफ तो बोलेंगे ही. वैसे राहुल ने 14 अप्रैल को 75 फीसदी बीजेपी के खिलाफ बोला और 25 फीसदी ममता और टीएमसी सरकार के खिलाफ, लेकिन मीडिया ने ममता के खिलाफ जो बोला उसे प्रमुखता से दिखाया.

लोकसभा में पूर्व नेता विपक्ष और ममता के धुर विरोधी अधीर रंजन चौधरी खासे असहज हैं. ममता ने टारगेट करके उनको पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान से लोकसभा चुनाव हरवा दिया था. कांग्रेस के अकेले लड़ने से उत्साहित होकर वो बरहामपुर से विधानसभा की जंग में कूदे हैं और बीजेपी-टीएमसी की मिलीभगत-चुनावी नूराकुश्ती को मुख्य मुद्दा बनाया है.

#### सचिन पायलट ने क्या कहा?

सचिन पायलट ने कहा कि इस बार चुनाव बेहतर लड़ रहे हैं. उन्हें लग रहा हैं कि पूरे प्रदेश में चुनाव बढ़िया तरीके से लड़ा जा रहा है. कांग्रेस का कैंपेन, पार्टी की गारंटी और नेताओं का प्रचार इसे आगे बढ़ा रहा है.बड़े नेताओं के चुनाव प्रचार के सवाल सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी, खरगे समेत तमाम नेता बंगाल में लगातार प्रचार कर रहे हैं. हमारा कैंपेन बढ़िया चल रहा है यहां लोगों के अंदर काफी करंट है लोग बदलाव जा रहे हैं.

#### शाह का कांग्रेस पर पलटवार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज दम दम उत्तर विधानसभा में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और टीएमसी पर बड़ा हमला बोला है. अमित शाह ने कहा कि खरगे पहले इस तरह के बयान नहीं देते थे. लेकिन, राहुल बाबा के साथ रह कर उनकी भाषा भी बिगड़ने लगी है. राहुल के साथ रहने का ही असर है जो कांग्रेस अध्यक्ष पीएम नरेंद्र मोदी जी को आतंकवादी कह रहे हैं. अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस और राहुल बाबा, मोदी जी को जितना गाली देकर कीचड़ उछालने की कोशिश करेंगे, उतना ही कमल शान से खिलेगा.

इस बार वैशाख शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि 26 अप्रैल, रविवार को सायं 6 बजकर 08 मिनट पर लगेगी जो कि 27 अप्रैल, सोमवार को सायं 6 बजकर 17 मिनट तक रहेगी. पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र 26 अप्रैल, रविवार को रात्रि 8 बजकर 28 मिनट से 27 अप्रैल, सोमवार को रात्रि 9 बजकर 19 मिनट तक रहेगा. उदया तिथि के फलस्वरूप एकादशी तिथि का मान 27 अप्रैल, सोमवार को होने से यह व्रत आज ही रखा जाएगा.



## सप्ताह के व्रत-त्यौहार

27 अप्रैल से 3 मई 2026 तक (वैशाख/शुक्ल पक्ष-ग्रीष्म ऋतु)

27 अप्रैल (सोमवार) मोहिनी एकादशी व्रत.
29 अप्रैल (बुधवार) प्रदोष व्रत.
30 अप्रैल (गुरुवार) श्रीनृसिंह चतुर्दशी व्रत श्रीछिन्नमस्ता जयन्ती, गुरु अमरदास जयन्ती.
01 मई (शुक्रवार) स्नान-दान-व्रतादि की वैशाखी पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा.
03 मई (रविवार) देवर्षि नारद जयन्ती.

# मेघनाद के वध में उर्मिला का योगदान

कुम्भकर्ण निद्रा के साथ-साथ उर्मिला निद्रा का भी जिक्र उन लोगों के लिए किया जाता है जिसे आसानी से जगाया ना सके. ये इसलिए भी जरुरी था कि रावण के पुत्र मेघनाद को ये वरदान प्राप्त था कि उसे केवल वही मार सकता है जो 14 वर्षों तक सोया ना हो, यही कारण था जब श्रीराम का राज्याभिषेक हो रहा था तो अपने वचन के अनुसार निद्रा देवी ने लक्ष्मण को घेरा और उनके हाथ से छत्र छूट गया, इसी कारण वे सो गए और राम का राज्याभिषेक नहीं देख पाए, उनके स्थान पर उर्मिला ने राज्याभिषेक देखा.




एक तरह से कहा जाये तो मेघनाद के वध में उर्मिला का भी उतना ही योगदान है जितना कि लक्ष्मण का, जब लक्ष्मण के हाँथों मेघनाद की मृत्यु हो गयी तो उसकी पत्नी सुलोचना वहाँ आती है और क्रोध पूर्वक लक्ष्मण से कहती है हे महारथी! तुम इस भुलावे में मत रहना कि मेरे पति का वध तुमने किया है, ये तो दो सतियों के अपने भाग्य का परिणाम है, यहाँ पर सुलोचना ने दूसरे सती के रूप में उर्मिला का ही सन्दर्भ दिया है. यहाँ एक प्रश्न और आता है कि अगर उर्मिला 14 वर्षों तक सोती रही तो उसने अपने पति के आदेशानुसार अपने कटुम्ब का ध्यान कब रखा, इसका जवाब हमें रामायण में ही मिलता है कि उर्मिला को ये वरदान था कि वो एक साथ तीन-तीन जगह उपस्थित हो सकती थी और तीन अलग-अलग कार्य कर सकती थी और उनका ही एक रूप 14 वर्षों तक सोता रहा. वाकई उर्मिला के विरह और त्याग को जितना समझा जाये उतना कम है.

## 'हनुमान बाहुक' की उत्पत्ति के पीछे मार्मिक और अटूट श्रद्धा

तुलसीदास जी द्वारा रचित 'हनुमान बाहुक' की उत्पत्ति के पीछे एक बहुत ही मार्मिक और अटूट श्रद्धा की कहानी है. यह केवल एक स्तुति नहीं, बल्कि शारीरिक पीड़ा से मुक्ति पाने के लिए एक भक्त की पुकार है. कहा जाता है कि अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में, जब गोस्वामी तुलसीदास जी काशी (वाराणसी) में रह रहे थे, तब वे कलियुग के प्रकोप के कारण भयंकर शारीरिक व्याधि से घिर गए थे. उनके दाहिने हाथ (भुजा) में



अत्यंत तीव्र दर्द और फोड़े-फुंसियां हो गई थीं.

तुलसीदास जी का वह दर्द इतना बढ़ गया था कि उन्हें रात-दिन नींद नहीं आती थी. वे न तो लिख पा रहे थे और न ही ठीक से बैठ पा रहे थे. ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने कई औषधियों का प्रयोग किया, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ. विद्वानों का मानना है कि यह पीड़ा उनके प्रारब्ध या कलियुग के प्रभाव के रूप में आई थी. जब शारीरिक पीड़ा सहनशक्ति से बाहर हो गई, तब तुलसीदास जी ने अपने इष्ट देव और रक्षक हनुमान जी का स्मरण किया. वे जानते थे कि हनुमान जी 'संकटमोचन' हैं और भक्तों के शारीरिक और मानसिक दुखों को हरने वाले हैं.

इसी असहनीय पीड़ा की स्थिति में तुलसीदास जी ने हनुमान जी की स्तुति में 44 पदों की रचना की. उन्होंने इन पदों में हनुमान जी के बल, बुद्धि और पराक्रम का वर्णन किया और उनसे अपनी भुजा (बाहु) की पीड़ा को हरने की विनती की.

चूँकि यह रचना विशेष रूप से बाहु (भुजा) की पीड़ा के निवारण के लिए की गई थी, इसीलिए इसका नाम 'हनुमान बाहुक' पड़ा.

मान्यता है कि जैसे ही तुलसीदास जी ने इस स्तुति को पूर्ण किया, उनकी भुजा का दर्द धीरे-धीरे समाप्त हो गया और वे पूर्णतः स्वस्थ हो गए. हनुमान जी की कृपा से उनके शरीर के सभी घाव भर गए. आज भी हिंदू धर्म में हनुमान बाहुक का पाठ अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है. लोग इसका पाठ मुख्य रूप से इन कारणों से करते हैं:

**शारीरिक रोगों से मुक्ति:** विशेषकर वात रोग, गठिया या शरीर के किसी भी हिस्से में होने वाले पुराने दर्द के लिए.

**नकारात्मक ऊर्जा से बचाव:** ऊपरी बाधाओं या कलियुग के दुष्प्रभावों को शांत करने के लिए.

**अखंड विश्वास:** यह सिद्ध करता है कि सच्ची भक्ति में हर दुख को काटने की शक्ति होती है.

भगवान श्रीहरि विष्णु की पूजा-अर्चना से मिलेगा सुख-समृद्धि, खुशहाली का वरदान

# मोहिनी एकादशी व्रत से मिलती हैं श्रीहरि विष्णुजी की कृपा



मोहिनी एकादशी : 27 अप्रैल, सोमवार को

ज्योतिवद् श्री विमल जैन

नाम से जानी जाती है. इस बार वैशाख शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि 26 अप्रैल, रविवार को सायं 6 बजकर 08 मिनट पर लगेगी जो कि 27 अप्रैल, सोमवार को सायं 6 बजकर 17 मिनट तक रहेगी. पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र 26 अप्रैल, रविवार

जैन जी ने बताया कि व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपने समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त होकर गंगा-स्नानादि करना चाहिए. गंगा-स्नान यदि सम्भव न हो तो घर पर ही स्वच्छ जल से स्नान करके स्वच्छ (धुले हुए) वस्त्र धारण

परिस्थितियों में दूध या फलाहार ग्रहण किया जा सकता है. आज के दिन सम्पूर्ण दिन निराहार रहना चाहिए, चावल तथा अन्न ग्रहण करने का निषेध है. भगवान् श्रीविष्णु की विशेष अनुकम्पा-प्राप्ति एवं उनकी कृपा के लिए भगवान्

मोहिनी नामक एक सुंदर महिला के रूप में प्रकट हुए. इस प्रकार, सभी देवताओं ने भगवान श्रीविष्णु की सहायता से अमृत का सेवन किया. इसीलिए इस दिन को मोहिनी एकादशी के रूप में जाना जाता है.

भगवान आशुतोष की पूजा-अर्चना से खुलेगा सुख-समृद्धि का द्वार

# बुध प्रदोष व्रत से होंगे सभी मनोकामना पूरे

बुध प्रदोष व्रत : 29 अप्रैल को

ज्योतिवद् श्री विमल जैन



अपने दाहिने हाथ में जल, पुष्प, फल, गन्ध व कुश लेकर प्रदोष व्रत का संकल्प लेना चाहिए. सम्पूर्ण दिन निराहार रहते हुए सायंकाल पुन: स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करके पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख होकर प्रदोषकाल में भगवान शिवजी की विधि-विधान पूर्वक पंचोपचार, दशोपचार अथवा षोडशोपचार पूजा-अर्चना करनी चाहिए.

चाहिए. अपनी दिनचर्या को नियमित संयमित रखनी चाहिए, ब्रह्मचर्य के नियम का पालन करना चाहिए. व्रतकर्ता को अपने परिवार के अतिरिक्त अन्यत्र कहीं भी कुछ ग्रहण नहीं करना चाहिए. अपनी सामर्थ्य के अनुसार ब्राह्मणों को उपयोगी वस्तुओं का दान करना चाहिए, साथ ही गरीबों व असहायों की सेवा व सहायता करनी चाहिए.

भगवान श्री नरसिंह का प्राकट्य महोत्सव : 30 अप्रैल, गुरुवार को

# श्रीनरसिंह भगवान की पूजा से होगा समस्त बाधाओं का शमन

ज्योतिविद् श्री विमल जैन



नैवेद्य, विभिन्न प्रकार के मिष्ठान्न आदि अपत करके धूप-दीप के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए. श्री नरसिंह भगवान के प्रतिष्ठित मन्दिर में पूजा-अर्चना करके दान-पुण्य करना अत्यन्त फलकारी है. श्री नरसिंह भगवान से सम्बन्धित स्तोत्र का पाठ एवं मन्त्र का जप भी करना चाहिए. नरसिंह पुराण में वणत व्रत-कथा सुननी चाहिए,

हिरण्यकशयप था. पृथ्वी की रक्षा के हेतु भगवान विष्णु ने वराह अवतार में हिरण्याक्ष को मार दिया था. अपने भाई की मृत्यु का प्रतिशोध लेने के लिए हिरण्यकश्यप ने ब्रह्माजी की कठोर तपस्या करके अजेय होने का वरदान मांग लिया कि वह न उसे कोई मनुष्य और न ही कोई पशु मार पाए. उसकी मृत्यु न दिन में हो और न रात में, वह न

को न जल में मारा न थल में, उन्होंने अपनी गोद में लेकर हिरण्यकश्यपु का वध किया. न ही उन्होंने घर के भीतर और न बाहर न अस्त्र से न शस्त्र से बल्कि चौखट के बीचो-बीच अपने नाखूनों से हिरण्यकश्यप का वध किया. इस तरह से भगवान विष्णु ने ब्रह्माजी के वरदान का मान रखकर भक्त प्रहलाद की पूर्ण रक्षा की.

# माता वैष्णो देवी का दिव्य संकल्प



और कहा कि कलियुग में वे कल्कि अवतार लेंगे, तब वे उनकी अर्धांगिनी बनेंगी. तब तक के लिए उन्होंने त्रिकुटा को उत्तर भारत की त्रिकुटा पर्वत की गुफा में निवास कर भक्तों का कल्याण करने और तपस्या करने का आदेश दिया.श्री राम के आदेशानुसार माता ने उत्तर की ओर प्रस्थान

थी. आज भी माता वैष्णो देवी अपनी उस पवित्र गुफा में अदृश्य रूप में विराजमान हैं. वे एक कुमारी कन्या के रूप में अपनी तपस्या जारी रखे हुए हैं, ताकि कलियुग के अंत में उनका मिलन भगवान के साथ हो सके. इसी कारण उन्हें कुंवारी कन्या या वैष्णो माता कहा जाता है.

(वैशाख पूर्णिमा पर विशेष) वैशाख पूर्णिमा : 1 मई, शुक्रवार को

# श्री धर्मराज जी एवं श्रीसत्यनारायण भगवान की होगी पूजा-अर्चना

भारतीय संस्कृति के हिन्दू सनातन धर्म में वैशाखी पूर्णिमा का पर्व वैशाख शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाने की धामक व पौराणिक परम्परा है. प्रख्यात ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि इस बार वैशाखी पूर्णिमा का पर्व 1 मई, शुक्रवार को मनाया जाएगा. वैशाखी पूर्णिमा को सिद्ध विनायक पूर्णिमा, सत्य विनायक पूर्णिमा एवं धर्मराज पूर्णिमा भी कहते हैं. वैशाख शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल, गुरुवार की रात्रि 9 बजकर 13 मिनट पर लगेगी



जो कि अगले दिन 1 मई, शुक्रवार को रात्रि 10 बजकर 53 मिनट तक रहेगी. इस दिन स्वाती नक्षत्र व सिद्धि योग का अनुपम संयोग बन रहा है. स्वाती नक्षत्र 30 अप्रैल, गुरुवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 2 बजकर 17 मिनट से 1 मई, शुक्रवार को अर्द्धरात्रि के पश्चात् 4 बजकर 36 मिनट तक रहेगा. सिद्धियोग 30 अप्रैल, गुरुवार की रात्रि 8 बजकर 55 मिनट से 1 मई, शुक्रवार को रात्रि 9 बजकर 14 मिनट तक रहेगा. वैशाखी पूर्णिमा पर धामक अनुष्ठान, दानपुण्य आदि करना शुभफलप्रदायी रहेगा. स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा इसी दिन मनाया जाएगा. पूर्णिमा तिथि चन्द्रमा को समपत है, जिनको चन्द्रमा की महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यन्तर्दशा विपरीत हो, उन्हें आज के दिन व्रत-उपवास रखकर चन्द्रमा की विशेष पूजा-अर्चना करनी चाहिए. वैशाख पूर्णिमा के दिन भगवान बुद्ध भगवान् विष्णु के तेईसवें अवतार के रूप में अवतरित हुए थे. वैशाख पूर्णिमा को ही बुद्ध परिनिर्वाण दिवस भी मनाया जाता है. बौद्ध धर्मावलम्बी अपनी मान्यता व रीति-रिवाज के अनुसार आज के दिन बौद्ध विहार में विविध प्रकार के धामक अनुष्ठान का आयोजन करके पुण्यलाभ प्राप्त करते हैं.

पूर्णिमा तिथि पर पूजा का विधान प्रख्यात ज्योतिषविद् श्री विमल जैन जी ने बताया कि व्रतकर्ता को प्रात:काल ब्रह्म मूहूर्त में समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त होकर स्वच्छ (धुले हुए) वस्त्र धारण करना चाहिए. अपने आराध्य देवी-देवता की पूजा-अर्चना करने के पश्चात् श्री धर्मराज जी के व्रत का संकल्प लेना चाहिए. श्री धर्मराज जी की मूर्ति स्थापित कर उनका शृंगार करने के उपरान्त पूर्ण श्रद्धा, भक्तिभाव व आस्था के साथ ऋतुफल, नैवेद्य, विभिन्न प्रकार के मिष्ठान्न आदि अपत करके धूप-दीप के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए. धर्मराज की प्रसन्नता के लिए

### व्रत-उपवास करने से सुख-सौभाग्य में अभिवृद्धि

ज्योतिवद् श्री विमल जैन

जल से भरा हुआ नवीन कलश, विभिन्न प्रकार के पकवान व मिष्ठान्न ब्राह्मण को दान स्वरूप देनी चाहिए. समस्त पापों के शमन या क्षय के लिए पाँच या सात ब्राह्मण को शर्करा (चीनी) सहित तिलदान किया जाता है. श्री धर्मराज की पूजा-अर्चना से अकाल मृत्यु के भय का निवारण तथा सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है. वैशाख पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करके दान-पुण्य किया जाएगा. 3 अप्रैल, शुक्रवार से प्रारम्भ वैशाख मास के धामक अनुष्ठान यम-नियम-संयम आदि का समापन भी आज 1 मई, शुक्रवार को हो जाएगा. वैशाख पूर्णिमा के दिन श्री सत्यनारायण भगवान की भी पूजा-अर्चना करने की विशेष महिमा है. भगवान श्रीविष्णु जी के विग्रह के समक्ष तिल के तेल का दीपक भी जलाना चाहिए. सत्य विनायक व्रत भी वैशाखी पूर्णिमा को रखा जाता है.

ऐसी मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण ने वैशाख पूर्णिमा का महत्त्व अपने परम-मित्र सुदामा को उस समय बताया था, जब वे द्वारिका पहुंचे थे. श्री कृष्ण जी के बताने के अनुसार, सुदामाजी ने वैशाख पूर्णिमा का व्रत किया. इससे उनकी दरिद्रता और दु:ख दूर हो गए थे. इससे वैशाख पूर्णिमा का महत्त्व और भी अधिक बढ़ गया.

# संतोषी माता की कृपा

एक बुढ़िया के के सात बेटे थे. छः बेटे कमाते थे और सातवां बेटा नहीं कमाता था. बूढ़ी माँ कमाने वाले बेटों के लिए भोजन बनाकर उन्हें खिलाती और बची हुई झूठन सातवें बेटे को दे दिया करती थी. बेटे को यह पता नहीं था. उसकी पत्नी ने उसे यह बात बताई. उसे विश्वास नहीं हुआ. छुपकर देखा तो उसे पता चला की यह सच था. उसे बड़ा दुःख हुआ. माँ के खाना खाने बुलाने पर वह बोला - मैं यह खाना नहीं खाऊंगा. परदेस जाकर कमाई करूँगा. माँ बोली - कल जाते हो तो आज ही चला जा. यह सुनकर वह तुरंत घर से निकल गया. रास्ते में पत्नी से मिला. वह गोबर से कंडे बना रही थी. बोला - मैं परदेस जा रहा हूँ कुछ समय बाद लौटूंगा. तुम अपना धर्म का पालन करते हुए ध्यान से रहना. वह बोली आप मेरी चिंता ना करें. मुझे भूलना मत और मुझे अपनी कुछ निशानी दे दो. उसे देखकर मैं समय बिता लूँगी. उसने उसे अपनी अंगूठी दे दी और चल पड़ा.

एक बड़े शहर में बड़ी दुकान देखकर उसने काम माँगा. वहां जरुरत थी इसलिए सेठ ने उसे काम पर रख लिया. उसने दिन रात मेहनत की. सेठ उसे तरक्की देता गया. कुछ ही समय में अपनी मेहनत और लगन से उसने सेठ का विश्वास इतना जीत लिया की सेठ ने उसे अपना पार्टनर बना लिया. कुछ समय बाद सारा काम उसे सौंप कर सेठ यात्रा पर निकल गया. अब वह खुद बड़ा सेठ बन चुका था. उधर उसकी पत्नी पर बड़े जुल्म हो रहे थे. घर के सभी लोग उससे दिन भर काम करवाते. जंगल में लकड़ी लाने भेजते. भूसे की रोटी खाने को देते. नारियल के कटोरे में पानी पिलाते. एक दिन जंगल जाते समय उसने रास्ते में कुछ औरतों को संतोषी माता का व्रत करते देखा.

कथा कहते हुए सुना. उसने पूछा की यह व्रत कैसे करते है , और इसे करने से क्या होता है. उनमे से एक औरत ने बताया कि यह संतोषी माता का व्रत है. इसे करने से दरिद्रता मिटती है , मन की चिंता दूर होती है , कुंवारों को मनपसंद जीवन साथी मिलता है , रोग दूर होते है , हर प्रकार का सुख प्राप्त होता है. इसे करने के लिए अपनी सुविधा और शक्ति के अनुसार गुड़ चना खरीद लेना. हर शुक्रवार व्रत करना और कथा कहना या सुनना.जब तक कार्य सिद्ध नहीं हो जाता बिना क्रम तोड़े व्रत करना. कथा सुनने वाला कोई ना मिले तो दीपक को सामने रखकर कथा कहना. कार्य सिद्ध होने पर उद्यापन करना. उद्यापन में अढ़ाई सेर खाजा , उतनी ही खीर और उतना ही चने का साग बनाना. आठ लड़कों को भोजन कराना. लड़के परिवार के ही हो तो अच्छा नहीं तो पड़ोस से भी बुला सकते हैं. भोजन कराकर व केला आदि फल देकर विदा करना. खट्टे फल नहीं देना. उस दिन घर में कोई खटाई ना खाये.

सारी विधि जानकर उसने गुड़ चने खरीद लिए. रास्ते में संतोषी माता के मंदिर में भोग लगाकर याचना करने लगी - माँ मुझे व्रत के नियम कायदे नहीं पता. मैं शुक्रवार का व्रत निष्ठां से करुँगी , मेरा दुःख दूर करना. एक शुक्रवार बीता ,दूसरे शुक्रवार को पति का पत्र आया ,तीसरे शुक्रवार पति के भेजे रूपये आ गए. परन्तु सब घर वाले ताना मारने से नहीं चूकते. दुखी होकर माता के मंदिर में प्रार्थना करने लगी - माँ मुझे पैसा नहीं चाहिए. मुझे अपने



स्वामी के दर्शन करने हैं. माता ने उसे आशीर्वाद देकर कहा - तेरा पति जल्दी ही आएगा. वह बहुत खुश हुई. परदेस में उसके पति के पास बिल्कुल समय नहीं था. दिनभर व्यस्त रहता था. माँ संतोषी ने उसके सपने में आकर उसे बताया कि उसकी पत्नी बहुत दुखी है. उसे उसके पास जाना चाहिए. उसे पत्नी की बहुत चिंता होने लगी. दुकान बेचकर पत्नी के लिए कपड़े , गहने और ढ़ेर सारा पैसा लेकर रवाना हो गया.

बहु जंगल से लकड़ी काटकर लौट रही थी तब उसने धूल का गुबार उठते देखा. माता ने उसे बताया की उसका पति आ रहा है. वह घर माँ के पास जा रहा है. इसलिए वह भी घर जाये और चौक में लकड़ी का गट्ठर डाल कर आवाज लगाये - लो सासुजी लकड़ी का गट्ठर , भूसी की रोटी दो , नारियल के खोखे में पानी दो ,आज कौन मेहमान आया है. उसने ऐसा ही किया.

आवाज सुनकर उसका पति बाहर आया और अंगूठी देखकर व्याकुलता के साथ माँ से पूछा की ये कौन है ? माँ बोली ये तेरी बहु है. दिन भर घूमती रहती है. भूख लगे तो यहाँ आकर खाना खा लेती है. काम कुछ करती नहीं है. तुझे दिखाने के लिए नाटक कर रही है. उसे विश्वास नहीं हुआ और माँ से चाबी लेकर ऊपर वाली मंजिल के कमरे में अपनी पत्नी के साथ चला गया. कमरे को महंगे सामान से सजा कर महल जैसा बना दिया. दोनों सुख से रहने लगे.

बहु में अपने पति से कहा - मुझे माता का उद्यापन करना है. पति ने स्वीकृति दे दी. ख़ुशी से माता के उद्यापन की तैयारी करने लगी. जेठानी के बच्चों को खाने का न्योता दिया. उसका उद्यापन बिगड़ने के लिए जेठानी ने बच्चों से कहा की तुम खटाई मांगना. बच्चों ने वैसा ही किया पर उसने खटाई देने से मना कर दिया तो बच्चों ने पैसे मांगे जो उसने दे दिए. बच्चों ने खटाई खरीद कर खा ली. माता क्रुद्ध हो गई. सिपाही आये और उसके पति को अपने साथ ले गए. जेठानी बोली चोरी करके पैसे इकट्ठे किये है. इसलिए सिपाही पकड़कर ले गए.बहु रोती बिलखती माता के मंदिर गई. माँ ने कहा तुमसे भूल हुई यह उसी का परिणाम है. बहु क्षमा मांग कर बोली में फिर से उद्यापन करुँगी और अब ऐसी भूल नहीं होगी. मेरे पति को वापस बुलाओ. माता ने कहा वह रास्ते में आता हुआ मिल जायेगा. उसका पति रास्ते में मिला और कहने लगा इतना धन कमाया है उसका टेक्स भरने गया था. सिपाही इसी कारण आये थे. बहु ने चैन की साँस ली.

शुक्रवार आने पर फिर से उद्यापन की तैयारी कर ली. इस बार जेठानी के बच्चों को नहीं बुलाया. पंडित के बच्चों को बुलाकर प्रेमपूर्वक भोजन कराया और केले देकर विदा किया. माता बहुत प्रसन्न हुई. कुछ समय बाद उसे बहुत सुन्दर पुत्र प्राप्त हुआ. पुत्र को लेकर रोजाना माता के मंदिर जाती थी. एक दिन माता ने सोचा आज मैं इसके घर जाकर देखती हूँ.

माता ने भयानक रूप अपनाया. गुड़ और चने से सना मुख , सूंड जैसे होंठ जिन पर मक्खियां भिनभिना रही थी. दहलीज पर पांव रखते ही उसकी सास चिल्लाने लगी. अरे देखो कोई चुड़ैल आ गई है. इसे भगाओ नहीं तो किसी को खा जाएगी. घर के सब लोग डर गए और चिल्लाने लगे. घर के खिड़की दरवाजे बंद कर दिए. छोटी बहु देखते ही पहचान गई. प्रसन्न होकर बोली - आज मेरी माता जी मेरे घर आई हैं. सास से बोली माँ जी डरो मत ये वही संतोषी माता जी हैं जिनकी मैं पूजा करती हूँ और जिनका व्रत रखती हूँ. यह कह कर उसने घर के सब खिड़की दरवाजे खोल दिए .सभी लोग माँ के चरणों में गिर गए . कहते हैं - माँ , हम अज्ञानी हैं. आपका व्रत भंग करके हमने जो अपराध किया है उसके लिए हमें क्षमा करो. माँ ने सभी को क्षमा करके कुशल मंगल का आशीर्वाद दिया और प्रेम पूर्वक रहने की सीख दी. सब आनंद से रहने लगे.

# सन्त सेवा ही प्रभु सेवा है



प्राचीन समय की बात है, श्री दास जी महाराज नामक एक परम विरक्त और श्रद्धालु महात्मा हुए. उनका जीवन केवल एक ही नियम पर टिका था- 'सन्त सेवा ही प्रभु सेवा है'. वे मानते थे कि मंदिर की मूर्ति में जो चेतना है, वही चेतना संतों के हृदय में साक्षात स्पंदित होती है. उनके द्वार से कभी कोई साधु-सन्त बिना सेवा और भोजन के नहीं लौटा.एक बार की बात है, श्री दास जी के आश्रम में संतों की एक बड़ी मंडली पधारी. संध्या का समय था, आकाश में लालिमा छाई थी और मंदिर में शंख-घड़ियाल गूंज रहे थे. संध्या आरती संपन्न हुई. दास जी ने बड़े चाव से संतों के लिए उत्तम भोजन तैयार करवाया.

भोजन के उपरांत, शीतल रात्रि में उन्होंने सभी संतों के विश्राम की व्यवस्था की. दास जी का हृदय आनंद से भरा था. वे एक-एक सन्त के पास जाते, उनके चरण दबाते, उनके वस्त्र व्यवस्थित करते और उनकी आध्यात्मिक चर्चा सुनते. संतों की सेवा के उस रस में वे ऐसे डूबे कि उन्हें समय का भान ही नहीं रहा.

आधी रात बीत गई, पर दास जी संतों के चरणों की सेवा में लगे रहे. इस तन्मयता में वे यह भूल गए कि मंदिर में विराजमान ठाकुर जी (श्री विग्रह) को भी भोग लगाकर, जल पिलाकर और शयन कराकर विश्राम देना था. ठाकुर जी रात भर मंदिर के सिंहासन पर खड़े के खड़े रह गए.

भोर हुई, पक्षी चहकने लगे. 'मंगला आरती' का समय हुआ तो दास जी स्नान करके मंदिर के द्वार पर पहुँचे. लेकिन यह क्या ? मंदिर के पट (किवाड़) अंदर से बंद थे. उन्होंने बहुत प्रयास किया, पुकारा, अनुनय-विनय की, पर द्वार टस से मस न हुए.

दास जी का हृदय कांपने लगा. वे सोचने लगे, क्या मुझसे कोई घोर अपराध हो गया ? क्या प्रभु मुझसे रुष्ट हैं ? वे रोते हुए द्वार पर गिर पड़े. तभी मंदिर के भीतर से एक गंभीर और ओजस्वी आकाशवाणी हुई: दास जी! अब ये किवाड़ नहीं खुलेंगे. मेरी सेवा रहने दो, तुम केवल संतों की ही सेवा करो. तुमने कल रात मेरी सुध नहीं ली, मैं रात भर प्यासा और भूखा सिंहासन पर खड़ा रहा. तुमने मुझे शयन तक नहीं कराया. अब मैं तुम्हारी सेवा स्वीकार नहीं करूँगा.

साधारण भक्त होता तो वह डर जाता, क्षमा माँगता और प्रायश्चित की बात करता. पर दास जी का भाव अनन्य था. उन्होंने हाथ जोड़कर, आंखों में अश्रु भरकर बड़े सरल भाव से कहा: हे प्राणनाथ! हे अंतर्यामी! यदि संतों की सेवा में तल्लीन होने के कारण आपकी सेवा में कोई चूक हुई है, तो मुझे आपकी नाराजगी का तनिक भी भय नहीं है. क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप अपनी उपेक्षा तो सह सकते हैं, पर अपने भक्तों का अनादर नहीं.

यदि मैं आपकी सेवा में लगा रहता और बाहर बैठा कोई सन्त प्यासा रह जाता या उसके चरणों में थकान रह जाती, तो मुझे आपकी नाराजगी का भारी भय होता. प्रभु! आप तो घट-घट वासी हैं, क्या संतों के हृदय में आप ही नहीं विराजते ?

दास जी का यह अटूट विश्वास और संतों के प्रति निष्ठा सुनकर भगवान का हृदय द्रवित हो गया. वे स्वयं को रोक न सके. अचानक मंदिर के भारी किवाड़ अपने आप खुल गए. भीतर से दिव्य प्रकाश पुंज निकला और भगवान ने साक्षात प्रकट होकर दास जी को हृदय से लगा लिया.भगवान मंद-मंद मुस्कुराते हुए बोले:धन्य हो दास जी! तुमने आज भक्ति का असली मर्म समझा दिया. जो मेरे भक्तों को मुझसे बड़ा मानता है, मैं उसके वश में हो जाता हूँ. संतों की सेवा ही मेरी असली प्रसन्नता है. मैं तुम्हारी निष्ठा से अत्यंत प्रसन्न हूँ.

प्रभु ने दास जी को आशीर्वाद दिया कि उनकी सन्त सेवा सदैव अक्षुण्ण रहेगी और उनके भंडार कभी खाली नहीं होंगे.

कथा का आध्यात्मिक संदेश

1. अद्वैत भाव: भगवान और उनके भक्त दो नहीं, एक ही हैं. भक्त का सम्मान ही भगवान का सम्मान है.

2. निर्भयता: सच्चा भक्त भगवान से डरता नहीं है, वह भगवान के सिद्धांतों (जैसे भक्त-वत्सलता) पर अधिकार रखता है.

राम ते अधिक, राम कर दासा

(अर्थ: भगवान राम से भी अधिक महिमा उनके दासों/भक्तों की है.)

# सेवा का पुण्य सबसे बड़ा

एक प्राचीन आश्रम में एक वृद्ध साधु रहते थे. तीस वर्षों से उन्होंने कठोर तपस्या और प्रभु का सिमरन किया था. अब जब मृत्यु का समय निकट आया, तो उनके मन में एक गहरा संतोष था. वे सोचते थे, मैंने अपना पूरा जीवन ईश्वर को दे दिया, मोह-माया का त्याग किया, निश्चित ही मेरे पास पुण्यों का इतना बड़ा भंडार होगा कि मोक्ष मेरे द्वार पर खड़ा होगा. उसी रात उनके ध्यान में एक धुंधली सी स्त्री की आकृति उभरी. उस स्त्री ने बड़े करुण स्वर में कहा, हे महात्मा! क्या आप मुझे अपने एक दिन का पुण्य देकर, बदले में मेरे एक दिन का पाप स्वीकार करेंगे ?

साधु चौंक गए. तीस साल में कभी किसी स्त्री का विचार तक मन में नहीं आया, अब अंत समय में यह कैसी परीक्षा ? उन्होंने इसे मन का भ्रम मानकर झटक दिया. पर वह स्त्री बार-बार ध्यान में आने लगी. साधु व्याकुल हो गए. उन्हें लगा कि शायद यह कोई दुखी आत्मा है, पर फिर गुरु की शिक्षा याद आई- पुण्य ही तुम्हारी असली पूँजी है, इसे कभी किसी को मत देना, वरना मोक्ष हाथ से निकल जाएगा.

साधु ने अपने गुरु से मार्गदर्शन माँगा. गुरु ने भी उन्हें डांटा, सावधान! यह माया का जाल है. अपने पुण्यों की कमाई को बचाकर रखो, यही तुम्हें स्वर्ग ले जाएगी. अगली बार जब वह स्त्री ध्यान में आई, तो उसने कड़े शब्दों में कहा, तुम्हारे गुरु का ज्ञान अधूरा है. तुम दोनों ने त्याग के अहंकार को ही धर्म मान लिया है. तुम तो किसी जरूरतमंद की पुकार सुनकर भी अपना पुण्य बचाने में लगे हो. क्या यही तुम्हारी अध्यात्म की कमाई है ?

साधु द्वंद्व में फंस गए. एक तरफ गुरु की आज्ञा और मोक्ष का लोभ था, दूसरी तरफ उस स्त्री की पीड़ा. अंततः उन्होंने ईश्वर से ही मार्ग दिखाने की प्रार्थना की. तभी एक दिव्य आकाशवाणी हुई. ईश्वर ने पूछा, साधु! तुम किस पुण्य के भरोसे मोक्ष चाहते हो ? साधु ने गर्व से कहा, प्रभु, तीस साल का सिमरन, त्याग और वैराग्य! आकाशवाणी गूँजी, कैसा सिमरन ? तुमने तीस वर्षों तक दूसरों का कमाया हुआ अन्न खाया, समाज के लिए कोई रचनात्मक कार्य नहीं किया. नाम जपना यदि पुण्य होता, तो धन-धन जपने से दरिद्र का बैंक खाता भर जाता. तुम्हारे खाते में सेवा और कर्म का पुण्य शून्य है.



स्वर्ग और नरक की चिंता छोड़कर, केवल इस बात का ध्यान रखें कि आपके स्वार्थ से किसी का दिल न दुखे. सच्ची साधना पत्थर की मूर्तियों के सामने नहीं, बल्कि टूटते हुए इंसानों को सहारा देने में है. मुसीबत में जो साथ खड़ा है, वही सबसे बड़ा है.

साधु सन्न रह गए. उन्होंने कांपते हुए पूछा, फिर वह स्त्री मुझसे पुण्य क्यों मांग रही है ? भगवान ने उत्तर दिया, वह स्त्री तुम्हारी पत्नी यशोदा है. जिसे तुम मोह कहकर बीच राह में छोड़ आए थे. उसने तुम्हारे जाने के बाद आंसुओं को पोंछकर बच्चों को पाला. जब कोई काम नहीं मिला, तो एक कुष्ठ आश्रम में बीमारों की सेवा शुरू की. वह आज भी खुद को पापिनी मानती है क्योंकि उसका पति उसे छोड़ गया. वह आज मृत्युशैया पर है, पर उसे तुम्हारी चिंता है. वह चाहती है कि तुम्हें मोक्ष मिले, इसलिए वह अपने पुण्यों के बदले तुम्हारे कल्पित पाप लेना चाहती थी.

साधु की आत्मा कांप उठी. उन्हें समझ आया कि असली पुण्य मंदिर में बैठकर माला फेरने में नहीं, बल्कि उन हाथों में था जो दीन-दुखियों के घाव धो रहे थे. यशोदा का पाप भी उनके पुण्य से कहीं अधिक पवित्र था. अचानक साधु की आँखें खुली. पसीने से लथपथ वे बिस्तर से उठे. सुबह की पहली किरण फूट रही थी. उन्होंने अपना झोला उठाया और गुरु के पास पहुँचे. गुरु ने पूछा, कहाँ जा रहे हो ? साधु ने दृढ़ता से कहा, गुरुदेव, अब तक मैंने सिर्फ़ शब्दों को पढ़ा था, अब धर्म को जीने जा रहा हूँ. मैं घर जा रहा हूँ, सेवा का पुण्य कमाने. स्वर्ग और नरक की चिंता छोड़कर, केवल इस बात का ध्यान रखें कि आपके स्वार्थ से किसी का दिल न दुखे. सच्ची साधना पत्थर की मूर्तियों के सामने नहीं, बल्कि टूटते हुए इंसानों को सहारा देने में है. मुसीबत में जो साथ खड़ा है, वही सबसे बड़ा है.

# साप्ताहिक राशिफल

दिनांक 27 अप्रैल से 3 मई 2026 तक

पं. बिमल जैन, 9451893987



### मेष-(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)

सप्ताह में 27 अप्रैल से 2 मई तक अनुकूलता मिलेगी. मित्रों-परिजनों से विचार-विमर्श होगा. व्यावसायिक क्षेत्र में नवपरिवर्तन होगा. प्रभावशाली हस्तियों से सम्पर्क होगा. सुपरिणाम मिलेगा. पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास सफल होगा. मंगल आयोजन सम्पन्न होगा. पारस्परिक संबंधों में मधुरता की स्थिति बनी रहेगी. वैमनस्यता से कमी आयेगी. राजकीय पक्ष से अपेक्षित सहयोग मिलेगा. धन संचय की ओर अभिरुचि रहेगी. भौतिक सुख के निमित्त अधिक व्यय करना पड़ेगा. धर्म-अध्यात्म के प्रति आस्था रहेगी. वैवाहिक अड़चनें समाप्त होंगी. यश-मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी. 3 मई को समय अशुभ रहेगा. मित्रों के गतिविधियों से कष्ट होगा. अशांति का वातावरण बना रहेगा. जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अहितकर साबित होगा. क्रोध की अधिकता बनी रहेगी. अकेलेपन की अनुभूति महसूस होगी. उपाय मंगलवार के दिन मंगल ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान करना उत्तम रहेगा. मंगलवार का व्रत करें. उपयोगी टिप्स नवग्रह की शान्ति करायें.

### वृषभ-(ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

सप्ताह में 27 अप्रैल को निराशा रहेगी. कार्यों में कठिनाइयाँ प्रभावी रहेगी. विशेष परिश्रम के बावजूद आंशिक सफलता में संदेह रहेगा. धनागम में व्यवधान की स्थिति रहेगी. सुख के साधन में कमी महसूस होगी. वाहन से दुर्घटना भी संभव है. 28 अप्रैल से 3 मई तक समय बेहतर रहेगा. पराक्रम से कार्य-व्यवसाय में सफलता मिलेगी. समस्या-विशेष समाधान में स्वयं का निर्णय हितकर रहेगा. अधिकारियों से सम्पर्क का सुपरिणाम मिलेगा. इच्छित घटना-घटित होगी. दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता की स्थिति बनी रहेगी. किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर मिलेगा. कर्ज अदायगी का प्रयास होगा. यश-मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश में विफल रहेंगे. नौकरी में स्थानान्तर विषयक मसला हल होगा. स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम बनेगा. यात्रा संतोषजनक रहेगी. उपाय माँ लक्ष्मी का दर्शन-पूजन करें. राशि के अधिपति ग्रह शुक्र के मंत्र 'ॐ शुं शुक्राय नम:' का जप करें. उपयोगी टिप्स सबके प्रति मन में उदारता की भावना रखें.

### मिथुन-(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

सप्ताह में 27 अप्रैल को सफलता का सुयोग बनेगा. स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार होगा. आकस्मिक लाभ का सिलसिला बनेगा. पारस्परिक संबंधों में उपस्थित व्यवधान समाप्त होगा. भोग-विलासिता की ओर रुझान रहेगा. 28 से 30 के दिन 1/15 बजे उन्नति में व्यवधान रहेगा. नवकार्यों में बाधा रहेगी. घरेलू वातावरण तनावपूर्ण रहेगा. आपसी ताल-मेल का अभाव रहेगा. दुर्जनों से कष्ट होगा. शेष 3 मई तक समय शुभ रहेगा. नवयोजना का शुरुआत संभव है. सद्विचारों का उदय होगा. वैवाहिक जीवन संतोषजनक रहेगा. आत्मिक शांति की अनुभूति होगी. मनो-विनोद के अवसर प्राप्त होंगे. परोपकार की ओर प्रवृत्ति रहेगी. बकाए रकम की प्राप्ति का सुयोग बनेगा. कुछेक मसला सुलझने की ओर होंगे. कर्ज की अदायगी समय पर हो जायेगी. मनोरंजन की ओर रुझान रहेगा. स्थानान्तरण विषयक मसला हल होने से शांति की अनुभूति होगी. उपाय श्रीगणेशजी का दर्शन-पूजन करें. बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलायें.उपयोगी टिप्स अनाथालय में कुछ न कुछ दान अवश्य देवें.

### कर्क-(हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

सप्ताह में 27 से 30 अप्रैल के दिन 1/15 बजे तक मनोरथ पूर्ण होंगे. मित्रों-परिजनों से विचार-विनिमय होगा. धन संपत्ति विषयक मसला सुलझेगा. आर्थिक लाभ होगा. पत्नी के स्वास्थ्य के प्रति चिंता कुछ कम होगी. आय के नवीन स्रोत सामने आयेंगे. आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए नवयोजना बनेगी. वैवाहिक अड़चनें समाप्त होंगी. हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा. वरिष्ठजनों की सलाह मान्य होगी. शुभकृत्य सम्पन्न होगा. वाहन से खुशी होगी. दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा. 2 मई तक प्रगति में व्यतिक्रम रहेगा. कार्यों में निराशा की स्थिति रहेगी. शत्रु हानि पहुँचाने की कोशिश करेंगे. पारिवारिक उलझनें रहेंगी. पठन-पाठन में अरुचि रहेगी. धामक यात्रा निष्फल होगी. विवाद भी संभव है. 3 मई को समय संतोषजनक रहेगा. निजी जिन्दगी में सुख के आवश्यक साधन सुलभ होंगे. शत्रु निष्क्रिय होंगे. उपाय सोमवार के दिन भगवान् शिव जी का दर्शन करें. चन्द्र ग्रह से सम्बन्धित सफेद रंग की वस्तुओं का दान करें. उपयोगी टिप्स ईमानदारी से धन कमाने की प्रवृत्ति रखें.

### सिंह-(मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

सप्ताह में 27 अप्रैल से 2 मई तक अनुकूलता की स्थिति रहेगी. किसी नवीन योजना का श्रीगणेश होगा. जीवन-साथी से सामंजस्य बना रहेगा. सद्भावना का उदय होगा. नवसम्पर्क से कुछेक मसला सुलझने को होंगे. विनियोजित धन का प्रतिफल मिलेगा. आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी. शत्रु हानि पहुँचाने में नाकामयाब रहेंगे. आपके सहयोगी जन समय पर काम देंगे. उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास सार्थक होगा. धनागम का मार्ग प्रशस्त होगा. दूसरों के आश्वासन से मानसिक राहत मिलेगी. नवसम्पर्क का सुयोग लाभदायी रहेगा. शुभ समाचार की प्राप्ति से हर्ष होगा. यात्रा संतोषजनक रहेगी. 3 मई को समय असंतोषजनक रहेगा. प्रियजनों एवं मित्रों से मनमुटाव रहेगा. किसी नये समस्या का सामना करना पड़ेगा. आय में न्यूनता रहेगी. अशांति का माहौल रहेगा. मान-सम्मान में कमी रहेगी. उपाय राशि के अधिपति ग्रह सूर्य के मन्त्र 'ॐ घृणि सूर्याय नम:' का जप करें. साथ ही लाल रंग की वस्तुओं दान करें. उपयोगी टिप्स अपने पास लाल रंग का रूमाल हमेशा रखें.

### कन्या-(टो, पा, पी, पू, प, ण, ठ, पे, पो)

सप्ताह में 27 अप्रैल को समय व्यवधानकारक रहेगा. दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता रहेगी. व्यक्ति-विशेष से विश्वासघात की आशंका रहेगी. राजकीय पक्ष से कष्ट होगा. जोखिम से नुकसान होगा. व्यर्थ भ्रमण से समय नष्ट होगा. 28 अप्रैल से 3 मई तक समय भाग्य के अनुरूप रहेगा. शारीरिक-मानसिक कष्ट में कमी महसूस होगी. किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर मिलेगा. ज्ञान-विज्ञान की ओर अभिरुचि रहेगी. समस्या विशेष के समाधान में स्वयं का निर्णय लाभप्रद सिद्ध होगा. शिक्षा एवं प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. नवसम्पर्क का सुयोग बनो. इच्छाशक्ति जागृत होगी. आशा के अनुकूल घटना घटित होगी. सुसमाचार प्राप्ति से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. विवाद के समापन में मित्र सहायक होंगे. स्वयं की प्रतिभा का सदुपयोग कर सकेंगे. सिद्धि हेतु प्रयत्नशील रहेंगे. यात्रा सुखद होगी. उपाय बुधवार के दिन बुध ग्रह से सम्बन्धित हरे रंग की वस्तुओं का दान करें. गाय को चारा व गुड़ खिलायें. उपयोगी टिप्स परस्पर सहयोग से बहुत कुछ संभव है.

### तुला-(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

सप्ताह में 27 अप्रैल को विविध पक्षों में सफलता मिलेगी. योजना साकार होने की ओर होगी. स्वविवेक से लिया गया निर्णय लाभप्रद होगा. जीवनसाथी से अपेक्षित सहयोग मिलेगा. शुभ कार्यों में व्यय होगा. आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ होंगे. 28 से 30 के दिन 1/15 बजे तक कार्यों में निराशा हाथ लगेगी. दूसरों के गलतफहमी के शिकार होंगे. व्यवहार में जरा सी लापरवाही हानिकारक सिद्ध होगी. आपसी संबंधों में मेल-मिलाप में अरुचि रहेगी. चोट-चपेट दुर्घटना भी संभव है. शेष 3 मई तक समय प्रगति में सहायक रहेगा. व्यक्तिगत जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी. प्रेम संबंधों में मधुरता की स्थिति बनी रहेगी. विरोधी परास्त होंगे. अध्यावसाय की ओर रुझान रहेगा. नवसमाचार मिलने को होंगे. हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा. दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग उपस्थित होगा. संत समागम होगा.उपाय भगवती लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए प्रत्येक शुक्रवार के दिन गरीबों में सफेद रंग की वस्तुओं का दान करें. उपयोगी टिप्स शनिवार के दिन ग़रीबो व असहायों को भोजन करावें.

### वृश्चिक – (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

सप्ताह में 27 से 30 अप्रैल के दिन 1/15 बजे तक योजना साकार होने को होगी. विनियोजित धन का प्रतिफल आशानुकूल मिलेगा. आत्मसंयम से सिद्धि का प्रयास सार्थक होगा. दूसरों के आश्वासनों से राहत मिलेगी. सहयोगियों से सहयोग मिलेगा. राजनीतिक लाभ लेने हेतु प्रयत्नशील रहेंगे. कुछेक समस्याओं का संतोषजनक समाधान होगा. मौज-मस्ती के निमित्त अधिक व्यय करना पड़ेगा. तनाव में कमी रहेगी. यश मिलेगा. 2 मई तक आशा अपूर्ण रहेगी. भाग्योदय का मार्ग अवरुद्ध रहेगा. समस्याओं के दौर में समय व्यतीत होगा. किसी अप्रिय घटना से मन अशांत रहेगा. निरर्थक व्यय होगा. सुख के साधन में कमी रहेगी. 3 मई को परिस्थितियाँ सुधार पर होंगी. घरेलू वातावरण सुखद रहेगा. महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ेंगे. मित्रों-परिजनों से विचार-विमर्श होगा. उपाय प्रतिदिन माँ भगवती का दर्शन-पूजन करें. मंगलवार का व्रत करें. मंगल ग्रह से सम्बन्धित लाल रंग की वस्तुओं का दान करें. उपयोगी टिप्स सर्वप्रथम श्री गणेश जी की आराधना के पश्चात् ही कोई कार्य करें.

### धनु-(ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढ़ा, ढ़े)

सप्ताह में 27 अप्रैल से 2 मई तक कार्यसिद्धि का प्रयास सार्थक होगा. मनोबल में वृद्धि होगा. सामाजिक गतिविधियों की ओर अभिरुचि रहेगी. आपसी संबंधों में अत्यधिक प्रगाढ़ता रहेगी. सुख के जरूरी साधन सुलभ होंगे. नवसम्पर्क का सुअवसर प्राप्त होगा. किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर बनेगा. जनकल्याण की भावना जागृत होगी. किसी मुद्दे को लेकर उपस्थित मनमुटाव समाप्त होगा. कठिनाइयों के निराकरण का मार्ग प्रशस्त होगा. चली आ रही समस्याएँ कुछ हद तक सुलझेंगी. धामक कृत्यों से मानसिक राहत मिलेगी. कार्य-व्यवसाय में विशेष ध्यान रखें. प्रसन्नता होगी. 3 मई को प्रतिकूलता रहेगी. स्वास्थ्य में व्यवधान रहेगा. लाभ में न्यूनता रहेगी. विशेष प्रयास असफल होंगे. वैचारिक स्थिरिता का अभाव रहेगा. आपसी संबंधों में तनाव रहेगा. अध्यात्म के प्रति अरुचि रहेगी. उपाय शनिवार के दिन प्रात:काल पीपल के पेड़ की जड़ में जल अर्पित करें एवं सायंकाल सरसों के तेल का दीपक जलावें. उपयोगी टिप्स अन्धों को मिष्ठान्न सहित भोजन करावें.

### मकर-(भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

सप्ताह में 27 अप्रैल को दिनमान प्रतिकूल रहेगा. संकल्प-विकल्प से सफलता में संदेह रहेगा. धन का अभाव रहेगा. प्रतिष्ठा में कमी महसूस होगी. दाम्पत्य जीवन असंतोषजनक रहेगा. एकाग्रता का अभाव रहेगा. कष्ट होगा. 28 अप्रैल से 3 मई तक कठिनाइयों में कमी आयेगी. लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा. परिस्थितियों में क्रमिक सुधार होगा. आर्थिक-व्यावसायिक पक्ष में सफलता मिलेगी. रचनात्मक गतिविधियों में वृद्धि होगी. वैवाहिक अड़चनें समाप्त होंगी. इच्छाशक्ति जागृत होगी. निजी-जिन्दगी में सुख के साधन सुलभ होंगे. नवपरिवर्तन की योजना फलीभूत होगी. आपके हितैषी समय पर साथ देंगे. परोपकार की ओर अभिरुचि रहेगी. धन-सम्पत्ति विषयक मसला हल होगा. अपने स्तर को बनाये रखने के लिए अधिक व्यय करना पड़ेगा. कुछेक कार्यों में मनोवांछित सफलता मिलेगी. महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी. यात्रा सकुशल होगी. उपाय शनिवार के दिन नशीले पदार्थों के सेवन से बचें.उपयोगी टिप्स घर में खिड़की दरवाजें हमेशा खुलते रहने चाहिये.

### कुम्भ-(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

सप्ताह में 27 अप्रैल को ग्रहयोग अनुकूल रहेगा. विचाराधीन योजना मूर्त रूप में परिणित कर सकेंगे. वरिष्ठजनों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा. कामयाबी हासिल होगी. आय के नवीन स्रोत बनेंगे. अध्यात्म के प्रति आस्था रहेगी. 28 से 30 के दिन 1/15 बजे तक दिनचर्या-अव्यवस्थित रहेगी. साझेदारी के व्यापार में हानि की आशंका रहेगी. कठिनाइयों से मन दु:खी रहेगा. दूसरों के गलतफहमी के शिकार होंगे. राजनैतिक कृत्यों में बाधा उत्पन्न होगी. भय रहेगा. शेष 3 मई तक समय भाग्य के पक्ष में रहेगा. नव उत्तरदायित्व को निभाने में प्रयत्नशील रहेंगे. व्यापारिक वातावरण अनुकूल रहेगा. किसी के माध्यम से पुराने विवाद का समापन होगा. मेलमिलाप में रुचि रहेगी. सामाजिक गतिविधियों की ओर अभिरुचि रहेगी. शुभ समाचार मिलने से खुशी होगी. व्यक्तित्व का विकास होगा. जनकल्याण की ओर रुझान रहेगा. स्वास्थ्य सुधार पर होगा. उपाय शनिवार के दिन जीवित मछलियों को खरीदकर गंगाजी में प्रवाहित करें. उपयोगी टिप्स सामाजिक, धार्मिक दायित्व भी समय-समय पर निभाते रहें.

### मीन-(दी, दू, थ, झ, भ, दे, दो, चा, ची)

सप्ताह में 27 से 30 अप्रैल के दिन 1/15 बजे तक कार्यों में सफलता का सुअवसर मिलेगा. बुद्धि चातुर्य से कुछेक मसला सुलझेगा. किसी के माध्यम से नवीन उपलब्धि हासिल होगी. विरोधी परास्त होंगे. सुख-सुविधा के साधन समय पर पूर्ण होंगे. धार्मिक-आध्यात्मिक कृत्यों की ओर अभिरुचि रहेगी. अधीनस्थ सहयोगियों से सहयोग मिलेगा. पूँजी का प्रतिफल आशानुकूल प्राप्त होगा. सामाजिक क्रिया-कलापों में रुचि लेंगे. मानसिक राहत मिलेगी. सुख-सुविधा के जरूरी साधन सुलभ होंगे. 2 मई तक आशा अधूरी रहेगी. आरोग्य सुख में कमी रहेगी. आपसी संबंधों में तनाव रहेगा. किसी से विवाद की आशंका बनी रहेगी. मन व्यथित रहेगा. दुर्जनों से कष्ट होगा. व्यर्थ के भागदौड़ में समय नष्ट होगा. 3 मई को श्रेष्ठजनों के सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त होगा. दर्शनीय स्थलों की यात्रा का मन बनेगा. उपाय प्रत्येक वृहस्पतिवार के दिन भगवान विष्णु की अर्चना करें तथा पीले रंग की वस्तुओं का दान करें. उपयोगी टिप्स शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन नाग देवता को आज़ाद करावें.

# भूख खोल देगी ये चटपटी सी दही-प्याज की चटनी

## 2 की जगह 4 रोटी खाएंगे घरवाले!

क्या आपके साथ भी कभी-कभार ऐसा होता है कि कोई सब्जी खाने का मन नहीं करता? कुछ चटपटा और अलग सा खाने की क्रेविंग होती है? ऐसे टाइम पर आप दही और प्याज की ये चटपटी सी चटनी बनाकर तैयार कर सकती हैं. फटाफट बन जाती है और इसका तीखा और हल्का टैंगी स्वाद लाजवाब लगता है. जिस दिन कुछ बनाने का मन ना करे तो ये दही-प्याज की चटनी बना सकती हैं, घर में हर किसी को पसंद आएगी. ये चटनी ऐसी है कि इसके साथ आपको किसी और सब्जी या दाल की जरूरत नहीं पड़ेगी. अगर आपको दो रोटी की भूख है तो आप आराम से इसके साथ चार रोटी खा लेंगी, क्योंकि इसका चटपटा स्वाद ही कुछ ऐसा है कि पेट भर जाएगा लेकिन मन नहीं भरेगा. तो चलिए फटाफट से इसकी रेसिपी जान लेते हैं.



NEETI SODHANI
from - A to Z Cooking

**दही-प्याज की चटनी बनाने के लिए सामग्रीः** ये चटपटी सी दही-प्याज की चटनी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- साबुत लाल मिर्च, लहसुन की कलियां, गाढ़ा दही, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, जीरा, नमक, प्याज, धनिया पत्ता, तेल और नींबू का रस.

**खूब चटपटी और स्वादिष्ट बनती है ये दही-प्याज की चटनीः** सब्जी की जगह कुछ टेस्टी और चटपटा सा खाने का मन है तो फटाफट से दही-प्याज की चटनी बनाकर तैयार कर सकती हैं. घरवाले बड़े शौक से रोटी या चावल के साथ खाएंगे. ₹

इसे बनाने के लिए सबसे पहले साबुत लाल मिर्च और लहसुन की कलियों के साथ थोड़ी सी गाढ़ी दही मिलाएं और अच्छे से कूटकर पेस्ट बना लें. आप मिक्सर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.

दही बहुत ज्यादा नहीं डालनी है क्यों ये चटनी हल्की गाढ़ी ही अच्छी लगती है. अब इसमें बेसिक मसाले जैसे धनिया पाउडर, लाल मिर्च, जीरा और नमक अपने स्वादानुसार एड करें. इसके बाद कटी हुई प्याज और फ्रेश हरा धनिया पत्ता भी एड करें और सभी चीजों को कूटकर एक दरदरा सा पेस्ट बनाकर तैयार कर लें.

**तेल में भूनकर बढ़ जाएगा स्वादः** अब नॉर्मली आप चाहें तो चटनी ऐसे भी खा सकती हैं, लेकिन इसमें असली टेस्ट तो तभी आएगा जब आप इसे तेल में हल्का सा भून लेंगी. इसके लिए कोई दूसरे मसाले एड करने की भी जरूरत नहीं है. बस एक पैन में थोड़ा सा ये गर्म करें और उसमें ये चटनी डाल दें. इसे चलाते हुए तब तक भूनें जब तक चटनी तेल छोड़ना ना शुरू कर दे. इसका सारा कच्चापन निकल जाएगा और टेस्ट काफी बढ़िया आएगा. अब गैस बंद कर दें.

**टिपः** चटनी को सर्व करने से पहले उसमें थोड़ा सा नींबू का रस एड कर दें. इससे चटनी का स्वाद और भी बढ़ जाएगा. इसे आप रोटी-पराठे या चावल किसी के साथ भी सर्व कर सकती हैं, ये काफी ज्यादा टेस्टी लगती है.

# स्वार्थ बिना प्यार नहीं होता

प्यार, प्रेम ,स्नेह आदि कुछ ऐसी भावना है जो दिल में व्याप्त रहने से ही ज़िन्दगी सुचारू रूप से चलती है . यदि ये भावनाएं हमारे हृदय में नहीं हो तो हमारी ज़िन्दगी नीरस, बेजान , कर्कश और भावनाविहीन हो जाती है . लोग नीच प्रवर्ती के हो जाते हैं . ये भावनाएं जन्म जात होती हैं . किसी में किसी के प्रति और किसी में किसी के प्रति ये भावनाएं होती है . यदि प्रत्येक व्यक्ति मे हर प्राणी मात्र के लिये प्रेम और स्नेह की भावना जाग्रत हो जाये तो यह संसार ही स्वर्ग बन जाये .

प्रेम प्यार और स्नेह क्या निस्वार्थ होता है? शायद नहीं . संसार में कोई ऐसा व्यक्ति है जिसके प्रेम में स्वार्थ मिश्रित नहीं हो . प्रेम स्वार्थ बिना नहीं हो सकता है . यह बात अलग है कि स्वार्थ का प्रतिशत 1% है या 99% , चाहे माता पिता का प्यार और स्नेह हो या पति पत्नी का प्रेम हो या प्रेमी प्रेमिका का प्रेम आदि आदि .

माता पिता जब बच्चों को बेपनाह स्नेह करते हैं, भरपूर प्यार करते हैं उनका स्वार्थ निस्वार्थ होता है . प्यार में बच्चों को सब कुछ न्योछावर कर देते हैं . किंतु फिर भी उन्हें बच्चों को जन्म देने से पहले ही सोचने लगते हैं कि जब बच्चा होगा तो उन्हें कितनी खुशी होगी . उसे पाल पोष कर बड़ा करेंगे . उसकी शादी करेंगे . फिर नाती पोतो पोतियों को प्यार करेंगे और बुढ़ापे में बेटा हमारी सेवा करेगा . यह चाहत ही हमारा स्वार्थ है . हमने बेटा पैदा किया है तो हमारा कर्तव्य है उसका लालन पालन करना , उसे स्नेह करना, उसकी जरूरतें पूर्ण करना आदि आदि . इन सबके बदले में कुछ भी चाहत हमें नहीं रखनी चाहिये . अन्यथा प्यार में स्वार्थ की बू आती है .

हम यदि भगवान से भी प्यार करते हैं तो उनसे भी बहुत कुछ माँगते रहते हैं. मन्नत अपने आप में स्वार्थ की द्योतक है . भगवान को प्यार करने के लिये चाहे उनकी पूजा करें , आरती करें, मंदिर में उनका दर्शन करें आदि आदि . किंतु हृदय में कोई न कोई फ़रमाइश रहती है . अतः भगवान से भी प्यार भक्त बिना स्वार्थ के नहीं करता है .

कौन किसको कितना प्यार करता है कितना निस्वार्थ प्यार करता है यह किसी के अंदर झाँक कर पता नहीं किया जाता . इसकी कोई मशीन भी नहीं है जिससे पता चल सके कि कौन किसको कितना निस्वार्थ प्यार करता है . पति पत्नी का जो प्यार है वह एक दूसरे की जरूरतों से भरा हुआ है . अतः निस्वार्थ नहीं कहा जा सकता है . यही बात प्राय सभी रिश्तों में चरितार्थ होती है .

इतिहास में झांकें तो भरत और लक्ष्मण का अपने भाई के प्रति प्रेम था वह निस्वार्थ था . कृष्ण का सुदामा के प्रति मित्र प्रेम निस्वार्थ था . मीरा का कृष्ण से प्यार निस्वार्थ था, भक्ति में कोई स्वार्थ नहीं था . भगत सिंह , चंद्र शेखर आदि क्रांतिकारियों का देश प्रेम निस्वार्थ था . उनको न कोई पद की लालसा थी और न कोई अन्य चाहत . उन्हें सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने वतन से प्यार था .

जो प्यार एक तरफ़ का होता है वही निस्वार्थ होता है और सच्चा प्यार होता है . जहाँ भी प्यार के बदले प्यार पाने की चाह होती है वह चाह ही स्वार्थ कहलाती है . किंतु एक तरफ़ का प्यार करने वाले माता पिता, पति पत्नी, भाई बहन , मित्र, प्रेमी प्रेमिका इस संसार में नगण्य ही है . साधु संत , ऋषि मुनि आदि भी भगवान की भक्ति इस लिये करते हैं कि उन्हें मोक्ष चाहिये, उन्हें अपना परलोक सुधारना है .

पारस कोचर
एडवोकेट
pkincometaxparaskochar.com

**युवा शक्ति**
**चुभती बात**

*हंकार को हावी नहीं होने देना चाहिये, जिससे कि हम सबके साथ एक तरफ़ का प्यार कर सकें , स्नेह कर सकें और जीवन में खुशियाँ भर सकें . प्यार में स्वार्थ , चाहत आदि जितना कम रख सकें , प्यार उतना ही शुद्ध होता जायेगा . निस्वार्थ प्यार सिर्फ़ कल्पना मात्र नहीं रहनी चाहिये .*

एक तरफा प्यार जरूरी नहीं हो की शुरुवात से ही हो . प्यार में जब रिश्ते अंधे हो जाते हैं तब एक तरफा प्रेम हो सकता है . प्यार में जब किसी तरह की दरार आ जाती है तो उस दरार को मिटाते मिटाते धीरे धीरे एक तरफा प्यार हो जाता हैं . किंतु एक तरफा प्यार को साधारणतः दूसरे पक्ष वाला समझ ही नहीं सकता है क्योंकि वह सब सहज रूप से लेता है.

प्यार एक भावना है और स्वार्थ एक विचार, जरूरत .

यदि माँ बेटे को बहुत प्यार करती है और बेटा भी किंतु बेटे की शादी के बाद माँ यदि बेटे से यदि कोई अपेक्षा नहीं रखती है तो यह एक तरफा प्यार है किंतु प्रत्येक माँ बाप बेटे से बहुत अपेक्षा रखते हैं . भाई भाई बहुत प्यार करते हैं किंतु सम्पत्ति को लेकर कुछ मन मुटाव हो जाता है तो फिर प्रेम कहाँ था?

एक तरफ़ के प्यार का एक काल्पनिक उदाहरण पेश कर रहा हूँ . एक प्रेमी और प्रेमिका में सात जन्म साथ निभाने के वादों के बाद कुछ मन मुटाव हो जाता है. संबंधों में खटास आ जाती है . अचानक प्रेमिका को काफ़ी रुपयों की दरकार पड़ती है . प्रेमिका के यह कहते ही कि फ़लाँ काम के लिये उसे रुपयों की दरकार है प्रेमी उसके मांगने के पहले ही उसे रुपया देने का वादा करता है और निभाता है . इसके बाद जब जब भी प्रेमिका की बड़ी से बड़ी समस्या को सुलझाता है या समस्या दूर करने में सहायक रहता है बावजूद इसके कि वह रुपया अभी तक प्रेमिका ने लौटाया नहीं . यह प्रेम एक तरफा प्रेम है . प्रेमिका प्रेमी की इस सहायता को सहज में लेती है . जिस बात से वह नाराज हुई थी उसका असर अभी तक उस पर है. किंतु यह एकतरफा प्यार बिरले ही कर पाते हैं .प्रेमी को कोई स्वार्थ नहीं है . वह इसलिये उसका भला करता है कि वह उसे प्यार करता है . एक तरफ़ का प्यार .

इस लिये कोई यदि यह कहता है कि मैं अपने बच्चों को, पति या पत्नी को , माँ बाप आदि को में निस्वार्थ प्रेम करता हूँ तो यह सिर्फ़ अवास्तविक बात है . निस्वार्थ प्रेम की भावना बिरले ही रखते हैं . यह बात सही है कि निस्वार्थ प्रेम भी चौबीस कैरेट सोना ही हो यह कम संभव है .यदि एक तरफा प्रेम में थोड़ा बहुत स्वार्थ भी छुपा हुआ है तो भी ऐसे लोग पूजनीय होते हैं . निस्वार्थ प्रेम के लिये स्वार्थ ही नहीं अहंकार , लालच, भौतिक सुख , आदि बहुत कुछ छोड़ना पड़ सकता है . निःस्वार्थ प्रेम का मतलब अपने आपको प्रेम के आगे न्योछावर कर देना, अपने स्वार्थ की आहुति दे देना और जिससे प्रेम करे उससे किसी प्रकार की चाहत नहीं रखना .

यह भी यथार्थ है कि निस्वार्थ प्यार करने वाले पति या पत्नी , माँ बाप या बच्चे , भाई बहन , मित्र और प्रेमी प्रेमिका को अगले जन्म में भरपूर सुख और शांति मिलती है और वही रिश्ता फिर नसीब होता है क्योंकि प्रारब्ध बहुत अच्छा हो जाता है . यों भी धीरे धीरे अपनों के बीच स्वार्थ की भावना खत्म करनी चाहिए, मन मुटाव दूर करना चाहिए. अहंकार को हावी नहीं होने देना चाहिये, जिससे कि हम सबके साथ एक तरफ़ का प्यार कर सकें , स्नेह कर सकें और जीवन में खुशियाँ भर सकें . प्यार में स्वार्थ , चाहत आदि जितना कम रख सकें , प्यार उतना ही शुद्ध होता जायेगा . निस्वार्थ प्यार सिर्फ़ कल्पना मात्र नहीं रहनी चाहिये .

# धूप से काले हो गए हैं पैर?

## टमाटर से बना ये स्क्रब ट्राई करें, 2-3 बार में दूध से निखर जाएंगे!

अपने फेस की हम जितनी केयर करते हैं, उतना ही अपने पैरों को नजरअंदाज करते हैं. फिर कुछ दिनों में पैरों की हालत इतनी खराब हो जाती है कि महंगी-महंगी फुट क्रीम और पेडिक्योर भी खास रिजल्ट नहीं दे पाते. खासतौर से गर्मियों में तो टैनिंग, धूल-मिट्टी और डेड स्किन से पैरों की हालत और खस्ता हो जाती है. अगर आपके पैरों का भी यही हाल है तो आज की ये रेमेडी आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए. कोई भी काम करते हुए फटाफट से टमाटर का ये फुट स्क्रब बनाकर पैरों पर रगड़ लें, टैनिंग और डेड स्किन काफी हद तक रिमूव हो जाएंगे. ये घर पर रखी चीजों से बन जाता है और इतना इफेक्टिव है कि एक-दो बार में ही आपको काफी अच्छे रिजल्ट मिलेंगे. तो चलिए देख लेते हैं इसे बनाने कैसे है और इस्तेमाल कैसे करना है.

**टमाटर से बनाएं ये नेचुरल फुट स्क्रबः** पैरों पर टैनिंग हो गई है या डेड स्किन की वजह से बुरा हाल है, तो ये रेमेडी आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए. इसके लिए आपको टमाटर, चीनी, शहद, कॉफी और किसी भी माइल्ड शैंपू या बॉडीवॉश की जरूरत होगी. बनाना एकदम सिंपल है, बस टमाटर को बीच में से काट लें. अब इसपर खूब सारी शुगर लगाएं, फिर थोड़ा सा शहद और कॉफी एड करें. साथ में कोई भी माइल्ड शैंपू या बॉडीवॉश ले सकते हैं. ये सब आपको टमाटर के ऊपर लगाना है, ताकि स्क्रब करने में आसानी हो.

**कैसे यूज करना हैः** सबसे पहले अपने पैरों को अच्छे से धो लें, ताकि सारी धूल-मिट्टी या ऑयल निकल जाए. अब अपने साफ पैरों पर आपको ये टमाटर रगड़ना है, रगड़ते हुए पैरों को अच्छी तरह क्लीन करें. एड़ियों को भी अच्छे से साफ करें. 10-15 मिनट इसी तरह स्क्रब करते रहें, फिर पानी से अच्छी तरह पैरों को वॉश कर लें. इसके बाद कोई थिक मॉइश्चराइजर या ऑयल अप्लाई करना ना भूलें. अगर पॉसिबल है तो इसके बाद सॉक्स पहन लें, इससे पैर और भी ज्यादा सॉफ्ट हो जाते हैं.

**टिपः** हफ्ते में आप 2-3 बार ये फुट स्क्रब यूज कर सकते हैं. दो से तीन बार में ही काफी अच्छा रिजल्ट देखने को मिलता है.

**कैसे फायदेमंद है ये टोमैटो फुट स्क्रबः** टमाटर में मौजूद नेचुरल एसिड टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है, जिससे पैरों की स्किन निखर जाती है. वहीं चीनी और कॉफी नेचुरल स्क्रब की तरह काम करते हैं, जिससे डेड स्किन रिमूव होने में हेल्प मिलती है. शैंपू या बॉडीवॉश क्लीनिंग में हेल्प करते हैं. कुल मिलाकर कहें तो पैरों को ब्राइट, टैनिंग फ्री और सॉफ्ट बनाने में ये रेमेडी काफी असरदार है.

**नोटः** अगर आपके पैरों की स्किन ज्यादा सेंसेटिव है तो सकता है स्किन पर इरीटेशन हो. इसलिए पहले पैच टेस्ट करना बहुत जरूरी है.

# चेहरे पर कसावट लाने के लिए रोज खाएं ये 4 चीजें, झुर्रियां रहेंगी दूर

त्वचा चमकदार और खूबसूरत बनी रहे, इसके लिए हम लोग कई महंगे प्रोडक्ट्स यूज करते हैं. घरेलू तरीके भी स्किन को ग्लोइंग और सुंदर बनाते हैं, लेकिन त्वचा के लिए सही खाना भी जरूरी है. 25 की उम्र के बाद शरीर में कोलेजन कम बनता है और इससे स्किन पर फर्क पड़ता है. ऐसे में अगर आपकी डायट अच्छी नहीं है, तो त्वचा खराब हो सकती है. चेहरे पर झुर्रियां, काले घेरे, झाइयां, कालापन, धब्बे भी हो जाते हैं. अगर आप चेहरे को बिल्कुल सुंदर और बेदाग बनाना चाहती हैं, तो कुछ चीजों को आज से ही अपनी डायट में शामिल कर लें.

**खट्टे फलः** चेहरे पर कसावट लाने और झुर्रियों को दूर रखने के लिए आपको खट्टे फल खाने चाहिए. जैसे अंगूर, संतरा, मोसम्मी, अनार, नींबू. इन सभी फलों में विटामिन सी की मात्रा भरपूर होती है. इससे शरीर में कोलेजन बूस्ट होता है और चेहरे पर भी कसावट आती है.

**ओमेगा-3 फैटी एसिडः** ओमेगा-3 फैटी एसिड त्वचा को नमी, कोमलता और चमक देते हैं. साथ ही ये कोलेजन को बनाने में मदद करते हैं. चेहरे पर होने वाली सूजन को भी ये कंट्रोल में करते हैं और झुर्रियां दूर रखते हैं. इसके लिए आप सैल्मन फिश, अखरोट खा सकते हैं.

**नट्स-सीड्सः** नट्स जैसे काजू, बादाम, किशमिश, पिस्ता, छुआरा, मखाना आप खा सकते हैं. ये ड्राई फ्रूट्स स्किन को विटामिन, एंटीऑक्सिडेंट्स देते हैं. इससे चेहरे पर ग्लो रहता है और स्किन अंदर से हाइड्रेट रहती है. इसके अलावा आप कद्दू, अलसी, चिया सीड्स खा सकते हैं. इससे भी स्किन को फायदा होता है.

**डेयरी प्रोडक्ट्सः** कोलेजन बूस्टिंग फूड्स जैसे दूध, दही, पनीर, अंडा, पालक, घी जरूर खाएं. इन सभी चीजों में अच्छा प्रोटीन होता है, जो कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देता है. इससे त्वचा ढीली नहीं दिखेगी और निखार भी बना रहेगा.

**न्यूट्रिशन फूड्सः** विटामिन ए, सी, ई से युक्त फूड्स भी खाना शुरू करें. इसके लिए आपको गाजर, पालक, टमाटर, ऑलिव ऑयल, एवोकाडो, कीवी और शकरकंद खाना चाहिए. इन चीजों में विटामिन्स अच्छी मात्रा में होते हैं, जो स्किन पर निखार बनाकर रखते हैं.

# हेल्थ का पावर पैक: शरीर को अंदर से साफ और स्किन को ग्लोइंग बनाने वाला जूस

गर्मियों में शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है और ऐसे में नेचुरल जूस एक अच्छा विकल्प बन जाते हैं. तरबूज और चुकंदर का जूस भी इन्हीं में से एक है, जिसे आजकल काफी लोग हेल्दी ड्रिंक के रूप में पसंद कर रहे हैं. यह जूस ना सिर्फ ताजगी देता है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में भी मदद कर सकते हैं.

तरबूज में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखता है. वहीं, चुकंदर एंटीऑक्सीडेंट्स और जरूरी मिनरल्स से भरपूर होता है. दोनों का कॉम्बिनेशन एक ऐसा ड्रिंक बनाता है, जो गर्मियों में शरीर को हल्का, फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस कराने में मदद कर सकता है. हालांकि, इसके अन्य और भी कई फायदे हैं.

**क्या फायदे मिल सकते हैं?**

**किडनी हेल्थ को सपोर्ट करता हैः** तरबूज में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है. इससे यूरिन फ्लो बेहतर होता है, जो किडनी के लिए फायदेमंद हो सकता है.

**लिवर को हेल्दी रखने में मददः** चुकंदर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं. यह लिवर की कार्यक्षमता को सपोर्ट कर सकता है और शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है.

**इंफ्लेमेशन कम करने में मददः** इस जूस में मौजूद पोषक तत्व शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं, जिससे आप हल्का और फ्रेश महसूस करते हैं.

**ब्लड प्रेशर बैलेंस में मददः** चुकंदर में पाए जाने वाले नाइट्रेट्स ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रखने में मदद मिल सकती है.

**स्किन को नेचुरल ग्लो देता हैः** यह जूस शरीर को हाइड्रेट रखता है और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जिससे स्किन हेल्दी और ग्लोइंग दिख सकती है.

**कैसे बनाएं?** :

तरबूज के टुकड़े लें
आधा कच्चा चुकंदर डालें
थोड़ा नींबू का रस मिलाएं
1 गिलास पानी डालकर ब्लेंड करें
छानकर ठंडा-ठंडा सर्व करें

**क्या यह किडनी स्टोन में फायदेमंद है?:** यह जूस शरीर को हाइड्रेट रखने और यूरिन फ्लो बढ़ाने में मदद कर सकता है, जिससे किडनी की सेहत को सपोर्ट मिलता है. लेकिन किडनी स्टोन का इलाज सिर्फ इस जूस से नहीं होता. इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है.

**जरूरी सावधानीः** ज्यादा मात्रा में ना पिएं, शुगर या इझ के मरीज डॉक्टर से सलाह लें और ताजा बनाकर ही सेवन करें.

**हेल्थ नोटः** तरबूज और चुकंदर का जूस एक हेल्दी और नेचुरल ड्रिंक है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने और ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करने में मदद कर सकता है. हालांकि इसे किसी बीमारी का इलाज नहीं माना जाना चाहिए. इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए अन्य डॉक्टर से उचित सलाह ले सकते हैं.

# लिवर में जमा फैट को पिघलाने में तेजी से मदद करती हैं कॉफी

कॉफी काफी सारे लोगों की फेवरेट मॉर्निंग ड्रिंक है. इसके बगैर लोगों की नींद तक नहीं खुलती. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के मुताबिक कॉफी में कैफीन, क्लोरोजेनिक एसिड, ट्राईगोनेलिन, डाइटरपीन और मेलानोइड्स कॉफी में पाए जाने वाले कंपाउंड हैं जो हेल्थ के लिए फायदेमंद रहते हैं. लेकिन कॉफी पीने के तरीके से इन कंपाउंड के फायदे शरीर को मिलते हैं. अगर आप हैवी क्रीम, स्वीटनर्स और दूध जैसी चीजों के साथ मिलाकर कॉफी पीते हैं तो ये फायदे की बजाय नुकसान पहुंचाएगी.

इंस्टाग्राम पर डॉक्टर शुभम वत्स्य ने बताया कि ब्लैक कॉफी मॉर्निंग में पीना केवल एक ड्रिंक नहीं है बल्कि ये दवा की तरह काम करती है. कैप्शन में डॉक्टर ने लिखा है कि बिना चीनी और दूध ब्लैक कॉफी एक नेचुरल ड्रिंक है जो लिवर के फैट को डिसॉल्व करने में मदद करती है. और साथ ही लांग टर्म में होने वाले डैमेज से भी बचाती है. गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट और हीपैटोलॉजिस्ट डॉक्टर वत्स्य ने बताया कि बिना दूध और चीनी के कॉफी पीने से लिवर पर पॉजिटिव असर होता है. लिवर में जमा फैट को ब्लैक कॉफी इफेक्टिव तरीके से पिघलाने में मदद करती है.

**कितने कप ब्लैक कॉफी पीने से होगा फायदाः** डॉक्टर ने वीडियो में बताया कि कई सारी साइंटिफिक स्टडीज रिपोर्ट में ब्लैक कॉफी के फायदे बताए गए हैं. एक दिन में तीन से चार कप ब्लैक कॉफी लिवर में जमा फैट को पिघला सकता है. लिवर हेल्थ को इंप्रूव करता है और मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है.

**हार्ट हेल्थ के लिए कॉफी पीने के फायदेः** 2023 की स्टडी में कॉफी पीने के फायदे हार्ट के लिए बताए गए हैं. मॉडरेट लेवल में कैफीन का इनटेक जैसे दो से तीन कप ब्लैक कॉफी हार्ट हेल्थ के लिए सेफ है और हार्ट डिसीज के रिस्क को कम करता है.

# खराब पाचन का कारण बनती हैं ये 5 आदतें

## हेल्दी गट के लिए आज ही सुधारें

पाचन तंत्र हमारे शरीर के लिए इंजन की तरह काम करता है. अगर इसमें थोड़ी भी गड़बड़ी हो जाए तो पूरे दिन खराब हो जाता है. वैसे तो पाचन से जुड़ी समस्या होना कॉमन है, लेकिन सही समय पर इन दिक्कतों का इलाज होना भी बहुत जरूरी है. कई बार पाचन से जुड़ी समस्या होने पर लोग घरेलू उपायों को अपनाते हैं, लेकिन अगर ये समस्या रोजाना हो रही है तो आपको सिर्फ अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत होती है. इंस्टाग्राम पर हार्मोन स्वास्थ्य और वेट लॉस एक्सपर्ट लीमा महाजन ने खराब पाचन का कारण बनने वाली 5 आदतों के बारे में बताया है. इसी के साथ उन्होंने हेल्दी गट के लिए कुछ आदतों को अपनाने के बारे में कहा है.

**खराब पाचन का कारण बनने वाली 5 आदतेंः** 1) स्ट्रॉ, च्युइंग गम, खाना खाते समय बात करने की आदत पाचन की समस्या का कारण बन सकती है. इससे हवा निगलने की समस्या होती है, जिसकी वजह से गैस बहुत ज्यादा बनती है. **2)** जल्दी-जल्दी, फोन देखकर खाने पर आप खाने को ठीक तरह से चबाते नहीं हैं तो आंतों में फर्मेंटेशन ज्यादा होती है. **3)** खाना खाते समय ध्यान न देने पर पाचन एंजाइमों की प्रतिक्रिया कमजोर हो जाती है. जिसकी वजह से पाचन स्लो हो जाता है. **4)** खाना खाने के तुरंत बाद बैठने से पेट खाली होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है. जिससे पेट में गैस फंसी रह जाती है और भारीपन महसूस होता है. **5)** खाने के बीच ज्यादा देर का गैप न रखें. ये आंतों की प्राकृतिक सफाई प्रक्रिया रोकता है और पेट फूलना बढ़ जाता है.

**हेल्दी गट के लिए फायदेमंद आदतेंः** 1) खाने के एक टुकड़े को 20 से 30 बार चबाकर खाएं. इससे पाचन में सुधार होता है और गैस कम बनती है. **2)** बहुत से लोगों की आदत होती है कि वह खाना खाने के समय फोन देखते हैं. ये आदत तनाव बढ़ाती है इसलिए तनाव के बिना खाना खाना. जब आप रिलैक्स होकर खाना खाते हैं तो खाते हुए पचाने का मोड एक्टिव हो जाता है. **3)** खाना खाने के बाद 10-15 मिनट टहलें. ऐसा करने से आंत की चुस्ती में सुधार होता है और पेट फूलना कम होता है. **4)** पानी सामान्य रूप से पिएं, आजकल की ट्रेंडी स्ट्रॉ वाली बोतलों से पीने से बचें. ऐसा करके आप एक्सट्रा हवा अंदर जाने से रोकता है. **5)** खाने के बीच 3 से 4 घंटे का अंतराल रखें. ये पाचन क्रिया को सुचारू रखता है.

# सुडोकू-30

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | | 3 | | | | | 1 |
| | 9 | 2 | 8 | 5 | 4 | | | 6 |
| | | 5 | 1 | | 2 | 9 | | |
| | | 8 | 7 | | 3 | | | |
| | 6 | | | | | | 1 | |
| | | | 2 | | 6 | 8 | | |
| | | 4 | 5 | | 9 | 2 | | |
| 6 | | | 4 | 3 | 8 | 1 | 5 | |
| 5 | | | | | 1 | | 4 | |

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें. उत्तर अगले अंक में

**सूडोकू -29 का उत्तर**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 1 | 9 | 8 | 6 | 7 | 2 | 4 | 3 |
| 7 | 2 | 4 | 5 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 8 | 3 | 6 | 2 | 4 | 9 | 5 | 1 | 7 |
| 9 | 5 | 7 | 1 | 8 | 6 | 4 | 3 | 2 |
| 3 | 4 | 1 | 7 | 5 | 2 | 6 | 9 | 8 |
| 2 | 6 | 8 | 3 | 9 | 4 | 1 | 7 | 5 |
| 6 | 8 | 5 | 9 | 7 | 1 | 3 | 2 | 4 |
| 4 | 9 | 3 | 6 | 2 | 8 | 7 | 5 | 1 |
| 1 | 7 | 2 | 4 | 3 | 5 | 9 | 8 | 6 |

# युवा शक्ति माथापच्ची- 51

**● बाएं से दाएं**

1. वारिस, 4. स्मरणशक्ति, 7. लक्ष्मी, 9. प्रणाम, झुकाव, 10. संकोच, शर्म, 11. व्यर्थ, 15. रुदन, 17. तंतु, सूत्र, 19. प्रायः, अक्सर, 20. बुद्धिमान, वेद मंत्रो का ज्ञाता, 23. किसी संज्ञा को निदेर्शित करने वाला शब्द, 24. सलाहकार, 21. देने वाला, 22. बैठने के लिए पक्का स्थान, कमरे का तल,

**● उपर से नीचे**

1. ऋण, 2. शासित क्षेत्र, 3. युद्ध में मारा जाना, 5. दबाने वाला, रोकने वाला, 6. मानदंड, 8. सामान, 12. समाधान, 13. अस्त-व्यस्त करना, 14. श्याम, 15. अनुष्ठान, व्यवस्था, नियम, 16. न टुटने वाला सिलसिला, रीत, 18. सूर्य,

*उत्तर कल के अंक में*

**माथापच्ची- 50 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | ■ | पा | व | न | ■ | तू | फा | न |
| बु | क | नी | ■ | त | न | ■ | लू | ■ |
| लु | ■ | का | ला | ■ | ■ | ना | दा | न |
| बु | द | बु | दा | ना | ■ | क | ■ | दी |
| ■ | मा | ल | ■ | ■ | ■ | में | ह | ■ |
| मा | ■ | बु | ■ | मूं | ग | द | ल | ना |
| ह | म | ला | ■ | ■ | त | म | ■ | मां |
| ■ | दा | ■ | सा | ल | ■ | आ | तं | क |
| प | री | क्षा | ■ | अ | प | ना | ■ | न |

# 4 मई के बाद बंगाल में भी चलेगा मेरा बुलडोजर, माफियाओं की तोड़ूंगा हड्डी-पसलीः योगी आदित्यनाथ

**कटवा/बर्धमान :** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के प्रचार के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के फायरब्रांड नेता योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पूर्व बर्धमान जिले के कटवा में हुंकार भरी. भाजपा प्रत्याशी कृष्ण घोष के समर्थन में आयोजित जनसभा में योगी ने टीएमसी सरकार पर जमकर प्रहार किया. उत्तर प्रदेश के चीफ मिनिस्टर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की तरह अब बंगाल में भी बुलडोजर चलेगा. 4 मई को चुनावों के नतीजे आने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी.

योगी आदित्यनाथ ने अपने चिर-परिचित अंदाज में अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा- मैं उत्तर प्रदेश में केवल एक्सप्रेस-वे ही नहीं बनाता हूं, उसी एक्सप्रेस-वे पर माफियाओं की हड्डी-पसली तोड़ने का काम भी करता हूं. बंगाल को भी अब ऐसी ही सख्त सरकार की जरूरत है. उन्होंने कहा कि यूपी का बुलडोजर गुंडों के बल और अहंकार को निचोड़ देता है.

बंगाल में भी ऐसा ही होगा.योगी ने बंगाल की गौरवशाली विरासत को याद करते हुए जनता को राष्ट्रवाद से जोड़ा. उन्होंने कहा कि यह वह माटी है, जिसने खुदीराम बोस जैसे वीर दिये, जो हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गये. यह साहस, स्वाभिमान, अध्यात्म और देशभक्ति की धरा है. उन्होंने कहा कि बंगाल अब तृणमूल के दमनकारी शासन से मुक्ति चाहता है. 4 मई को जब रिजल्ट आयेगा, तो बंगाल के कण-कण में केसरिया लहरायेगा.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घुसपैठ और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर ममता बनर्जी सरकार को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को बंगाल की जनता का हक नहीं खाने दिया जायेगा. जो लोग इनका साथ दे रहे हैं, भाजपा की सरकार आने पर उनकी खैर नहीं होगी. योगी ने याद दिलाया कि जब भाजपा संसद में सीएए बिल लायी थी, तब तृणमूल ने इसका कड़ा विरोध किया था. उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार बनते ही इस दिशा में ठोस और उपयुक्त कदम उठाये जायेंगे.

## न्यूज कॉर्नर

### टाटानगर स्टेशन पर 15 किलो गांजे के साथ दो लोग पकड़े गए

**जमशेदपुर:** एक त्वरित संयुक्त अभियान में, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस ने देर रात रेलवे परिसर से दो संदिग्ध नशा तस्करों को पकड़ा और उनके पास से 15 किलोग्राम गांजा बरामद किया. विशिष्ट सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने एक समन्वित छापेमारी के दौरान इन दोनों को रोका और प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर ली, जिसकी अवैध बाज़ार में कीमत कई लाख रुपये है. यह कार्रवाई रेलवे मार्गों के ज़रिए नशीले पदार्थों की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे सघन प्रयासों का हिस्सा थी. आरोपियों की पहचान उपेंद्र कुमार (38) और विनोद साओ (55) के रूप में हुई है; ये दोनों बिहार के नवादा ज़िले के राजौली के रहने वाले हैं. शुरुआती पूछताछ से एक बड़े तस्करी नेटवर्क से इनके संभावित संबंधों का संकेत मिला है, हालाँकि अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आगे की जाँच जारी है. यह अभियान ऑपरेशन नारकोस अभियान के तहत चलाया गया था. दोनों व्यक्तियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए टाटानगर रेलवे पुलिस को सौंप दिया गया है, और अधिकारियों ने सुरक्षित रेल गलियारों को सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई जारी रखने का संकल्प लिया है.

### विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया

**साहिबगंज :** शनिवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर कौड़ी खुटौना के अंतर्गत मदर टेरेसा मेमोरियल स्कूल कौड़ी खुटौना भगैया में सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान की अध्यक्षता में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया जिसमें प्रवीर सिन्हा के द्वारा मलेरिया के बारे में सभी बच्चों को बताया गया जिसमें मलेरिया के कारण, बचाव, ट्रीटमेंट के बारे में बताया गया. साथ ही साथ पानी के निकाश की समुचित व्यवस्था, हाथ धोने के प्रकार , मच्छरदानी का उपयोग , आई आर एस छिड़काव आदि के बारे में जानकारी दी गई जिसमें अमन कुमार भारती, प्रवीर सिन्हा ,रवि कुमार जाटव, सहिया चांदमुनी कर्मकार, डोरोथी मुर्मू, बोरोनिका सोरेन , टेरेसा सोरेन , बलराम मंडल, विजय जी पत्रकार , डायरेक्टर बोनिफास सर, प्रिंसिपल मैडम रीना जायसवाल जी के साथ साथ विद्यालय के अन्य सभी अध्यापकों ने रैली में भाग लिया.

### थाना दिवस पर भूमि विवादों का हुआ निष्पादन

**मण्डरो :** मिर्जाचौकी थाना परिसर में शनिवार को प्रखंड अंचलाधिकारी संजय शुक्ला के अध्यक्षता में थाना दिवस पर बैठक का आयोजन किया गया. इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न भूमि संबंधी मामलों की सुनवाई कर उनका निष्पादन किया गया !बैठक में प्रेमलता देवी एवं प्रियंका कुमारी के बीच चल रहे जमीन विवाद का स्थल निरीक्षण करने के बाद थाना परिसर में ही आपसी सहमति से मामले का समाधान कराया गया. प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई से दोनों पक्षों को राहत मिली.इस मौके पर एएसआई अनुरंजय सिंह, एएसआई पवन कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे. अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे अपने विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से थाना दिवस के माध्यम से कराएं, ताकि समय पर न्याय मिल सके.

### गाय चोरी के शक में दो लोगों की सामूहिक पिटाई, एक की मौत

**सिलीगुड़ी :** सिलीगुड़ी के उत्तर एकटियाशाल पाइपलाइन इलाके में कथित तौर पर गाय चोरी के शक में दो लोगों की भीड़ द्वारा बेरहमी से पिटाई की गई. इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर हालत में अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है. बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात से इलाके में गाय चोरी की अफवाह फैली थी. शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ लिया. आरोप है कि उन्हें एक खंभे से बांधकर जमकर पीटा गया.सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सिलीगुड़ी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया. दूसरे का इलाज जारी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है.प्राथमिक जानकारी के अनुसार, दोनों युवक इस्लामपुर इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं. हालांकि उनकी पहचान नहीं हो सकी है. घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस और केंद्रीय बल तैनात कर दिए गए हैं. पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है.

### तीन मंजिला मकान से गिरकर महिला की मौत

**सिलीगुड़ी :** सिलीगुड़ी में तीन मंजिला मकान से गिरकर एक महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान पपी साहा (55) के रूप में हुई है. यह घटना शहर के 24 नंबर वार्ड स्थित देवाशीष कॉलोनी इलाके में शनिवार दोपहर घटी है.परिवार के मुताबिक, घटना के समय महिला घर पर ही मौजूद थी. घर में उनका बेटा, बहू और एक छोटा बच्चा भी था. अचानक वह तीन मंजिला मकान से नीचे गिर गई. गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें तुरंत एम्बुलेंस के जरिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है. सिलीगुड़ी थाने की पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है.

### धनियाखाली में कार से 2.10 लाख नकदी जब्त

**हुगली :** हुगली जिले के धनियाखाली क्षेत्र में चुनावी माहौल के बीच नकदी बरामदगी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. शुक्रवार देर रात सोमसपुर दक्षिण शिमला गांव में स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध सफेद कार को घूमते देखा और शक होने पर उसे रोक लिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और चुनाव आयोग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और वाहन की तलाशी ली.तलाशी के दौरान कार से कुल 2,10,880 नकद बरामद किए गए. पुलिस के अनुसार, वाहन में मौजूद लोग इस पैसे के स्रोत के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, जिसके बाद नकदी को जब्त कर लिया गया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पैसे का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था.इस घटना के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं. तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उम्मीदवार असीमा पात्र ने आरोप लगाया कि यह पैसा भाजपा द्वारा वोटरों को प्रभावित करने के लिए लाया जा रहा था. वहीं भाजपा उम्मीदवार बर्णाली दास ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे टीएमसी की साजिश बताया है.चुनाव के दौरान इस तरह की घटनाओं को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है. पुलिस और चुनाव आयोग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि पर रोक लगाई जा सके. मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इससे जुड़े और तथ्य सामने आने की संभावना है.

# दहेज प्रताड़ना, विवाहित महिला की हत्या मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

**पाकुड़:** महेशपुर थाना क्षेत्र के भिलाई गांव में बीते 22 अप्रैल को एक विवाहित महिला को ससुराल वालों के द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए हत्या कर दिए जाने के मामले को लेकर, शुक्रवार देर शाम थाने में मृतक के पिता घाटचोरा निवासी सह वादी सोनेल हेम्ब्रम ने ससुराल वालों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया है. वादी के आवेदन पर नामजद आरोपित संतोष सोरेन, बनेश्वर सोरेन एवं संझली मरांडी के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित कर उसकी बेटी का हत्या कर देने के आरोप में मामला दर्ज करवाया है. वादी ने आवेदन में उल्लेख किया है कि बीते चार माह पूर्व उसकी बेटी का प्रेम विवाह संतोष सोरेन के साथ हुई थी. विवाह के बाद से संतोष एवं उसकी मां तथा उसके पिता ने दहेज के लिए उसकी बेटी को प्रताड़ित करने लगा. साथ ही दहेज के रूप में एक मोटरसाइकिल एवं ढाई लाख

रुपए की मांग की जा रही थी. रुपया नहीं देने पर लगातार उसकी बेटी को प्रताड़ित करते हुए मारपीट की जा रही थी. कुछ दिन पूर्व उसकी बेटी अपने मायके आई थी तो उसकी बेटी ने अपने मायके वाले को ससुराल वालों के द्वारा प्रताड़ित किए जाने का जानकारी दे दिया, साथ ही उसे डर था कि वह लोग उसे जान से भी मार देंगे. बीते 22 अप्रैल की शाम शाम चार बजे उसकी बेटी के ससुराल वालों के द्वारा खबर दी गई की उसकी बेटी मर गई है. जब मायके वाले ससुराल पहुंचा तथा बेटी की मौत का कारण पूछा तो किसी ने भी कुछ बताने से इनकार कर दिया. मायके वालों के द्वारा बेटी के गले में गंभीर जख्म का निशान भी पाया गया. इसके बाद तीनों नामजद आरोपितों के खिलाफ थाना में मामला दर्ज किया गया. मामला दर्ज होते ही थाना प्रभारी रवि शर्मा ने पुलिस बल के साथ नामजद आरोपित संजय सोरेन को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया. शनिवार को रामजद आरोपित को स्वास्थ्य परीक्षण करा कर पाकुड़ जेल भेज दिया गया.

### प्रखंड के गांवों की जलापूर्ति समस्या जल्द होगी समाप्त: विधायक हेमलाल मुर्मू

**पाकुड़:** ज़िले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड के गांवों में शुद्ध पेयजलापूर्ति की समस्या एवं उसके समाधान के बाबत जानकारी दी. विधायक हेमलाल मुर्मू ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा तेलोपाड़ा गांव का जिक्र करते हुए कहा कि लिट्टीपाड़ा प्रखंड के अधिकतर गांवों में ये समस्या है क्योंकि लिट्टीपाड़ा प्रखंड का पश्चिमी इलाका एक ड्राई जोन एरिया है. उन्होंने कहा कि इस इलाके के गांवों में जलापूर्ति हेतु 270 करोड़ की योजना लगभग असफल रही है. उन्होंने कहा कि उक्त ड्राइ ज़ोन में 90 यूनिट का बोरिंग निविदा के माध्यम से होना है. उनके द्वारा पिछले साल से ही काम शुरू किया गया है जिनमें सफलता भी मिली है और आगे भी काम निविदा के माध्यम से चलेंगे. उन्होंने कहा कि लिट्टीपाड़ा प्रखंड में ऐसे भी गांव हैं जहां बोरिंग की गाड़ी नहीं पहुंचेगी, जिसके लिए जनमन योजना के 109 करोड़ की लागत से सड़क बनेगी, ताकि बोरिंग की गाड़ी पहुंच सके. उन्होंने कहा कि लिट्टीपाड़ा प्रखंड की जलापूर्ति हेतु उनके द्वारा विधानसभा में भी मुद्दा उठाया गया था जिसमें अपेक्षित आश्वासन मिला है. लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पश्चिमी व पूर्वी इलाकों के गांवों की जलापूर्ति की समस्या जल्द ही दूर होगी.

### जमीन विवाद को लेकर दो पक्ष में हुआ जमकर मारपीट

**पाकुड़:** महेशपुर थाना क्षेत्र के मुर्गाडांगा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हो रही पंचायती के दौरान एक पक्ष के द्वारा मारपीट कर जख्मी कर देने का मामला प्रकाश में आया है. घटना को लेकर प्रथम पक्ष के वादी मोतीलाल हांसदा ने शुक्रवार शाम को थाना में आवेदन देकर गांव के ही धीरेन मुर्मू, डिप्टी मुर्मू एवं ठकरान मरांडी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है. वादी ने आवेदन में उल्लेख किया है कि बीते दो अप्रैल को गांव में ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में जमीन विवाद को लेकर दूसरे पक्ष ठाकरान मरांडी मुर्गाडांगा गांव निवासी के बीच पंचायती चल रहा था. वादी के द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर नामजद आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तरह मामला दर्ज की गई है.

### पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द करना जनहित में उठाया गया एक निर्णायक कदम : सुरेश सोंथालिया

**जमशेदपुर :** कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द करने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया एक निर्णायक कदम बताया है. कैट ने कहा कि यह सख्त नियामकीय कार्रवाई उन करोड़ों भारतीयों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, जिन्होंने इस संस्था पर विश्वास कर अपना धन जमा किया था. कैट के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेश सोंथालिया ने शनिवार को प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर कहा कि आरबीआई का यह निर्णय बार-बार नियामकीय नियमों की अनदेखी, प्रबंधन संबंधी विफलताओं तथा आरबीआई के निर्देशों की लगातार अवहेलना की गंभीरता को दर्शाता है. उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में भी आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की बैंकिंग गतिविधियों पर बड़े प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन चेतावनियों और सुधार के अवसरों के बावजूद संस्था

आवश्यक सुधार करने में विफल रही, जिसके परिणामस्वरूप यह कार्रवाई करनी पड़ी. सोंथालिया ने जमाकर्ताओं को लेकर आरबीआई द्वारा दी गई इस आश्वासन की सराहना की कि उनका धन सुरक्षित है और नियमानुसार उन्हें वापस मिलेगा. उन्होंने कहा कि यह आश्वासन विशेष रूप से उन लाखों छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों और महिला उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है, जो प्रतिदिन के लेनदेन और डिजिटल भुगतान के लिए बड़े पैमाने पर पेटीएम का उपयोग कर रहे थे. सोंथालिया ने पुनः दोहराया कि वित्तीय नवाचार हमेशा पारदर्शिता, जवाबदेही और भारतीय कानूनों के पूर्ण अनुपालन के साथ ही आगे बढ़ना चाहिए. उपभोक्ताओं, व्यापारियों और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए.

### एसआईआर और जनगणना को लेकर झामुमो जिला समिति की बैठक हुई सम्पन्न

**पाकुड़:** झामुमो जिला समिति की अति बैठक झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक में महेशपुर विधायक प्रो0 स्टीफन मरांडी, लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू शामिल हुए. बैठक में संगठन को बूथ से लेकर जिला स्तर तक मजबूत करने की दिशा में चर्चा हुई. बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण और जनगणना जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक को संबोधित करते हुए महेशपुर विधायक ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक हालात में संगठन की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ गई है. उन्होंने बूथ, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर पार्टी ढांचे को और सशक्त बनाने का निर्देश दिया, ताकि पार्टी हर स्तर पर प्रभावी भूमिका निभा सके. उन्होंने इड--2 और बूथ समिति को और सक्रिय तथा धारदार बनाने पर बल दिया. लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने और सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया. जनगणना केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है.

# फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी पर देसी कट्टे से फायरिंग की घटना, जांच में जुटी पलिस

**पाकुड़:** नगर थाना क्षेत्र के ग्वालपाड़ा स्थित निमतल्ला के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी पर देसी कट्टे से फायरिंग की घटना सामने आई. अचानक गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घबरा गए और घरों व गलियों की ओर भागने लगे. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी.

घटना में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी मिथुन कुमार रजक घायल हो गए. बताया जा रहा है कि गोली सीधे उन्हें नहीं लगी, लेकिन फायरिंग के दौरान बारूद के छींटे उनके बाजू में लग गए, जिससे उन्हें चोट आई. आनन-फानन में उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई और बड़ा हादसा टल गया.स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस फाइनेंस कंपनी में यह घटना हुई, वहां दिनभर और देर रात तक काफी शोर-शराबा होता था. इससे आसपास रहने वाले लोग लंबे समय से परेशान थे. इसको लेकर पहले भी कई बार आपत्ति जताई जा चुकी थी. बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर शुक्रवार को भी विवाद हुआ और मामला अचानक बढ़ गया. देखते ही देखते कहासुनी झड़प में बदल गई.

**पड़ोसी युवक ने तान दिया देसी कट्टा:**

आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले शिबू राउत नामक युवक ने गुस्से में आकर फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी मिथुन कुमार रजक पर देसी कट्टा तान दिया और हवा में गोली चला दी. हालांकि गोली सीधे किसी को नहीं लगी, लेकिन बारूद के असर से मिथुन घायल हो गए. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया.

**सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी**

फाइनेंस कंपनी के प्रबंधक निर्मल मंडल ने बताया कि घटना कैसे शुरू हुई, इसकी पूरी जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन अचानक विवाद बढ़ने के बाद गोली चलने की बात सामने आई. उन्होंने बताया कि आरोपी शिबू राउत की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. इसी फुटेज के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है.

**पुलिस ने शुरू की छापेमारी:**

नगर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता ने बताया कि हवा में फायरिंग की बात सामने आई है. फिलहाल थाना में अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है, लेकिन पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर रही है. उन्होंने कहा कि फायरिंग करने वाले की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है. आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है. फिलहाल इलाके में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन इस घटना को लेकर पूरे मोहल्ले में चर्चा बनी हुई है.

### जिला स्तरीय अस्मिता सिटी लीग खेल सफलता पूर्वक संपन्न

**साहिबगंज :** खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग,झारखंड सरकार के निर्देश के आलोक में जिला प्रशासन,साहेबगंज द्वारा खेलों में महिलाओं की भागेदारी बढ़ाने को लेकर 24 एवं 25 अप्रैल तक दो दिवसीय जिला स्तरीय अस्मिता सिटी लीग खेल प्रतियोगिता अंतर्गत चेस, कुश्ती,कबड्डी, एथलेटिक्स का आयोजन सफलता पूर्वक आयोजन जिला खेल कार्यालय,साहेबगंज द्वारा किया गया. सिदो कान्हु स्टेडियम साहेबगंज में दूसरे दिन मुख्य अतिथि गौतम कुमार भगत,अपर समाहर्ता ,साहेबगंज एवं विशिष्ट अतिथि झुन्नू मिश्रा जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने उपस्थित होकर एथलेटिक्स एवं कबड्डी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुभारंभ कराया . शिक्षा के साथ साथ खेल में अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने ,जिला का नाम राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर रौशन करने हेतु प्रेरित किया.वहीं बालिका कबड्डी मैच का टॉस सदर अस्पताल की महिला चिकित्सक डॉ स्नेहा यादव ने किया.इस मौके पर जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष ,खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी , खेल प्रशिक्षक योगेश यादव, अशोक कुमार, जिला ओलंपिक संघ के सचिव माधव चंद्र घोष, निमाई चौधरी ,खेल शिक्षक आदित्य कुमार, बमबम कुमार , बिरेंद्र कुमार,दीपक कुमार, खुर्शीद, चंद्रकांत,प्रियंका, सरिता कुमारी,संजय कुमार, राकेश राका,सुनील किस्कू, दीपक कुमार,सुजीत मल्लिक , सतेंद्र साह समेत अन्य का सराहनीय सहयोग रहा. कबड्डी बालिका अंडर 14विजेता,पी.एम श्री नगरपालिका , विद्यालय.उपविजेता पुलिस लाइन मध्य विद्यालय. कबड्डी बालिका अंडर 17विजेता,पोखरिया उच्च विद्यालय. उपविजेता,राजमहल कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय.कबड्डी बालिका अंडर 19विजेता,साहेबगंज प्रखंडउपविजेता,राजमहल कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय.

# पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की गई

**युवा शक्ति न्यूज**

**गया :** जिले में सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने के उद्देश्य से अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने शनिवार को जिला अतिथि गृह सभागार में पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की.बैठक में विभिन्न सड़कों एवं परियोजनाओं की प्रगति के साथ-साथ निविदा (टेंडर) की वर्तमान स्थिति पर भी गहन चर्चा की गई.बैठक के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने नेशनल हाईवे-83 (चकन से 80 गेट होते हुए सिकरिया मोड़ तक) के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए बताया कि लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा.टिकारी रोड के निर्माण कार्य को प्रगति पर बताते हुए उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.बारी रोड एवं डॉ. मेहरा रोड में अतिक्रमण की समस्या को प्रमुख बाधा बताते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शीघ्र अतिक्रमण हटाकर 7 मीटर तक चौड़ीकरण का कार्य पूरा किया जाए.गया पुलिस लाइन रोड के चौड़ीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और कार्य प्रगति पर है.सुजाता बायपास रोड के निर्माण के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से स्वीकृति हेतु पत्र भेजा जा चुका है.स्वीकृति मिलते ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा.वहीं, आमस-दरभंगा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना को तीन पैकेज में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसे अगले वर्ष मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.बैठक में प्रस्तुत पथ निर्माण विभाग, रोड डिवीजन-1, गया के कार्यपालक अभियंता के पत्र के अनुसार विभिन्न योजनाओं की निविदा स्थिति की भी समीक्षा की गई.पुराना बाइपास (सुजाता बायपास) से संबंधित सड़क को चार लेन में उन्नयन के लिए निविदा प्रकाशित की जा चुकी है तथा वित्तीय बोली खोली जा चुकी है, जो वर्तमान में स्वीकृति प्रक्रिया में है.इसी प्रकार, गेवाल बीघा से दुर्गास्थान होते हुए एनएच-83 तक सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य की निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और यह भी अनुमोदन की प्रक्रिया में है.डॉ. मेहरा से जी.बी. रोड तक (बारी रोड के माध्यम से) सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य में एकल बोलीदाता के कारण पूर्व निविदा रद्द कर पुनः निविदा की गई है तथा वित्तीय बोली खोली जा चुकी है, जो स्वीकृति के अधीन है.बोधगया एप्रोच रोड (डोमूहान से महाबोधि मंदिर) तथा गया-बोधगया रोड (घुघरीटांड़ से वर्मा मोड़) सहित कई अन्य महत्वपूर्ण सड़कों के उन्नयन कार्यों की निविदाएं प्रशासनिक स्वीकृति के अभाव में निरस्त कर दी गई हैं.इनमें खटका चक-नैली-दुबहल रोड तथा दलेलचक से गया-पटना मुख्य मार्ग (एनएच-82) तक की सड़कें भी शामिल हैं, जिनके लिए शीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर पुनः प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए.ग्रामीण क्षेत्रों में खनन एवं निर्माण सामग्री की कमी के कारण कार्य प्रभावित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के समन्वय से इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए.बैठक में पथ निर्माण विभाग के वरीय अधिकारी, कार्यपालक अभियंता एवं पप्पू चंद्रवंशी, राजनंदन गांधी, सूरज राणा, राजेश मस्तान, उपेंद्र पासवान, वेद प्रकाश, सचिन ठाकुर, राकेश आईटी, गुंजन मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे.

# राहुल का शतक बेकार पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर दिल्ली कैपिटल्स को हराया

**नयी दिल्ली:** लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में शनिवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ सात गेंद शेष रहते छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा. कैपिटल्स ने दो विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा. मौजूदा सत्र में यह टीम की सात मैचों में छठी जीत है. कैपिटल्स की सात मैचों में यह चौथी हार है. प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई. तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी. 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में तीन चौके और सात छक्के जड़े. राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया. आईपीएल में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और नौ छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए. दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है. सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड विराट कोहली और एबी डिविलियर्स के नाम है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की इस जोड़ी ने गुजरात लायंस के खिलाफ 2016 में दूसरे विकेट के लिए 229 रन की साझेदारी की थी. राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है. उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. राहुल को 12 रन के स्कोर पर अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया और इस बल्लेबाज ने उसका पूरा फायदा उठाते हुए मैदान के हर कोने में बाउंड्री लगाई. पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिए, लेकिन टीम के सभी गेंदबाजों ने रन लुटाए. बार्टलेट ने चार ओवर में 69 रन दिए, जबकि विजयकुमार वैशाख ने तीन ओवर में 48 रन दिए. लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य ने पहले ही ओवर में अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर छक्का जड़कर तेवर दिखाए, वहीं प्रभसिमरन ने ओवर का अंत छक्के से किया. इस जोड़ी ने मुकेश कुमार के दूसरे ओवर से 21 और अक्षर पटेल के तीसरे ओवर से 20 रन बटोरे. तीसरे ओवर के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के सिर और कंधे में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया. प्रभसिमरन ने चौथे ओवर में तीन छक्के लगाए, जबकि आर्य ने भी इस ओवर में एक छक्का लगाकर कुल 27 रन बटोरे. इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने मुकेश कुमार के खिलाफ चौके के साथ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने इस ओवर में छह चौके जड़े और पंजाब का स्कोर पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 116 रन तक पहुंचा दिया. यह मौजूदा सत्र में पंजाब किंग्स का सर्वश्रेष्ठ और आईपीएल इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर है. अक्षर ने सातवें ओवर में आर्य को आउट कर कैपिटल्स को पहली सफलता दिलाई, जबकि कुलदीप यादव ने प्रभसिमरन को पगबाधा कर पांच गेंदों के भीतर दूसरी सफलता दिलाई. अक्षर की गेंद पर कूपर कोनोली का कैच पकड़ने के बाद मुकेश का पैर बाउंड्री से टकरा गया, जिससे यह छह रन में बदल गया, लेकिन कुलदीप ने अगले ओवर में उन्हें बोल्ड कर जीवनदान का फायदा नहीं उठाने दिया. अय्यर ने कुलदीप के खिलाफ स्कायर लेग के ऊपर से छक्का जड़ा. एनगिडी की जगह कन्कशन सब्स्टिट्यूट के तौर पर मैदान पर आए विप्रज निगम ने नेहाल वढेरा को आउट कराया, लेकिन करुण नायर ने इसी ओवर में अय्यर का आसान कैच छोड़ दिया. नायर ने दो गेंद बाद कुलदीप की गेंद पर अय्यर का एक और आसान कैच टपका दिया. अय्यर ने इन दोनों जीवनदान का फायदा उठाते हुए चौका और दो छक्के लगाकर अपना अर्धशतक 26 गेंदों में पूरा किया और फिर शशांक के साथ मिलकर टीम को आसान जीत दिला दी. पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राहुल ने शुरूआती ओवरों में समझदारी से समय लेने के बाद दूसरे ओवर में बार्टलेट का स्वागत लगातार दो चौकों से किया, लेकिन अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने उनका आसान कैच टपका दिया. अर्शदीप ने हालांकि पथुम निसांका (11) को आउट कर पवेलियन की राह दिखाई. राहुल ने इसी ओवर में दिल्ली की पारी का पहला छक्का जड़ा, वहीं क्रीज पर आए नीतीश राणा ने मार्को यानसेन और फिर वैशाख के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौके जड़े. राहुल ने वैशाख की फुलटॉस गेंद को दर्शकों तक पहुंचाया. पावर प्ले में एक विकेट पर 68 रन बनाने के बाद राहुल ने युजवेंद्र चहल की गेंद को लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेजने के बाद राणा के साथ 25 गेंदों में अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की. राहुल ने युजवेंद्र चहल की लगातार गेंदों पर सीधे शॉट में शानदार चौके जड़े, वहीं राणा ने 12वें ओवर में बार्टलेट के खिलाफ दो छक्के और चार चौके लगाकर ओवर से 28 रन बटोरे. इस दौरान उन्होंने 29 गेंदों में अपना अर्धशतक और राहुल के साथ शतकीय साझेदारी पूरी की. राहुल ने यानसेन के खिलाफ 15वें ओवर में चौका लगाकर 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. आईपीएल में यह राहुल का सबसे तेज शतक है. इससे पहले उन्होंने 2018 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 56 गेंदों में अपना सबसे तेज शतक बनाया था. उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए वैशाख के खिलाफ काउ कॉर्नर, फाइन लेग और कवर क्षेत्र के ऊपर से लगातार तीन छक्के लगाकर ओवर से 24 रन बटोरे, जिससे कैपिटल्स का स्कोर एक विकेट पर 213 रन हो गया. चहल की गेंद पर स्टोइनिस ने राणा का बाउंड्री के पास शानदार कैच लपका, लेकिन रिप्ले में उनका पैर बाउंड्री से टकराता दिखा, जिससे यह छह रन हो गए. राहुल ने यानसेन के खिलाफ छक्का जड़कर राणा के साथ 88 गेंदों में 200 रन की साझेदारी पूरी की. राणा ने बार्टलेट के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर शतक की ओर कदम बढ़ाए, लेकिन कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार कैच लपककर उन्हें आउट किया. राहुल ने आखिरी ओवर में अर्शदीप की गेंद को विकेटकीपर के ऊपर से चार रन के लिए भेजकर 66 गेंदों में 150 रन के आंकड़े को पार किया.

# सीएसके लय हासिल करने की कोशिश में, गुजरात की नजर वापसी पर

**मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा.**

**चेन्नई:** पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी. दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी. सीएसके ने इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं की थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार वापसी करके अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत हासिल की है. इसमें मुंबई इंडियंस पर 103 रन की जीत भी शामिल है, जिसमें संजू सैमसन ने सत्र का अपना दूसरा शतक लगाया था. रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके के अभी छह अंक हैं और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए आगे किसी भी तरह की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध होगी. सीएसके की टीम अभी अच्छी स्थिति में नजर आ रही है. मुंबई के खिलाफ उसे सैमसन की शानदार पारी और अकील हुसैन की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन के कारण बड़ी जीत मिली. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसने यह जीत अपने स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी (पिंडली की चोट) और युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे (हैमस्ट्रिंग की चोट) के बिना हासिल की. सीएसके के लिए हालांकि कुछ क्षेत्र चिंता का विषय बने हुए हैं. उसके शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मध्य क्रम आक्रामक बल्लेबाजी करने और साझेदारी निभाने में नाकाम रहा है. गायकवाड़ खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं जबकि सरफराज खान, शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे हैं. सीएसके के लिए गेंदबाजी विभाग सकारात्मक पहलू रहा है. अंशुल कंबोज ने अपनी निरंतरता बनाए रखी है और टूर्नामेंट में अब तक सर्वाधिक 14 विकेट हासिल किए हैं. जेमी ओवरटन ने उनका अच्छा साथ दिया है. उन्होंने अभी तक नौ विकेट लिए हैं. नूर अहमद ने नियंत्रण बनाए रखा है और हुसैन ने पिछले मैच में चार विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया. गुजरात टाइटंस की टीम अभी तक अवसरों का फायदा उठाने में नाकाम रही है. उसे पिछले दो मैच में हार का सामना करना पड़ा है. उसे मुंबई इंडियंस ने 99 रन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पांच विकेट से हराया. उसके छह अंक है लेकिन खराब रन रेट के कारण वह सातवें स्थान पर है. आक्रामक बल्लेबाजी को बढ़ावा देने वाले प्रारूप में उनका रूढ़िवादी दृष्टिकोण हमेशा कारगर साबित नहीं हुआ है. विशेष रूप से मध्य क्रम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और वे अक्सर अच्छी शुरुआत का लाभ उठाने में विफल रहे हैं. आरसीबी के खिलाफ अपने पिछले मैच में भी गुजरात 230 से अधिक का स्कोर बनाने की स्थिति में दिख रही था, लेकिन उसके बल्लेबाज 16वें और 19वें ओवर के बीच वे तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे, जो बाद में निर्णायक साबित हुआ. खराब फील्डिंग ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दीं हैं. विराट कोहली ने जब खाता भी नहीं खोला था तब उनका आसान कैच छोड़ दिया गया था जो काफी महंगा साबित हुआ. गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, कागिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जबकि युवा अशोक शर्मा ने भी छह विकेट लेकर योगदान दिया है. स्पिन गेंदबाजी विभाग में राशिद खान एकमात्र भरोसेमंद विकल्प बने हुए हैं, क्योंकि मानव सुथार ने अब तक केवल एक मैच खेला है और वाशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन भी कुछ खास प्रभावशाली नहीं रहा है. गुजरात टाइटंस के लिए एक बड़ा सकारात्मक पहलू साई सुदर्शन का आरसीबी के खिलाफ प्रभावशाली शतक रहा है, जबकि गिल ने तीन अर्धशतकों सहित 293 रन और जोस बटलर ने 231 रन बनाए हैं.

## कोठारी मुश्किल मुकाबले में जीते, आडवाणी ने शानदार शुरुआत की

**कारलो (आयरलैंड):** मौजूदा चैंपियन सौरव कोठारी को आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के अपने पहले मैच में ह्वांग चुलहो को हराने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. इस भारतीय दिग्गज ने दक्षिण कोरिया के चुलहो को 305-238 से हराया. मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन कोठारी ने 111 अंकों का एक अहम ब्रेक लगाकर कोरियाई खिलाड़ी को मात दी. 41 वर्षीय कोठारी अगले मैच में फ्रांस के अखिलेश मोहन से भिड़ेंगे. पहले दिन ज्यादातर अन्य भारतीय खिलाड़ियों को किसी भी तरह की मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा. पूर्व चैंपियन पंकज आडवाणी की माइकल क्रूक पर 1003-54 की एकतरफा जीत दिन का मुख्य आकर्षण रही. बेंगलुरु के 40 वर्षीय आडवाणी ने लगातार कई बड़े ब्रेक लगाकर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरी तरह पस्त कर दिया. अपना पहला विश्व खिताब जीतने की तलाश में जुटे ध्रुव सितवाला ने ग्रुप सी के एक मैच में ऑस्ट्रिया के कार्ल-वाल्टर स्टेनर पर 645-115 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की.

## वंशिका और चिराग ने 10 मी एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्वर्ण जीता, भारत तालिका में शीर्ष पर कायम

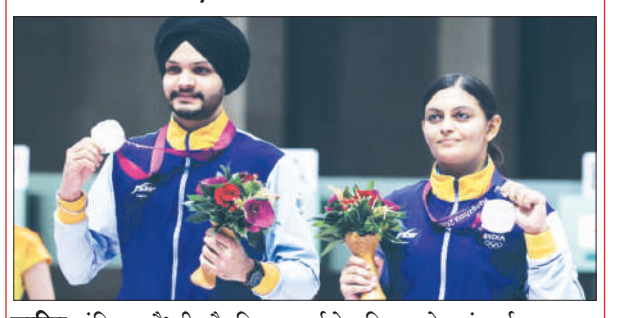

**काहिरा:** वंशिका चौधरी और चिराग शर्मा ने शनिवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा जीत ली जिससे भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या पांच हो गई. अभी एक दिन के मुकाबले और बाकी हैं, लेकिन भारत पांच स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है. वंशिका और चिराग की जोड़ी ने 484.3 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट के तौर पर प्रतिनिधित्व कर रहे अलीकसांद्रा पियात्रोवा और मिकिता दौबाश (467.6) को पीछे छोड़ दिया. मोहिनी सिंह और हिमांशु राणा की दूसरी भारतीय जोड़ी ने 407.4 का स्कोर किया और चार टीमों के फाइनल में कांस्य पदक जीता. वंशिका और चिराग ने शनिवार सुबह 582 का स्कोर किया था और 14 टीमों के क्वालीफायर में शीर्ष पर रहे थे, जबकि मोहिनी और हिमांशु 568 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे. वंशिका के लिए यह टूर्नामेंट में दूसरा स्वर्ण पदक था. इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के व्यक्तिगत मुकाबले का खिताब जीता था. चिराग के लिए भी यह दूसरा पदक था, जिन्होंने इससे पहले जूनियर पुरुषों की एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता था. इसी दिन ट्रैप पुरुषों और महिलाओं के मुकाबले भी खत्म हुए जिसमें जुहैर खान फाइनल में सातवें जबकि भव्य त्रिपाठी फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं.

# केकेआर और एलएसजी के बीच मैच में रहाणे और पंत की कप्तानी की होगी परीक्षा

**मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा.**

**लखनऊ :** कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही हैं जिनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होंगी. आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी केकेआर ने रहाणे को कप्तान बनाए रखकर साहसिक फैसला किया लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है. केकेआर को अपनी पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लगे. यह जीत भी उसे सामूहिक प्रयास से नहीं बल्कि रिंकू सिंह के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत मिली. रहाणे ने अब तक कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं जो कि इस प्रारूप में जरूरी है. उनकी उम्र लगभग 38 वर्ष है और ऐसे में उन्हें लंबी अवधि तक टी20 टीम का कप्तान बनाए रखना इस प्रारूप की मांगों के अनुरूप नहीं लगता है. कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती के नहीं चल पाने से भी रहाणे की मुश्किलें बढ़ी. यही नहीं टीम अभी तक सही संयोजन भी तैयार नहीं कर पाई है. रचिन रविंद्र को अभी तक एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है जबकि उनके देश न्यूजीलैंड के फिन एलन और टिम सीफर्ट के बीच बिना किसी स्पष्टता के अदला-बदली का खेल चल रहा है. रहाणे के कप्तान के रूप में कुछ फैसले भी टीम के लिए सही नहीं रहे. पिछले कुछ मैच में वह स्वयं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उन पर दबाव बढ़ गया है. केकेआर भले ही इकाना स्टेडियम में कुछ हद तक लय में उतरें, लेकिन उसके अभी केवल तीन अंक हैं और उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम छह में जीत हासिल करनी होगी जो उसके प्रदर्शन को देखकर असंभव लगता है. एलएसजी का अभियान भी अब तक अच्छा नहीं रहा है. ऋषभ पंत की अगुवाई वाली इस टीम ने केवल दो मैच जीते हैं और उस पर जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है. लगातार चार हार और कप्तान के कई फैसलों ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है. पंत स्वयं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर का रहे हैं. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 67 रन की पारी के बाद से उन्होंने पांच पारियों में केवल 72 रन बनाए हैं, जिसमें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ तीन गेंदों पर शून्य पर आउट होना भी शामिल है. लखनऊ की मुश्किल पिच पर 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहला विकेट जल्दी गंवाने के बाद पंत क्रीज पर उतरे लेकिन उन्होंने गैर जिम्मेदाराना अंदाज में अपना विकेट इनाम में दिया. एलएसजी का अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन इस साल भी जारी रहा. पिछले सत्र में उसे यहां खेले गए आठ मैचों में से छह में हार मिली, जिसमें लगातार पांच हार शामिल हैं. इस साल उसने यहां तीन मैच गंवाए हैं. एलएसजी ने इस मैदान पर खेले गए कुल 24 मैचों में से केवल नौ में जीत हासिल की है. उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है और शीर्ष क्रम के बार-बार लड़खड़ाने से मध्य क्रम की कमजोरियां उजागर हो गई हैं. विदेशी खिलाड़ियों में निकोलस पूरन (73 रन) और एडन मार्क्रम (162 रन) उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं. मुकुल चौधरी भी एक पारी में 27 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाने के बाद उसे दोहराने में नाकाम रहे हैं. श्रीलंका के 18 करोड़ रुपये में खरीदे गए गेंदबाज मथीशा पथिराना की वापसी से केकेआर को मजबूती मिली है. वह अपनी घातक यॉर्कर गेंदों के लिए मशहूर हैं.

## कारोबार

# शेयर बाजार : लम्बी होती जा रही है हॉर्मूज जलडमरूमध्य के भंवर की उलझन

विमल कोठारी, वरिष्ठ पत्रकार

**जयपुर:** मध्य पूर्व एशिया में गत 28 फरवरी से 39 दिन चलने वाला युद्ध भले ही सीज फायर के कारण छिटपुट घटनाओं को छोड़ कथित रूप से सीज हो गया हो, लेकिन लड़ाई बाद से ही हॉर्मूज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर चल रही रस्सा-कस्सी थम नहीं रही. अमेरिका जहां इस क्षेत्र में अपनी नौसेना के बल पर नियंत्रण के बयान जारी कर रहा है तो ईरान इन सब से इनकार करते हुए हॉर्मूज जलडमरूमध्य से पार हुए कुल जलयानों की तस्वीरें सोशल मीडिया साइट्स पर वायरल कर अमेरिकी दावों की पोल खोलने की कोशिश कर रहा है. अंतरराष्ट्रीय कानून व समझौतों के अनुसार हॉर्मूज जलडमरूमध्य से निकलने वाले जहाजों की स्थिति अब भी बड़ी विकट बनी हुई है, अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) और विभिन्न शिपिंग डेटा के अनुसार, लगभग 1,500 से 2,000 जहाज और करीब 20 हजार नाविक फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं. ये जहाज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण बाहर नहीं निकल पा रहे हैं. सामान्य परिस्थितियों में हॉर्मूज जलडमरूमध्य से प्रतिदिन 100 जहाज गुजरते थे, जो अब घटकर लगभग शून्य के स्तर पर पहुंच चुकी है, शिपिंग कंपनियां भी अब जोखिम से बचने के लिए अपने जहाजों को अफ्रीका की तरफ मोड़ चुकी है, जिसका सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ेगा, जो कम्पनियों की बैलेंसशीट्स को भी प्रभावित करने में सक्षम है. अर्थात ना केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था, बल्कि शेयर बाजार की स्थिति भी हॉर्मूज जलडमरूमध्य के भंवर में उलझी हुई है. इस सप्ताह भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता होने के आसार के अलावा 28 व 29 अप्रैल को अमेरिकी फेडरल बैंक की बैठक भी होनी है, अमेरिकी फेडरल बैंक से उम्मीद की जा रही है अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पड़े भार के अलावा इससे निपटने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है, जिसका असर भी शेयर बाजार पर नजर आएगा. मौजूदा कमजोर स्थिति में शेयर बाजार में निवेशकों को नया निवेश केवल फंडामेंटल आधारित मजबूत शेयरों में भी धैर्य व स्टॉप लॉस के साथ करना चाहिए. गत शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में लगातार दो सप्ताह से चल रहा सुधार थम गया और बीएसई सूचकांक में 1829.33 अंक (2.33%) की फिर गिरावट आई और बीएसई सूचकांक 76664.21 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी सूचकांक में 455.60 अंक (1.87%) की मंदी रही और यह भी 23897.95 अंक पर बंद हुआ. साप्ताहिक आधार पर शेयर बाजार में रही मंदी का असर मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक पर भी है, लेकिन यह अपेक्षाकृत कम है. भारतीय बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशक-एफआईआई कारोबार में पिछले सप्ताह भी शुद्ध बिकवाली का रुख जारी रहा, इन्होंने गत सप्ताह 17,139.86 करोड़ की शुद्ध बिकवाली ही की है, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक-डीआईआई ने बाजार में 9,782.05 करोड़ की खरीद कर बाजार को संभालने का प्रयास किया. बुलियन बाजार की बात करें तो सोने व चांदी के भावों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही सटोरिया गतिविधियों की सक्रियता के कारण भावों में फिर गिरावट आई. साप्ताहिक आधार पर जयपुर बाजार में 24 कैरेट सोना गत शनिवार के 1,56,800 रुपए प्रति 10 ग्राम से 1300 रुपए प्रति दस ग्राम कम होकर 1,55,500 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,62,500 रुपए प्रति किलो से 12,000 रुपए प्रति किलो की गिरावट के साथ 2,50,500 रुपए प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई. भावों में गिरावट के बावजूद बाजार में ग्राहकी धीमी है. कारोबारी फिलहाल बुलियन में और मंदी को लेकर आशंकित है. बाजार के भावी रुख के बारे में शेयर कारोबारी कहते हैं कि शेयर बाजार में तेजी की राह में सबसे बड़ी रुकावट अंतरराष्ट्रीय तनाव है, जिसमें लगातार परिवर्तन आ रहे है. लेकिन निवेशकों को अब भी सब्र के साथ मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनियों के भावों पर नजर रखने के साथ टुकड़ों में निवेश की रणनीति ही बनानी चाहिए. कारोबारियों की राय में बाजार में जब भी मंदी आती है, वह आने वाली तेजी की निशानी होती है, ऐसे में बाजार में निवेशकों को अपने शेयर बेचने की जल्दबाजी तो बिलकुल नहीं करनी चाहिए. वर्तमान में गत वित्तीय वर्ष के कार्य परिणामों की घोषणा भी हो रही है, जिसका असर भी बाजार पर नजर आएगा. कारोबारियों का कहना है कि आने वाले समय में भी अर्बन कंपनी, टाटा स्टील, सेल, सुजलॉन, एनएचपीसी, हिंदुस्तान जिंक, पार्क होटल, एचडीएफसी लाइफ़ जैसी मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनियों में किया गया सीमित निवेश बेहतर प्रतिफल देने में तो सक्षम है, पर यदि बाजार में और गिरावट आती है तो इन कंपनियों के मौजूदा भावों में भी कमी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. उधर, प्राथमिक बाजार के माध्यम से निवेशकों को इस सप्ताह केवल एसएमई प्लेटफार्म पर दो कंपनियों के नए व खुल चुके आईपीओ में निवेशकों को आवेदन का मौका उपलब्ध होगा. आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों को आईपीओ से धन जुटाने वाली कंपनियों के वित्तीय कार्य परिणामों और मांगे जाने वाले प्रीमियम व कंपनी के जोखिम बिन्दुओं को लेकर बेहद सतर्कता बरतने की जरूरत है, प्रमाण यह है कि हाल ही जिन आईपीओ की बाजार में लिस्टिंग हुई हैं, उनमें से कुछ तो पहले ही दिन आईपीओ कीमत तक भी बंद नहीं हो सके. उधर, सेबी के पास आने वाले नए आईपीओ आवेदनों में इस सप्ताह भटिंडा की एक कंपनी ने अपने ड्राफ्ट हेरिंग प्रोस्पेक्टस-डीआरएचपी पेश किया है.

www.thejunctiongroup.com
Junction
— WORKPLACE SOLUTIONS —
Customised Workplace Solutions
1. Jeevan Deep, Middleton St. Crossing | 40,000 sq. ft.
2. Macneill Court, 225 AJC Bose Road | 80,000 sq. ft.
3. Anandalok, 227 AJC Bose Road | 25,000 sq. ft.
4. Paddapukur Rd., Bhawanipore | 1.600 sq. ft.
5. SLS Tower, Sector V, Salt Lake | 60,000 sq. ft.
6. Synthesis Business Park, New Town | 6,000 sq. ft.
7. Mani Casadona, New Town | 35,000 sq. ft.

Flexible Options
• Private Cabins
• Enterprise Solutions
• Meeting Rooms
• Dedicated & Coworking

FOR MORE DETAILS, CONTACT US!
98744 14000/5, 98745 28385
itsupport@thejunctiongroup.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन

## न्यूज़ कॉर्नर

### उदयपुर में छात्रा से छेड़छाड़ के दो आरोपित गिरफ्तार, एक का पैर टूटा

**उदयपुर:** उदयपुर में राह चलती छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में सूरजपोल थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया. घटना शहर के दिल्ली गेट क्षेत्र की है, जहां शुक्रवार शाम कोचिंग से लौट रही एक छात्रा को दो युवकों ने निशाना बनाया. पुलिस के अनुसार, छात्रा जब कोचिंग से बाहर निकली तो दोनों आरोपित उसका पीछा करने लगे. उन्होंने रास्ते में छात्रा पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और उसे रोककर हाथ पकड़ने का प्रयास किया. स्थिति गंभीर होते देख छात्रा साहस दिखाते हुए वहां तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर दौड़ी और मदद मांगी. पुलिसकर्मी को देखकर दोनों आरोपित स्कूटी से मौके से फरार हो गए. छात्रा ने घबराहट के बावजूद स्कूटी का नंबर भी नोट कर लिया. घटना की सूचना मिलते ही सूरजपोल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की. पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्कूटी नंबर के आधार पर आरोपितों की पहचान की. डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के निर्देशन में टीम ने दबिश देकर आरोपियों शालीन मीणा निवासी गोवर्धन विलास और ओमप्रकाश डांगी निवासी लोयरा बड़गांव को गिरफ्तार किया. गिरफ्तारी के दौरान एक आरोपित पुलिस को देखकर भागने लगा और दूधतलाई स्थित माछला मगरा के जंगलों की ओर भागते समय गिर गया, जिससे उसका पैर टूट गया. पुलिस ने उसे अस्पताल में उपचार दिलाने के बाद हिरासत में लिया.

### जालंधर में हरभजन सिंह के घर के बाहर लिखा 'गद्दार'

**चंडीगढ़:** आम आदमी पार्टी (आआपा) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने वाले राज्यसभा सांसदों के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जालंधर में प्रदर्शन किया. जालंधर में कार्यकर्ताओं ने पूर्व क्रिकेटर एवं सांसद हरभजन सिंह के आवास के बाहर नारेबाजी की और उनके घर पर 'गद्दार' लिख दिया. आआपा कार्यकर्ताओं ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बाहर अशोक मित्तल के खिलाफ भी प्रदर्शन किया और उनका पुतला जलाया. कार्यकर्ताओं ने इस दौरान पंजाब के गद्दार नारे लगाए. प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हरभजन सिंह, राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक सहित कुल 7 राज्यसभा सांसदों ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामकर गद्दारी की है. विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने सिर पर काली पट्टियां बांधी हुई थीं. उन्होंने हरभजन सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.

### यूट्यूबर सलीम वास्तिक को तत्काल हो फांसी की सजा : जमाल सिद्दीकी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (हि.स.). भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी ने खुद को एक्स मुस्लिम बता कर इस्लाम और मुस्लिमों के खिलाफ़ दुष्प्रचार करने वाले यूट्यूबर सलीम वास्तिक को फांसी की सजा देने की मांग की है. सलीम वास्तिक 13 साल के बच्चे के हत्या के मामले में फरार सजायाफ्ता मुजरिम है. शनिवार को मीडिया में जारी बयान में जमाल सिद्दीकी ने कहा कि सलीम वास्तिक ने हत्या की सज़ा से बचने के लिए एक्स मुस्लिम का चोला पहन कर समाज में नफरत फैलाने का काम शुरू किया. अपने गुनाह को छुपाने के लिये हिन्दू धर्म को बदनाम किया. सलीम हिन्दू-मुस्लिम के साथ इंसानियत का भी दुश्मन है. इसके गुनाहों की सज़ा सिर्फ फांसी है. उन्होंने समाज के सभी लोगों से अपील की इस तरह के फरेबी गुनाहगारों से होशियार रहने की ज़रूरत है, जो हमारे मुल्क की खूबसूरत फिज़ा में ज़हर घोलने का काम करते हैं. उन्होंने कहा कि ऐसे फरेबी मतलब परस्त लोग हिन्दू -मुस्लिम दोनों समाज में हैं. हमें उनकी पहचान कर उसको समाज से बाहर करना चाहिए.

### असम में सात करोड़ की हेरोइन बरामद, चार महिला समेत पांच गिरफ्तार

**गुवाहाटी:** असम में कामरूप जिले के अमीनगांव में पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लगभग 7 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ के साथ चार महिलाओं समेत पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है. पुलिस पांचों तस्करों से गहन पूछताछ कर रही है. असम पुलिस मुख्यालय के सीपीआरओ ने शनिवार को बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने मणिपुर के चुराचांदपुर निवासी मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल डेमथांग हाओकिप (36) को उसके अन्य चार महिला तस्करों के साथ अमीनगांव में गिरफ्तार किया. चारों महिला अमीनगांव में नशीले पदार्थों की डिलीवरी करने पहुंची थी, जहां से उसे निचले असम के विभिन्न ज़िलों में भेजा जाना था. महिला मादक पदार्थ तस्करों के कब्ज़े से हेरोइन भरे प्लास्टिक के 62 साबुनदानी बरामद किए गए. हेरोइन का वजन (बिना साबुनदानी के) 837 ग्राम पाया गया. नशीले पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत 7 करोड़ रुपये आंकी गयी है. गिरफ्तार महिला तस्करों की पहचान लाम नेइकिम (25, चुराचांदपुर, मणिपुर), होइनेइगाह (24, चुराचांदपुर, मणिपुर), किम नेइथेन (36, चुराचांदपुर, मणिपुर) और नगाह पी (30, चुराचांदपुर, मणिपुर) के रूप में की गयी है. पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच जारी रखे हुए है.

### महेसाणा में भाजपा उम्मीदवार के भांजे की चाकू मारकर हत्या

**मेहसाणा:** गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव के प्रचार के बीच महेसाणा शहर के वार्ड नंबर 4 में भाजपा उम्मीदवार के भांजे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल हो गया है. महेसाणा के तावडिया रोड क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच बीती देर रात झड़प हो गई. इस दौरान भाजपा उम्मीदवार के भांजे मितेन चौधरी पर 4 से 5 अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियारों और लकड़ियों से हमला कर दिया. गंभीर रूप से घायल मितेन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इस हमले में धीमन चौधरी नाम का एक अन्य युवक भी घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है. वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस उम्मीदवार के पति को भी चोट लगने की जानकारी सामने आई है. डीएसपी मिलाप पटेल के अनुसार यह घटना देर रात महेसाणा शहर के 'ए' डिविजन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मानव आश्रम चौकड़ी से तावडिया रोड जाने वाले मार्ग पर हुई. मितेन चौधरी अपने दोस्तों के साथ कार में जा रहा था, तभी हमलावरों ने उनकी गाड़ी रोककर योजनाबद्ध तरीके से हमला किया.

### भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन टोंक सहित सात भाजपा कार्यालयों का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

**जयपुर:** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार को प्रदेश प्रवास पर रहेंगे. राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार प्रदेश आ रहे नितिन नवीन के स्वागत में प्रदेशवासी राजस्थानी परंपरा से स्वागत करेंगे. भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार प्रात: 10.30 बजे जयपुर एयरपोर्ट आएंगे. यहां से रवाना होकर 11.15 बजे टोंक पहुचेंगे. राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन टोंक में 11.30 बजे टोंक भाजपा जिला कार्यालय सहित बूंदी, प्रतापगढ, डूंगरपुर, चूरू, पाली, बाडमेर कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे. इस दौरान जालोर भाजपा जिला कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास भी किया जाएगा. कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे. उद्घाटन समारोह का सीधा लाइव प्रसारण किया जाएगा.

### हिसार : पारिवारिक विवाद के निपटारे के लिए बुलाई गई पंचायत में खूनी संघर्ष

**हिसार:** बालसमंद क्षेत्र में घरेलू कलह सुलझाने के लिए बुलाई गई पंचायत उस समय हिंसक झड़प में बदल गई, जब पंचायत सदस्यों और परिजनों के बीच कहासुनी हो गई. इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में शिकायतकर्ता बालसमंद निवासी रवीना ने शिकायत दी थी. उसने बताया कि 17 अप्रैल को दोपहर करीब 3:30 बजे वह अपने ससुर रूपचंद और सास संतोष के साथ घर पर थी. इसी दौरान उसकी देवरानी सुमन अपने मायके और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के साथ घर आई. घर पर घरेलू कलह के समाधान के लिए बातचीत और पंचायत चल रही थी. तभी देवरानी सुमन ने अपने सास-ससुर को साथ रखने से मना कर दिया. इसी बात पर विवाद गहरा गया और सुमन के साथ आए व्यक्तियों ने रवीना और उनके परिवार पर हमला कर दिया. आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने रवीना और उनके ससुर पर ईंटों और लात-घूंसों से हमला किया.

# पूर्व जज बावड़ियों के समान, उनके ज्ञान और अनुभव का लें लाभ: सीजेआई सूर्यकांत

**जयपुर:** उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि प्रदेश में बारिश के पानी को बावड़ी में सहेजा जाता है. हमारे पूर्व जज भी इन्हीं बावड़ियों के समान हैं, जिनसे हम परेशानी में मदद ले सकते हैं. ऐसे में इन्हें भी सहेजने की जरूरत है. ये लोग ही हमें उचित और अनुचित का फर्क बताएंगे. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत जयपुर में शनिवार को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 'द बेंच बियोंड रिटायरमेंट' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उपस्थित थीं. मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आज देश की जनता का न्यायपालिका पर गहरा विश्वास है. हमारे एक-एक शब्द को लोग पूजनीय मानते हैं. ऐसे में न्यायपालिका और उससे जुड़ी संस्थाओं को जागरूक होने की जरूरत है. हमारा दायित्व है कि हम लोगों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास बनाए रखे. उन्होंने कहा कि हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि जज हमेशा जज रहता है. लोक अदालत जैसे माध्यमों से लाखों लोगों को न्याय मिलता है. उन्होंने कहा कि पूर्व जज आमजन को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. वे स्कूल, कॉलेजों और ग्राम पंचायतों तक जाकर आमजन को न्यायिक प्रक्रिया और उनके अधिकारों

के बारे में जागरूक कर सकते हैं. इस दौरान उन्होंने उच्च न्यायालय में यूनिफॉर्म रजिस्ट्रेशन नंबर सिस्टम का बटन दबाकर शुरुआत की. सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह वह पीढ़ी है, जिसने देश में बड़े बदलाव देखे हैं. उन्होंने कहा कि न्यायपालिका संविधान और कानून की रक्षक है. वह हर नागरिक को समान अधिकार देती है. जिस व्यक्ति को न्याय की जरूरत है, उसके लिए न्यायाधीश एक उम्मीद है. न्यायाधीश का एक बयान समाज के जीवन का आधार बनता है. आप समाज को जो दिशा देते हैं, उसकी समाज से मान्यता मिलती है. मुख्यमंत्री ने पूर्व जजों को कहा कि वे रिटायर होने के बाद भी समाज को नई दिशा दे रहे हैं. नए न्यायाधीश आते हैं और पूर्व जजों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ते हैं. उन्होंने कहा कि आमजन सीधे अदालत जाने से पहले लोक अदालत का दरवाजा जरूर खटखटाएं, इसमें बहुत काम होते हैं और लोगों को राहत मिलती है. इस मौके पर उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा ने कहा कि अदालतों में मुकदमों की भरमार होने से लोगों को न्याय मिलने में देरी हो रही है. डिजिटल इन्फास्ट्रक्चर बढ़ने से न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग बढ़ा है. उन्होंने कहा कि एक जज की यात्रा रिटायर होने के बाद समाप्त नहीं होती है. पूर्व जज न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं. कॉन्फ्रेंस के बाद राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को दिए गए मल्टी यूटिलिटी वाहनों को उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. ये वाहन प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर लोगों को उनके अधिकारों और विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में जागरूक करेंगे.

## केसीआर की बेटी के. कविता ने बनाई नई पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना'

**हैदराबाद:** प्रचंड गर्मी के बीच तेलंगाना की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब पूर्व विधान पार्षद (एमएलसी) कलवकुंतला कविता ने नई राजनीतिक पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) के गठन की घोषणा कर दी. इस फैसले को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है. तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पुत्री और पूर्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की प्रमुख नेता रहीं के. कविता का पार्टी नेतृत्व के साथ लंबे समय से मतभेद चल रहा था. आंतरिक विवादों के चलते उन्हें जून 2025 में पार्टी से निलंबित कर दिया गया था. इसके बाद उन्होंने एमएलसी पद और बीआरएस की प्राथमिक सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया था. बीआरएस से अलग होने के सात महीने बाद कविता ने अपनी नई पार्टी के लिए वही नाम टीआरएस चुना है, जिसके साथ उनके पिता ने कभी तेलंगाना राज्य आंदोलन की शुरुआत की थी. इस नाम के चयन को राजनीतिक रूप से बेहद प्रतीकात्मक माना जा रहा है. के. कविता ने स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी का मुख्य फोकस तेलंगाना के क्षेत्रीय मुद्दे, सामाजिक न्याय और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग होगा. उन्होंने कहा कि तेलंगाना की मूल भावना और जनता की अपेक्षाओं को फिर से केंद्र में लाना उनकी प्राथमिकता है. अपनी नई पार्टी की शुरुआत से पहले उन्होंने हैदराबाद के

गन पार्क स्थित अमरवीर स्तूप पर 1969 के तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की. इसके बाद हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र मुनीराबाद में आयोजित पार्टी लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री बनने और राज्य में नई क्रांति लाने का संकल्प दोहराया. उन्होंने खुद को जनता की अम्मा बताते हुए कहा कि वह तेलंगाना की मातृत्वपूर्ण नेतृत्वकर्ता बनना चाहती हैं. इस दौरान उन्होंने अपनी तुलना तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता से भी की. अपने संबोधन में कविता ने आत्ममंथन करते हुए कहा कि उन्हें बीआरएस सरकार के कुछ कार्यों पर शर्म महसूस होती है. उन्होंने स्वीकार किया कि वह उस सत्तारूढ़ परिवार का हिस्सा थीं, जिसने पार्टी और प्रशासन दोनों का नेतृत्व किया. हालांकि उन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन में अपनी भूमिका और अलग राज्य की प्राप्ति पर गर्व भी जताया. उन्होंने कहा कि तेलंगाना राष्ट्र सेना पुरानी गलतियों को सुधारने और राज्य को आंदोलन की मूल आकांक्षाओं से फिर जोड़ने का प्रयास है. उन्होंने 'तेलंगाना जागृति' और अपने व्यक्तिगत योगदान का भी उल्लेख किया. अपने पिता के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाले आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि समय के साथ तेलंगाना आंदोलन का रथ अपनी दिशा से भटक गया और जनता की वास्तविक समस्याओं को पूरी तरह समझने में विफल रहा. उन्होंने कहा, तेलंगाना का सामाजिक रथ टुकड़ों में टूट गया है. राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, के. कविता का यह कदम बीआरएस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है, क्योंकि यह सीधे तौर पर 'तेलंगाना भावना' और क्षेत्रीय अस्मिता से जुड़ा हुआ है.

## पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता का माहौल कायम करने के लिए प्रयास करता रहेगा: डार

**इस्लामाबाद:** पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान ईरान-अमेरिका वार्ता में सहयोग कर रहा है और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता का माहौल कायम करने के लिए प्रयास करता रहेगा. वार्ता के दूसरे दौर को लेकर हालांकि अनिश्चितता बनी हुई है. विदेश कार्यालय (एफओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री डार ने क्षेत्र में नवीनतम घटनाक्रम की समीक्षा करने के लिए विदेश मंत्रालय में एक बैठक की. उन्होंने इस बात को दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता का माहौल कायम करने के लिए ईरान-अमेरिका वार्ता में सहयोग कर रहा है और पाकिस्तान इस संबंध में अपने प्रयास जारी रखेगा. डार ने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान-अमेरिका मध्यस्थता

प्रक्रिया पर पाकिस्तान के आधिकारिक नीतिगत बयान केवल आधिकारिक स्रोतों द्वारा जारी किए गए बयान हैं. उन्होंने कहा, ''बयान चाहे प्रिंट मीडिया में उद्धृत किए गए हों या सोशल मीडिया पर, अज्ञात पाकिस्तानी अधिकारियों या सूत्रों के बयान पाकिस्तान के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाते हैं.'' डार ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अटकलबाजी वाली रिपोर्टिंग से बचने और केवल आधिकारिक बयानों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी.

## नेपाल में सत्तारूढ़ दल के 5 सांसद धरने पर बैठे

**काठमांडू:** नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद खगेन्द्र सुनार और समेत पांच सांसद पिछले 12 घंटे से सिंधुली जिला प्रशासन कार्यालय के गेट पर धरने पर बैठे हैं. वे शुक्रवार शाम से 22 वर्षीय श्रीकृष्ण बीके के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिनकी पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी. श्रीकृष्ण बीके सिंधुली के सुनकोशी ग्रामीण नगरपालिका-3, जुम्ले डाँडा के निवासी थे. धरने में आरएसपी सांसद खगेन्द्र सुनार, रीमा विश्वकर्मा, सुष्मा स्वर्णकार, खिमा विश्वकर्मा और आशीष गजुरेल के साथ बुद्धिजीवी और जुम्ले डाँडा के कुछ स्थानीय लोग भी शामिल हैं. खगेन्द्र सुनार ने फेसबुक पर लिखा, हम पिछले 12 घंटे से जिला प्रशासन कार्यालय के गेट पर बैठे हैं. उनके निजी सहयोगी अर्जुन सुनार ने बताया कि वे पूरी रात धरनास्थल पर डटे रहे. श्रीकृष्ण बीके के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने हिरासत में उन्हें प्रताड़ित कर मार डाला. बीके ने 11 अप्रैल को खोटांग की 17 वर्षीय लड़की से अंतरजातीय प्रेम विवाह किया था. शादी के बाद वह अपने छोटे भाई के साथ ललितपुर में रह रहे थे, लेकिन बाद में सिंधुली लौट आए थे. 16 अप्रैल को ललितपुर के सातदोबाटो पुलिस सर्कल ने उन्हें यह कहकर बुलाया कि लड़की का परिवार बात करना चाहता है. लेकिन वहां पहुंचने के बाद बीके को हिरासत में ले लिया गया और अगले दिन सिंधुली भेज दिया गया.

## कोर्ट में बार-बार खारिज हो रहे प्रदेश सरकार के फैसले : जयराम ठाकुर

**मंडी:** नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार के फैसले लगातार अदालत में खारिज हो रहे हैं, जो उसकी नीतियों और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हैं. मंडी जिले के सराज विधानसभा क्षेत्र में सपैहणी धार मेले के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही. जयराम ठाकुर ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा सरकारी कर्मचारियों की भर्ती और सेवा शर्तों से जुड़े विधेयक 2024 को असंवैधानिक घोषित किए जाने का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि यह वही कानून है, जिसे पहले भी अदालत ने खारिज किया था और इसके बावजूद सरकार ने इसे दोबारा लाकर पारित किया. उनके मुताबिक, विपक्ष ने उस समय ही चेतावनी दी थी कि यह कानून न्यायालय में टिक नहीं पाएगा, लेकिन सरकार ने संख्या बल के दम पर इसे पास कराया.

युवा शक्ति
युवा अंदाज में राष्ट्र की आवाज
कोलकाता से प्रकाशित राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित युवाशक्ति से जुड़कर आप सामाजिक सशक्तिकरण की जीवंत आवाज बनें।
अखबार हो या डिजिटल प्लेटफॉर्म
युवाशक्ति हमेशा अग्रसर रहेगा
पेशेवर पत्रकारों की निष्ठा और समर्पण से सजा है युवाशक्ति
आइए, वार्षिक और लाइफ सदस्यता ग्रहण करके युवाशक्ति को निरंतर समाजोपयोगी, चिंतनपरक पत्रकारिता की मसाल थामे आगे बढ़ने का हौसला दें।
Contact : sshekharyuvashakti@gmail.com
9831494084, 9831174666
Website:https://www.yuvashaktinews.com/
Epaper:https://epaper.yuvashaktinews.com/
Facebook:https://www.facebook.com/yuvashaktinewsIN
YouTube:https://www.youtube.com/@YUVASHAKTILIVE/videos
Twitter:https://twitter.com/YUVASHAKTILIVE
Instagram: https://www.instagram.com/yuvashaktidigital

श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः
लोगुज्जोयरा धम्म तित्थयरे जिणवरेय अरहंते।
कित्तण केवलिमवे य उत्तमबोहि मम दिसंतु॥

## स्मृति दिवस श्री निर्मलकुमार जैन सेठी

# जैन धरोहर दिवस

चरित्र चक्रवर्ती
आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज

**स्व. निर्मल कुमार जैन सेठी**
(डेह निवासी)
(8 जुलाई, 1938 – 27 अप्रैल, 2021)

मान्यवर
सादर जयजिनेन्द्र,

श्रावकरत्न, कर्मयोगी, देव, शास्त्र और गुरु के अनन्य उपासक, प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धारक **श्री निर्मलकुमार जी जैन सेठी (डेह निवासी)** की पंचम पुण्यतिथि के अवसर पर सेठी ट्रस्ट और श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की ओर से 26 अप्रैल 2026 दिन रविवार को बंगाल की राजधानी कोलकाता में और 27 अप्रैल 2026 दिन सोमवार को पंचकोट (पंचेत पहाड) जिला पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) मे उनके कार्यों के पुण्यस्मरण एवं विनयांजलि हेतु समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उक्त पावन दिवस पर **'दर्शन एवं साहित्य'** तथा **'कला एवं पुरातत्व'** के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान करने वाले दो विद्वानों को **'श्री निर्मलकुमार सेठी जी मेमोरियल पुरस्कार'** से सम्मानित किया जाएगा। आप सभी से सादर अनुरोध है कि इस पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें विनयांजलि देने हेतु सपरिवार पधारकर हमें कृतार्थ करें।

## कार्यक्रम

### प्रथम दिवस

**जैन धरोहर दिवस**
दिनांक : 26 अप्रैल 2026 रविवार
**अध्यक्षता**
श्रीमान कमल सिंह रामपुरिया
**मुख्य अतिथि**
श्रीमान गजराज गंगवाल
**समय**
दोपहर : 1:00 बजे से शाम 5:00 तक
**स्थान**
धोनो धान्यो ऑडिटोरियम,
अलीपुर, कोलकाता

### द्वितीय दिवस

**जैन धरोहर दिवस**
दिनांक : 27 अप्रैल 2026 सोमवार
**अध्यक्षता**
श्रीमान डा, शुभा मजमूदार
**मुख्य अतिथि**
श्रीमान प्रदीप चौपडा
**समय**
दोपहरः 1:00 बजे से शाम 5:00 तक
**स्थान**
चारुलता रिसॉर्ट, पंचकोट (पंचेत पहाड)
जिला पुरुलिया (पश्चिम बंगाल)

विनीत
**सेठी ट्रस्ट**
नई दिल्ली । गुवाहाटी । सिलचर

**आयोजक**
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर
जैन महासभा
नई दिल्ली

**संयोजक**
श्री दिगम्बर जैन समाज
कोलकाता

कार्यक्रमोपरान्त वात्सल्य भोज स्वीकार करने की कृपा करें।